तापमान

भोपाल	22.0°	32.0°
इंदौर	21.0°	32.0°
जबलपुर	24.0°	32.0°
ग्वालियर	27.0°	35.0°
सागर	23.0°	32.0°

नईदुनिया

वर्ष- 80
(सागरः वर्ष 13 अंक 170, पृष्ठ 12)
भाद्रपक्ष, अमावस्या संवत् 2083
शुक्रवार, 11 सितम्बर 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naidunialive.com
सागर संस्करण
भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन, 2040 तक चांद पर भारतीय को भेजेंगे : मोदी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के आगामी लक्ष्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि देश 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक एक भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने गुरुवार को पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को वीडियो माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित सुरक्षित और टिकाऊ अंतरिक्ष क्षेत्र का समर्थन करता है। अंतरिक्ष की संभावनाएं असीमित हैं और इसके उपयोग को लेकर सभी देशों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनाया। वहीं आदित्य-एल1 अभियान सूर्य के रहस्यों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष एक भारतीय ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा की थी। अब भारत का लक्ष्य अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना और चंद्रमा पर भारतीय भेजना है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष अभियानों के लाभ पूरी मानवता तक पहुंचने चाहिए। मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के साथ देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों, अभियंताओं और तकनीशियनों की कई पीढ़ियों की मेहनत से देश ने अंतरिक्ष क्षेत्र में विश्वसनीयता हासिल की है। प्रधानमंत्री ने फ्रांस और अन्य देशों से भारत के अगली पीढ़ी के अंतरिक्ष अनुसंधान में साझेदार बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस का अंतरिक्ष सहयोग कई दशकों पुराना है और अब यह पृथ्वी अवलोकन तथा उन्नत तकनीकों तक फैल चुका है।

गलवान के बाद पहली बार नई दिल्ली पहुंचेंगे चीनी राष्ट्रपति

ब्रिक्स सम्मेलन में जिनपिंग और पुतिन आएंगे भारत

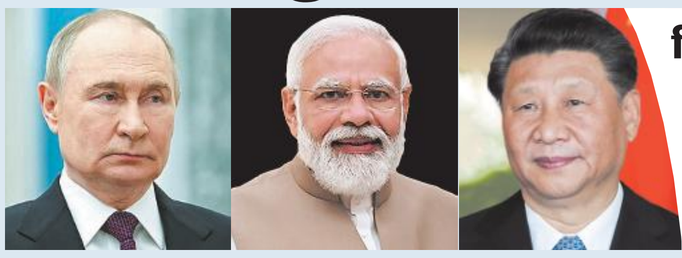

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः 12 और 13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल होंगे। चीन ने गुरुवार को जिनपिंग के भारत दौरे की पुष्टि की। इससे दो दिन पहले रूस ने पुतिन के भारत आने की जानकारी दी थी।

गलवान घाटी में 2020 की हिंसक झड़प के बाद यह जिनपिंग की पहली भारत यात्रा होगी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। 15 जून 2020 को गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक बलिदान हुए थे। चीन ने बाद में अपने चार सैनिकों के मारे जाने की बात स्वीकार की थी। जिनपिंग ने आखिरी बार अक्टूबर 2019 में भारत का दौरा किया था और महाबलीपुरम में मोदी से मुलाकात की थी। गलवान घटना के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ गया था। हालांकि, पिछले कुछ समय से रिश्तों को सामान्य बनाने के प्रयास जारी हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 24 अगस्त को चीन का दौरा किया था और अगले दिन चीनी विदेश मंत्री वांग यी से सीमा विवाद समेत कई मुद्दों पर बातचीत की थी। ब्रिक्स बैठक में सीमा विवाद के साथ व्यापार, आर्थिक संबंध, व्यापार घाटा, दुर्लभ मृदा चुंबक और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आपूर्ति जैसे मुद्दे भी भारत के एजेंडे में रह सकते हैं। भारत इस वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक, आतंकवाद से मुकाबले तथा आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने पर जोर दे रहा है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए सज गया भारत मंडपम

नई दिल्ली। राजधानी में 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारियां पूरी हो गई हैं। भारत मंडपम में सम्मेलन को लेकर की गई तैयारियों की झलक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंटरनेट मीडिया पर साझा की है। उन्होंने 26 सेकंड का वीडियो जारी करते हुए लिखा, 'ब्रिक्स 2026 के लिए सब तैयार है।' वीडियो में भारत मंडपम में सम्मेलन से पहले की गई तैयारियां दिखाई गई हैं। इस बीच विदेशी मेहमानों का दिल्ली पहुंचना भी शुरू हो गया है। सम्मेलन को देखते हुए राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस ने विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय कर करीब 15 हजार पुलिसकर्मियों और अर्द्धसैनिक बलों की करीब 200 कंपनियां तैनात की हैं। विशिष्ट अतिथियों की आवाजाही को देखते हुए आम लोगों के लिए यातायात संबंधी परामर्श भी जारी किया गया है।

तेजस्वी-राबड़ी समेत नौ पर आरोप तय

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने आईआरसीटीसी धनशोधन मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी समेत नौ आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है।

अदालत ने पीसी गुप्ता, सरला गुप्ता, विजय कोचर, विनय कोचर, लारा प्रोजेक्ट्स और सुजाता होटल समेत अन्य के खिलाफ भी मामले को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी। वहीं, अदालत ने सात आरोपितों को आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि पटना में हस्तांतरित की गई जमीन प्रथम दृष्टया अपराध से अर्जित संपत्ति है। आरोपितों को आगे की सुनवाई के लिए अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है।

भाजपा में हरीश द्विवेदी का बढ़ा कद

राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं को जोड़ने की जिम्मेदारी

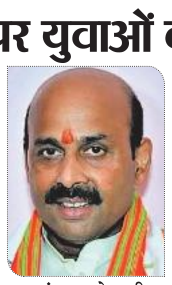

नईदुनिया ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का ऐलान किया है। पार्टी ने सात मोर्चों के प्रभारियों की नियुक्ति की है। उत्तर प्रदेश के बस्ती से दो बार सांसद रहे हरीश द्विवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। अब उनकी जिम्मेदारी राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं को पार्टी से जोड़ने की होगी। हरीश द्विवेदी को कुछ दिन पहले ही भाजपा का राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया था। इससे पहले वह असम के प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। उनके कार्यकाल में हिमंत बिस्व सरमा दोबारा असम के मुख्यमंत्री बने। पार्टी नेतृत्व ने उनके संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए अब उन्हें युवा मोर्चे की जिम्मेदारी सौंपी है। सभी मोर्चा प्रभारी संबंधित मोर्चा अध्यक्षों के साथ मिलकर कार्यकारिणी तैयार करने, प्रदेशों के प्रभारी तय करने और राज्यों में संगठन की टीम बनाने में सहयोग करेंगे।

किस राज्य से कौन प्रभारी

हरीश द्विवेदी : उत्तर प्रदेश की बस्ती लोकसभा सीट से दो बार लोकसभा सांसद रहे. 2014 और 2019 में बस्ती से लोकसभा चुनाव न विजय हासिल की.

डी. पुरंदेश्वरी : आंध्र प्रदेश की वरिष्ठ नेता, कांग्रेस में भी रह चुकी हैं और केंद्रीय मंत्री के रूप में काम किया है. लोकसभा की दो बार सदस्य रही हैं.

लाल सिंह आर्या : मप्र के गोहद से कई बार विधायक रहे. शिवराज सिंह चौहान सरकार में मंत्री रह चुके हैं. भाजपा शेड्यूल कास्ट मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं.

गजेंद्र सिंह पटेल : मध्य प्रदेश के खरगोन से लोकसभा सांसद हैं. 2019 और 2024 में खरगोन से लोकसभा चुनाव जीते हैं. पेशे से किसान हैं.

सतीश पूनिया : राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं. आमेर से विधायक रहे और राजस्थान विधानसभा में डिप्टी लीडर ऑफ अपोजिशन भी रहे. संगठन में लंबे समय से सक्रिय भूमिका रही है.

संजय भाटिया : हरियाणा की करनाल लोस से 2019 में सांसद चुने गए. हरियाणा के प्रदेश महासचिव रह चुके हैं.

बैजयंत पांडा : ओडिशा के केंद्रापाड़ा से लोकसभा सांसद हैं. भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं. इससे पहले बीजू जनता दल से राज्यसभा और लोकसभा सांसद रह चुके हैं.

ऑपरेशन अन्वेषण *मानव तस्करी और गुमशुदगी के मामलों में अभियान...*

ओडिशा से लापता 101 बच्चे 17 राज्यों से बरामद

नईदुनिया ब्यूरो, भुवनेश्वरः ओडिशा पुलिस के अपराध शाखा के तहत चलाए गए 'ऑपरेशन अन्वेषण' में दूसरे राज्यों से 101 लापता और मानव तस्करी के शिकार बच्चों को बरामद किया गया है। इनमें 54 लड़के और 47 लड़कियां शामिल हैं। अभियान 28 अगस्त से आठ सितंबर तक 17 राज्यों में चलाया गया। अपराध शाखा की अपराध रोकथाम एवं नियंत्रण शाखा की अतिरिक्त महानिदेशक एस. सैनी ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। बच्चों को आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल से बरामद किया गया। बरामद बच्चों में 83 को बाल देखभाल संस्थानों से बचाया गया। इनमें 46 लड़के और 37 लड़कियां हैं। बाल श्रम शिविरों से छह लड़कों और एक लड़की समेत सात बच्चों को छुड़ाया गया। 11 बच्चों के ओडिशा में लापता होने की रिपोर्ट दर्ज थी, जिनमें दो लड़के और नौ लड़कियां हैं। पश्चिम बंगाल से सबसे ज्यादा 30 बच्चे बरामद हुए। इसके बाद कर्नाटक से 11 तथा झारखंड और तमिलनाडु से 10-10 बच्चों को बचाया गया।

बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं। अभियान के लिए प्रत्येक पुलिस रेंज के तहत दो टीमें बनाई गई थीं। प्रत्येक टीम में पांच पुलिसकर्मी और महिला एवं बाल विकास विभाग के एक कानून एवं परिवीक्षा अधिकारी शामिल थे। विभाग ने पुलिस, जिला टीमों और अन्य संबंधित पक्षों के प्रयासों की सराहना की है।

जहरीली शराब कांडः एक्शन में प्रशासन, आरोपियों की अवैध संपत्तियों पर चला बुलडोजर

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। बंडा में हुए चर्चित जहरीली शराब कांड के बाद जिला प्रशासन और पुलिस ने मुख्य आरोपियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई और अधिक सख्त कर दी है। आरोपियों की गिरफ्तारी और वैधानिक कार्रवाई के बाद अब प्रशासन ने उनके आर्थिक तंत्र को पूरी तरह ध्वस्त करने का अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में जांच के दायरे में उन तमाम संपत्तियों को लिया गया है, जिन्हें कथित तौर पर अवैध शराब के काले कारोबार से अर्जित संपत्ति से निर्मित किया गया बताया जा रहा है।

गुरुवार सुबह से ही प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीमों ने चिन्हित स्थानों पर पहुंचकर संपत्तियों की सूक्ष्म जांच शुरू कर दी। राजस्व विभाग के रिकॉर्ड को खंगालने के बाद कई मकान, बाड़े और गोदाम अवैध निर्माण तथा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के रूप में पाए गए। इसके तुरंत बाद प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में बुलडोजर बुलाकर अवैध ढांचों को ढहाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई।

कार्रवाई को सुचारू और प्रभावी ढंग से अंजाम देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तीन विशेष टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें आपस में बेहतर समन्वय बनाते हुए अलग-अलग स्थानों पर एक साथ बुलडोजर कार्रवाई को अंजाम दे रही हैं। मौके पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिस कर्मी तथा वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी तैनात रहे। प्रशासनिक अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि अवैध व जहरीली शराब के कारोबार में लिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त जांच लगातार जारी है। इस दौरान आरोपियों द्वारा अवैध तरीके से बनाई गई जो भी अन्य चल-अचल संपत्तियां सामने आएंगी, उन पर नियमानुसार सख्त दंडात्मक एवं बुलडोजर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

प्रशासन की इस आक्रामक और कड़ी कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों तथा अपराधियों में हड़कंप मच गया है। जहरीली शराब कांड के मुख्य दोषियों पर इस तरह चौतरफा शिकंजा कसे जाने से क्षेत्र के नागरिकों में प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

खास-खबरें

मुख्यमंत्री खाना-पूर्ति कर चले गए, मृतक परिवारों की सुध नहीं ली : मोहासा

सागर : जिला कांग्रेस कमेटी सागर ग्रामीण/शहर के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मोहासा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सागर प्रवास को महज औपचारिकता बताते हुए कहा कि सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई इतनी बड़ी जनहानि के बावजूद मुख्यमंत्री मृतक परिवारों से मिलने बंडा तक नहीं गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कांग्रेस पर दोष मढ़ना बंद करें। पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से प्रदेश में भाजपा की सरकार है और केंद्र में भी आपकी सरकार है, तो सख्त कानून और प्रभावी कार्रवाई करने से आपको किसने रोका था? मोहासा ने कहा कि सरकार मौतों का वास्तविक आंकड़ा छुपा रही है। प्रशासन द्वारा बताए जा रहे आंकड़ों और जमीनी स्थिति में अंतर है। मृतकों के विसरा की फॉरेंसिक जांच भी पूरी तरह निष्पक्ष हो, इस पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस की मांग है कि सभी मृतकों के विसरा की जांच भोपाल की स्वतंत्र फॉरेंसिक लैब से कराई जाए। उन्होंने कहा कि गांव-गांव अवैध शराब की भट्टियां और जहरीली शराब के कारोबार की शिकायतें पहले भी प्रशासन को ज्ञापन के माध्यम से दी गई थीं। समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई, इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। केवल छोटे आरोपियों पर कार्रवाई नहीं, बल्कि पूरे अवैध शराब नेटवर्क, उसे संरक्षण देने वाले लोगों तथा लापरवाही बरतने वाले पुलिस एवं आबकारी अधिकारियों की भूमिका की जांच हो। मोहासा ने आबकारी विभाग द्वारा कथित क्लीनचिट की भी निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि क्लीनचिट किस आधार पर दी गई और इसके लिए कौन अधिकारी जिम्मेदार था, यह सार्वजनिक किया जाए। दोषियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि मृतक परिवारों को दी जा रही 6 लाख की सहायता अपर्याप्त है। प्रत्येक मृतक परिवार को कम से कम 50 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए तथा आश्रितों को उचित सहायता दी जाए। मोहासा ने कहा कि यह केवल जहरीली शराब से हुई मौतों का मामला नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की गंभीर विफलता है। कांग्रेस पार्टी मृतक परिवारों को न्याय मिलने तक इस मुद्दे को मजबूती से उठाती रहेगी।

अवैध शराब की हेल्पलाइन पर एक दिन में 69 सूचना प्राप्त हुई

सागर : जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सागर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान को आमजन का व्यापक सहयोग मिल रहा है। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया द्वारा आज अवैध शराब संबंधी सूचना देने के लिए जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर 7701055235 पर सुबह से अब तक कुल 69 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। सागर पुलिस द्वारा प्राप्त प्रत्येक सूचना को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को तत्काल भेजकर मौके पर तस्दीक एवं आवश्यक कार्रवाई कराई गई। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस द्वारा अब तक 4 स्थानों पर अवैध शराब पकड़ी गई, जबकि 1 सूचना पर सट्टे का प्रकरण दर्ज किया गया है। अन्य प्राप्त सूचनाओं की भी संबंधित पुलिस अधिकारियों द्वारा तस्दीक एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। सागर पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई में आमजन की सहभागिता को महत्वपूर्ण मानते हुए यह हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया था। हेल्पलाइन पर बड़ी संख्या में नागरिकों द्वारा सूचनाएं देना इस बात का प्रमाण है कि सागर जिले के नागरिक अपराध एवं अवैध गतिविधियों के विरुद्ध पुलिस के साथ मजबूती से खड़े हैं। पुलिस अधीक्षक सागर अनुराग सुजानिया ने हेल्पलाइन पर सूचना देने वाले सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवैध शराब एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के विरुद्ध पुलिस को प्राप्त होने वाली प्रत्येक सूचना महत्वपूर्ण है। नागरिक बिना किसी भय या संकोच के अपने आसपास होने वाली अवैध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दें। प्राप्त प्रत्येक सूचना का गंभीरता से सत्यापन कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सागर पुलिस द्वारा हेल्पलाइन पर सूचना देने वाले सभी नागरिकों की पहचान सर्वथा गोपनीय रखी जा रही है। नागरिकों से अपील है कि वे अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, परिवहन एवं भंडारण के साथ-साथ जुआ, सट्टा अथवा अन्य अवैध गतिविधियों की जानकारी भी पुलिस को दें।

अवैध शराब संबंधी सूचना हेतु हेल्पलाइन नंबर* 7701055235 अपराध के विरुद्ध आपकी एक सूचना, पुलिस की बड़ी कार्रवाई का आधार बन सकती है। आगे आएं, सूचना दें और समाज को सुरक्षित बनाने में अपना योगदान दें। सागर पुलिस ने हेल्पलाइन पर सूचना देने वाले सभी जागरूक नागरिकों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

नवागत कमिश्नर ने पदभार ग्रहण किया

सागर : नवागत कमिश्नर सागर संभाग दिलीप कुमार ने कमिश्नर कार्यालय में पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पहले कुमार आयुक्त उद्योग मध्यप्रदेश भोपाल तथा प्रबंध संचालक लघु उद्योग निगम मध्य प्रदेश भोपाल, (अतिरिक्त प्रभार) की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। पूर्व कमिश्नर अनिल सुचारी ने अपना पदभार नवागत कमिश्नर कुमार को सौंप दिया है। कमिश्नर कुमार ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात कार्यालय में अधिकारियों से भेंट की और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा है कि किसी भी व्यक्ति को शासन की योजनाओं से संबंधित कोई समस्या हो तो प्रत्येक सोमवार एवं मंगलवार को कार्यालयीन समय में संपर्क सकते हैं।

बंडा और विनायका पुलिस की बड़ी संयुक्त कार्रवाई, मक्के के खेत में चल रही नकली शराब बनाने की फैक्ट्री सील

जहरीली व अवैध शराब गिरोह का पर्दाफाशः 16 आरोपी गिरफ्तार ठेकेदार, संगठन पदाधिकारी व तस्कर का गठजोड़ उजागर

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। जिले के बंडा एवं विनायका थाना क्षेत्रों में जहरीली शराब के सेवन से हुई जनहानि और हादसों के बाद हरकत में आई सागर पुलिस ने अवैध शराब के बड़े अंतर्राज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दोनों थाना क्षेत्रों में दर्ज मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से न केवल नकली शराब के अवैध निर्माण और बिक्री का सनसनीखेज सच सामने आया है, बल्कि यह भी उजागर हुआ है कि कैसे शराब दुकान का लाइसेंसी ठेकेदार, एक संगठन का पदाधिकारी और अंतर्राज्यीय शराब तस्कर मिलकर मौत का यह काला कारोबार चला रहे थे।

पुलिस पड़ताल में सामने आया कि बंडा थाना क्षेत्र के कुछ गांवों में शराब के सेवन से लोगों की तबीयत बिगड़ने और मौतों की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रभावित ग्रामीणों और परिजनों से पूछताछ के बाद जांच के तार बरेठी मदिरा दुकान के लाइसेंसी ठेकेदार मनीष लोधी उर्फ यशवंत ठाकुर निवासी बंडा, करणी सेना के संभागीय अध्यक्ष चंदू उर्फ चंद्रभान सिंह राजपूत निवासी ततरवारा और ललितपुर (मूल निवासी छतरपुर) के कुख्यात अंतर्राज्यीय शराब तस्कर रवि लखेरा से जुड़े।

पुलिस के अनुसार, ठेकेदार मनीष लोधी लगातार तस्कर रवि लखेरा के संपर्क में था, जिससे उसने स्प्रिट और केमिकल से नकली शराब बनाने का फार्मूला सीखा था। जन्माष्टमी से दो दिन पूर्व तस्कर रवि लखेरा और मनीष लोधी ने स्प्रिट, बारदाना, लेबल और बोतलें उपलब्ध कराई थीं। इसके बाद चंदू राजा के ततरवारा स्थित मक्के के खेत और बाड़े पर शिवआंजय राजपूत, मनीष लोधी और चंदू ने मिलकर %सागर गोल्ड% के नाम से 50 पेटी नकली शराब तैयार की।

तैयार की गई जहरीली शराब को शिवआंजय, मनीष और चंदू ने नौराज, गूगरा, पाटन, छापरी और आसपास के कई गांवों में अपने सेल्समैनों के जरिए सप्लाई कराया। पुलिस दबिश की भनक लगते ही मुख्य आरोपी चंदू राजा व उसके परिजनों ने साक्ष्य मिटाने की नीयत से अवैध शराब और निर्माण सामग्री को जलाकर नष्ट करने का प्रयास भी किया। हालांकि, पुलिस की मुस्तैदी से मौके से काफी सामग्री और शराब बरामद कर ली गई।

पुलिस ने आरोपी चंदू राजा के मक्के के खेत व बाड़े से 164 %सागर गोल्ड% व प्लेन मदिरा के खाली क्वार्टर, 27 लीटर अमानक शराब, 170 ढक्कन, 150 नकली रैपर, शराब मापने का यंत्र (मापक), फेविकोल, टेप, ब्लेड, शराब भरने की चुग्गी और 11 कार्टन जब्त किए। बंडा थाना क्षेत्र से- कुल 62.4 लीटर अवैध शराब जब्त (जिसमें से 43.2 लीटर आरोपी जुझार सिंह लोधी से जब्त)। विनायका थाना क्षेत्र से- कुल 189.72 लीटर शराब जब्त (जिसमें से 147.6 लीटर मुख्य आरोपी चंदू राजपूत से जब्त)।

गिरफ्तार किए गए 16 आरोपी

पुलिस ने दोनों थानों में दर्ज पृथक-पृथक अपराधों में 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनमें मनोहर लोधी (32) निवासी नौराज, दिनेश लोधी (32) निवासी नौराज, जुझार सिंह लोधी (43) निवासी नौराज, राजा लोधी (45) निवासी गूगरा, अनिकेत गंधर्व (27) निवासी गंभीरिया (मकरोनिया), रविन्द्र लोधी (30) निवासी बसगोई (टीकमगढ़), आकाश राय (28) निवासी सौरई (ललितपुर) एवं गोविंद लोधी (35) निवासी नौराज।

थाना विनायका (अपराध क्र. 98/26) में गिरफ्तार 8 आरोपी: अरविंद यादव (44) निवासी पाटन, भगवान सिंह लोधी (40) निवासी पाटन, मानसिंह अहिरवार (45) निवासी पाटन, चंद्रभान उर्फ चंदू राजपूत (42) निवासी ततरवारा, धर्मेंद्र राजपूत (30) निवासी ततरवारा, सोहन राजपूत (52) निवासी ततरवारा, रोहित शिवहरे (24) निवासी छतरपुर एवं राघवेंद्र राजपूत (30) निवासी ततरवारा शामिल हैं।

पुराना आपराधिक रिकॉर्ड

जांच में सामने आया कि गिरोह में शामिल आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं। अंतर्राज्यीय तस्कर रवि लखेरा पर विभिन्न जिलों में आबकारी एक्ट के लगभग 25 अपराध दर्ज हैं। वर्ष 2025 में उस पर बहेरिया थाने (सागर) में भी आबकारी एक्ट का मामला दर्ज हुआ था। बरेठी मदिरा दुकान के लाइसेंसी ठेकेदार मनीष लोधी उर्फ यशवंत ठाकुर के खिलाफ 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 6 मामले सीधे तौर पर शराब तस्करी के हैं। मुख्य आरोपी चंदू राजा पर 5 अपराध दर्ज हैं, जबकि आरोपी पप्पू लोधी पहले से ही आबकारी मामले में जेल में बंद है।

मुख्य फरार आरोपियों पर इनाम की घोषणा

मामले में मुख्य साजिशकर्ता व शराब ठेकेदार मनीष लोधी, अंतर्राज्यीय तस्कर रवि लखेरा और शिवआंजय राजपूत निवासी छापरी फिलहाल फरार हैं। पुलिस अधीक्षक सागर द्वारा मुख्य फरार आरोपियों मनीष लोधी और रवि लखेरा की गिरफ्तारी पर 20-20 हजार रुपये तथा अन्य शेष फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपये के इनाम की उद्घोषणा की गई है। पुलिस की विशेष टीमें फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

लाजपतपुरा वार्ड के युवाओं ने विधायक को सौंपा मांग-पत्र

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। शहर के लाजपतपुरा वार्ड के युवाओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधायक शैलेंद्र कुमार जैन के निवास पर पहुंचकर वार्ड की विभिन्न समस्याओं एवं मूलभूत आवश्यकताओं से संबंधित एक मांग-पत्र सौंपा। इस मांग-पत्र में मुख्य रूप से वार्ड के आंतरिक मार्गों में पक्की सड़क एवं नाली निर्माण सहित अन्य आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्यों की मांग प्रमुखता से रखी गई।

विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने युवाओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं मांगों पर विस्तार से चर्चा की और सभी समस्याओं के शीघ्र निराकरण का ठोस आश्वासन दिया। उन्होंने युवाओं की बात सुनते ही मौके से ही नगर निगम के संबंधित उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर बात की। विधायक ने अधिकारियों को प्रस्तावित निर्माण स्थलों का तत्काल निरीक्षण करने और कार्य योजना तैयार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही शुरू करने के कड़े निर्देश दिए।

चर्चा के दौरान विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों को सुगम आवागमन, जल निकासी और बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुविधा के लिए सड़क, नाली और प्रकाश व्यवस्था जैसे विकास कार्यों को आवश्यकता के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध तरीके से पूर्ण कराया जाएगा, ताकि क्षेत्रवासियों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

विधायक जैन द्वारा समस्याओं को गंभीरता से सुने जाने और अधिकारियों को तत्काल मौके पर कार्यवाही के निर्देश देने पर लाजपतपुरा वार्ड के युवाओं ने उनके प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वार्ड के अनेक गणमान्य युवा एवं नागरिक उपस्थित रहे।

छात्र बस सेवाः फिटनेस व बीमा प्रक्रिया अंतिम चरण में, 3-4 दिनों में फिर शुरू होगी निःशुल्क बस सेवा

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। पूर्व गृहमंत्री एवं खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह द्वारा नगरीय क्षेत्र के छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए संचालित निःशुल्क बस सेवा को लेकर वर्तमान स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो गई है। तीनों बसों के फिटनेस एवं बीमा की अवधि समाप्त होने के कारण सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से फिलहाल इनका संचालन रोककर आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है।

बसों के फिटनेस एवं बीमा के नवीनीकरण की कार्रवाई आरटीओ कार्यालय सागर में ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से पूर्ण की जा रही है। आवश्यक औपचारिकताएं और प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद निर्धारित शुल्क जमा कर फिटनेस प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। इसके पश्चात ही बसों का नियमानुसार विधिवत संचालन पुनः प्रारंभ किया जाएगा।

प्रशासन और प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिना वैध फिटनेस एवं आवश्यक वैधानिक दस्तावेजों के बसों का संचालन जोखिम भरा हो सकता है, इसीलिए यह निर्णय लिया गया है।

इसी बीच, कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बसों के संचालन को लेकर तरह-तरह के कयास और भ्रामक प्रचार फैलाया जा रहा है। विधायक कार्यालय एवं बस प्रबंधन ने नागरिकों तथा छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे ऐसे भ्रामक प्रचार और अफवाहों के बहकावे में बिल्कुल न आएं।

आरटीओ संबंधी प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है और आगामी 3 से 4 दिनों में सभी आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी होते ही तीनों निःशुल्क बसों का संचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा। इस सेवा के पुनः प्रारंभ होने से खुरई क्षेत्र के दूर-दराज से आने वाले अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को आवागमन में पूर्व की तरह सुगम और सुरक्षित सुविधा मिलने लगेगी।

स्पेशल खबर निगमायुक्त ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक ली...

सभी करों की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने गुरुवार को नगर निगम के राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक लेकर वार्डवार राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी सहित सभी राजस्व निरीक्षक, जोन प्रभारी एवं समस्त वार्डों के कर संग्राहक उपस्थित रहे। निगमायुक्त ने बैठक में संपत्तिकर, जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क, दुकानों का किराया सहित नगर निगम के विभिन्न करों की वार्डवार स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार सभी करों की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित की जाए तथा बकाया राशि की वसूली के लिए नियमित रूप से संबंधित करदाताओं से संपर्क किया जाए।

उन्होंने विशेष रूप से पुराने एवं बड़े बकायादारों की सूची तैयारकर उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क करने तथा शासन द्वारा आयोजित नेशनल लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने कहा कि पुराने बकायादारों को लोक अदालत में बकाया राशि जमा करने पर मिलने वाली नियमानुसार छूट की जानकारी देते हुए उन्हें समय पर राशि जमा करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि नगर निगम की लंबित राजस्व राशि की वसूली हो सके।उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली नगर निगम के महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल है। निगम की विभिन्न विकास योजनाओं, नागरिक सुविधाओं एवं आवश्यक सेवाओं के संचालन के लिए राजस्व की नियमित वसूली आवश्यक है। इसलिए सभी राजस्व निरीक्षक, जोन प्रभारी एवं कर संग्राहक अपने-अपने क्षेत्र में सक्रियता के साथ कार्य करते हुए वसूली की गति बढ़ाएं।उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक वार्ड में बकायादारों से संपर्क, मांग पत्र की जानकारी एवं वसूली की दैनिक प्रगति पर निगरानी रखी जाए। लक्ष्य के अनुरूप वसूली नहीं होने पर संबंधित क्षेत्र के राजस्व निरीक्षक एवं कर संग्राहक की जिम्मेदारी तय की जाएगी। कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगमायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समन्वय के साथ कार्य करते हुए राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्य को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

तापमान

भोपाल	22.0°	32.0°
इंदौर	21.0°	32.0°
जबलपुर	24.0°	32.0°
ग्वालियर	27.0°	35.0°
सागर	23.0°	32.0°

नईदुनिया

वर्ष- 80
(सागरः वर्ष 13 अंक 170, पृष्ठ 12)
भाद्रपक्ष, अमावस्या संवत् 2083
शुक्रवार, 11 सितम्बर 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naidunialive.com | सागर संस्करण | भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... किसानों की समृद्धि से ही राष्ट्र की तरक्की : डॉ. यादव

खेल... कोको गाफ ने दो मैच प्वाइंट बचाकर आंद्रिवा को हराया...

व्यापार... सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव...

देश-विदेश... ना तेल, ना ही खदान, फिर भी ताइवान...

जोधपुर के आसमान में भारत-जापान की वायु शक्ति का प्रदर्शन

नईदुनिया ब्यूरो, जोधपुरः भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय हवाई युद्धाभ्यास 'वीर गार्जियन-2026' जोधपुर में शुरू हो गया है। 14 दिन चलने वाले इस अभ्यास में दोनों देशों की वायुसेनाएं अभियानगत तालमेल और परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए संयुक्त अभ्यास करेंगी। अभ्यास 22 सितंबर तक चलेगा। इस बार जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स के एफ-2ए लड़ाकू विमान पहली बार भारत पहुंचे हैं। भारतीय वायुसेना के तेजस, सुखोई-30 एमकेआई और

राफेल लड़ाकू विमान भी अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। दोनों देशों के वायु योद्धा उन्नत अभियानगत अभियानों को अंजाम देने के साथ पेशेवर स्तर पर अनुभव और जानकारी साझा करेंगे। भारतीय वायुसेना के अनुसार, अभ्यास का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाना, कौशल को निखारना और भारत-जापान रक्षा साझेदारी को और मजबूत करना है। जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर आयोजित इस अभ्यास में दोनों देशों के विमान अपनी परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जापानी लड़ाकू विमानों की पहली भारत यात्रा को दोनों देशों की रक्षा साझेदारी में महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भारत और जापान के बीच बढ़ते विश्वास तथा साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राजनाथ सिंह ने पिछले महीने नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री के साथ हुई उपयोगी चर्चा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का रक्षा सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है।

मोदी के 25 वर्ष के शासन पर शोध परियोजना का 12 सितंबर को शुभारंभ

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 12 सितंबर को 'मोदी@25' द डिफरेंस दैट ही मेड' शोध परियोजना का शुभारंभ करेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े विचार संस्थान रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 25 वर्षों के शासनकाल पर यह शोध कार्यक्रम तैयार किया है। परियोजना में मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री और उसके बाद देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान आम

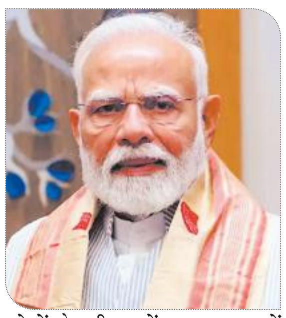

लोगों के जीवन में आए बदलावों का अध्ययन किया जाएगा। इसके लिए 10 चयनित शोधकर्ता नियुक्त किए जाएंगे, जिन्हें प्रतिमाह एक लाख रुपये का मानदेय दिया जाएगा। शोधकर्ता सबसे पहले गुजरात जाएंगे, जहां मोदी ने 13 वर्षों तक मुख्यमंत्री के रूप में शासन किया। इसके बाद देश के अन्य राज्यों का दौरा कर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बुनियादी सुविधाओं, गरीबी उन्मूलन, डिजिटल पहुंच और जीवन स्तर जैसे क्षेत्रों में बदलावों का अध्ययन करेंगे। शोध केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा।

खास-खबरें

कर्नाटक के सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम् दो छंद ही गाए जाएंगे

नईदुनिया ब्यूरो, बेंगलुरु : कर्नाटक सरकार ने राज्य के सरकारी कार्यक्रमों और समारोहों में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के केवल पहले दो छंद गाने का आदेश जारी किया है। यह निर्देश पूरे राज्य में आयोजित होने वाले आधिकारिक कार्यक्रमों पर लागू होगा। हालांकि, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल की मौजूदगी वाले कार्यक्रमों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। सरकार ने अपने आदेश में कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान वंदे मातरम् ने लोगों में राष्ट्रवाद, एकता और देशभक्ति की भावना मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वैशाली में निर्माणाधीन पुल का भारी लॉन्चर गिरा, सात मजदूर घायल

नईदुनिया ब्यूरो, वैशाली : बिहार के वैशाली जिले में गुरुवार को भारतमाला परियोजना के तहत फोरलेन निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। लालगंज थाना क्षेत्र की जलालपुर पंचायत के इतवारपुर गांव के पास निर्माणाधीन एनएच-139डब्ल्यू के पुल पर काम के दौरान भारी लॉन्चर मशीन अचानक गिर गई। हादसे में सात मजदूर घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, निर्माण सामग्री को पुल के ऊपर पहुंचाने के लिए लॉन्चर मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसी दौरान मशीन का एक हिस्सा अचानक गिर गया और उसकी चपेट में काम कर रहे मजदूर आ गए।

मध्यावधि चुनाव के तुरंत बाद ईरान से युद्ध खत्म हो जाएगाः ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध अमेरिका के नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव के तुरंत बाद खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान इस टकराव को ज्यादा समय तक जारी रखने की स्थिति में नहीं है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। डलास में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के लिए रवाना होने से पहले ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। उन्होंने दोहराया कि ईरान अब ज्यादा समय तक टिक नहीं पाएगा।

बांग्लादेश में सैन्य अभ्यास के दौरान विस्फोट, दो की मौत

ढाका। बांग्लादेश के चट्टोग्राम में सैन्य अभ्यास के दौरान चीन निर्मित टैंक में अचानक विस्फोट होने से दो सैनिकों की मौत हो गई। हादसे में एक सैन्य अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना बुधवार को हथाजारी स्थित फील्ड फायरिंग रेंज में अभ्यास के दौरान हुई। जानकारी के अनुसार, बांग्लादेशी सेना के जवान चीन निर्मित टाइप-59 टैंक से गोला दागने का अभ्यास कर रहे थे। निशाना साधकर गोला दागते ही टैंक में आग लग गई। बताया गया कि टैंक की नली के अंदर ही गोला फट गया, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में टैंक के अंदर मौजूद दो सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कार्रवाई की जानकारी, नोटिस प्रक्रिया पर उठे सवाल

छात्र को पांच लाख रुपए के बांड का नोटिस देने वाला कार्यपालक मजिस्ट्रेट निलंबित

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः ग्रेटर नोएडा में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन के लिए कथित तौर पर अभियान चलाने के आरोप में छात्र को कारण बताओ नोटिस जारी करने वाले कार्यपालक मजिस्ट्रेट को निलंबित कर दिया गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में यह जानकारी दी। यह मामला गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्र अक्षत त्रिपाठी की याचिका से जुड़ा है। छात्र ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की संबंधित धाराओं के तहत जारी नोटिस को चुनौती दी थी। नोटिस में छह महीने के लिए पांच लाख रुपये

का निजी बांड और इतनी ही राशि की दो जमानतें मांगी गई थीं। याचिका के अनुसार, पुलिस रिपोर्ट में त्रिपाठी पर छात्रों के बीच सरकार विरोधी और गुमराह करने वाली बातें फैलाने तथा प्रस्तावित धरने में शामिल होने के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया था। इससे तनाव और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका जताई गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील पीवी दिनेश ने कहा कि अधिकारियों को कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए। उन्होंने नोटिस की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। याचिका में कहा गया कि नोटिस में किसी विशेष तारीख, समय, बयान, प्रत्यक्ष कार्रवाई या हिंसा की घटना का उल्लेख नहीं था और आरोपों के समर्थन में कोई साक्ष्य भी नहीं दिया गया।

सीजेपी प्रदर्शन से जुड़ी 14 वर्षीय बच्ची को धमकी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सुप्रीम कोर्ट ने सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े मामले में 14 वर्षीय बच्ची को धमकी देने और उसके घर पर पत्थर फेंके जाने के आरोपों को गंभीरता से लिया है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले में तत्काल कार्रवाई करने और नाबालिग तथा उसके परिवार को सुरक्षा देने के निर्देश दिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि किसी नाबालिग को डराने-धमकाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। किसी व्यक्ति या उसके परिवार को आपराधिक मामले में कार्रवाई के कारण भयभीत करना गंभीर विषय है। अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि नाबालिग की प्राथमिकी पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और परिवार को पूरी पुलिस सुरक्षा दी जाए। यह मामला नीट परीक्षा से जुड़े छात्र विरोध की सुनवाई के दौरान अदालत के सामने आया। सुनवाई में एक वकील ने बताया कि एक व्यक्ति ने वीडियो में दावा किया था कि उसने प्रदर्शन के दौरान बच्ची के पिता पर हमला किया। इस मामले में स्वतंत्र भारद्वाज को गिरफ्तार कर हिरासत में भेजा जा चुका है।

18 साल से कम बच्चों के इंटरनेट मीडिया इस्तेमाल पर सवाल

नई दिल्ली। 18 साल से कम उम्र के बच्चों के इंटरनेट मीडिया इस्तेमाल को सुरक्षित बनाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में नाबालिगों को इंटरनेट मीडिया मंचों तक पहुंच देने से पहले माता-पिता या कानूनी अभिभावक की सहमति अनिवार्य करने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने गैर-सरकारी संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस की याचिका पर सुनवाई की। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में बदलाव की मांग की गई है। कुछ मंच 13 वर्ष की उम्र से खाता बनाने की अनुमति देते हैं, लेकिन इस उम्र में बच्चों की समझ पूरी तरह विकसित नहीं होती।

न्यायमूर्ति कोगजे बने मप्र हाई कोर्ट के 30वें मुख्य न्यायाधीश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश हाईकोर्ट को नया मुख्य न्यायाधीश मिल गया है। न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे ने प्रदेश के 30वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार संभाल लिया। लोक भवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। शपथ के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने न्यायमूर्ति कोगजे को पुष्पगुच्छ भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इंटरनेट मीडिया पर संदेश जारी कर उनके सफल कार्यकाल की कामना भी की। केंद्र सरकार की ओर से हाल में देश के आठ उच्च न्यायालयों में नए मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे। इनमें न्यायमूर्ति कोगजे का नाम भी शामिल था। इससे पहले वह गुजरात हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दे रहे थे। पदभार संभालने से पहले न्यायमूर्ति कोगजे ने बुधवार को लोक भवन में राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट की थी। इस दौरान उनकी पत्नी अर्चना अल्पेश कोगजे भी मौजूद थीं। लोक भवन पहुंचने पर अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने उनका स्वागत किया। न्यायमूर्ति कोगजे अब जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की मुख्य पीठ में न्यायिक व्यवस्था का नेतृत्व करेंगे।

भारत-नेपाल मैत्री पुल के स्वागत बोर्ड पर नाम को लेकर विवाद, काली पन्नी से ढका

नईदुनिया ब्यूरो, पिथौरागढ़ : भारत और नेपाल को जोड़ने वाले नवनिर्मित भारत-नेपाल मैत्री सेतु के स्वागत बोर्ड पर लिखे नाम को लेकर विवाद हो गया है। पिथौरागढ़ के धारचूला तहसील के छारछुम और नेपाल के दार्चुला जिले के महाकाली नगर पालिका-8 असिगड़ा को जोड़ने वाले इस पुल के नेपाल की ओर लगाए गए बोर्ड पर भारतीय क्षेत्र के गांव छारछुम का नाम लिखा था। नेपाल की आपत्ति के बाद बुधवार को नाम को काली पन्नी से ढक दिया गया। करीब 110 मीटर लंबे इस मोटर पुल का निर्माण 32 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से हुआ है। इसका शिलान्यास सितंबर 2022 में किया गया था। फरवरी 2022 में भारत-नेपाल के बीच महाकाली नदी पर मोटरेबल पुल बनाने का समझौता हुआ था और

परियोजना के लिए भारत सरकार ने अनुदान सहायता दी है।

नेपाल के स्थानीय नागरिकों और राजनीतिक दलों ने अपने क्षेत्र में भारतीय गांव का नाम लिखे जाने पर आपत्ति जताई। मामले की जानकारी नेपाल के विदेश मंत्रालय और जिला प्रशासन को भी दी गई। लोक निर्माण विभाग के अनुसार, बोर्ड को जल्द हटाकर नया बोर्ड लगाया जाएगा। पुल पर वाहनों की आवाजाही सुरक्षा एजेंसियों और सीमा शुल्क विभाग के भवनों का निर्माण पूरा होने के बाद शुरू होगी। इसके शुरू होने से धारचूला से नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों तक सीधा सड़क संपर्क मिलेगा। इससे समय और खर्च बचने के साथ व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पिथौरागढ़ की नेपाल से करीब 275 किलोमीटर सीमा लगती है।

फिलीपींस में फेरी में भीषण आग, पांच की मौत, 87 लोग लापता

मनीला। फिलीपींस के पलावन प्रांत में एक पर्यटक क्षेत्र के पास फेरी में आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 87 लोग लापता हैं। हादसे के बाद बचाव और आग बुझाने का अभियान जारी है। तटरक्षक बल की कमोडोर नोएमी गुइराओ-कायाब्याब ने स्थानीय मीडिया को बताया कि हादसे के बाद 42 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। पांच शव भी बरामद किए गए हैं। फेरी में चालक दल समेत कुल 134 लोग सवार थे। लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है। समुद्री यातायात संबंधी जानकारी के अनुसार, फेरी का नाम एमवी जून एस्टर है। यह मनीला से रवाना हुई थी और तट से करीब 2.2 किलोमीटर दूर पहुंचने के बाद इसमें आग लग गई।

भारत के परमाणु जखीरे में 190 हथियार होने का अनुमान : रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी : भारत के परमाणु हथियारों के जखीरे में करीब 190 परमाणु हथियार होने का अनुमान लगाया गया है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स की नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अपने परमाणु हथियारों को लगातार आधुनिक बना रहा है और आने वाले समय में इनकी संख्या बढ़ सकती है।

रिपोर्ट में खुले स्रोतों, सरकारी आंकड़ों और व्यावसायिक उपग्रह तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर अनुमान लगाया गया है कि भारत के पास करीब 190 परमाणु हथियार हैं। इनमें मौजूदा और विकसित की जा रही नई मिसाइल प्रणालियों के लिए करीब 30 अतिरिक्त हथियार भी शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत के नौ

परमाणु क्षमता वाले तंत्र वर्तमान में संचालन में हैं। इनमें दो विमान, जमीन से दागी जाने वाली छह बैलिस्टिक मिसाइलें और समुद्र से दागी जाने वाली एक बैलिस्टिक मिसाइल शामिल है। कम से कम दो अन्य प्रणालियां भी लगभग तैयार हैं। रिपोर्ट में अनुमान है कि भारत ने 140 से 225 परमाणु हथियारों के लिए पर्याप्त सैन्य प्लूटोनियम का उत्पादन किया होगा। हालांकि, इसका पूरा इस्तेमाल हथियार बनाने में किए जाने की संभावना कम बताई गई है और कुछ हिस्सा सुरक्षित रखा जा सकता है।

नई हथियार प्रणालियों के विकास के साथ भारत के परमाणु जखीरे में और वृद्धि होने की संभावना है।

चीन के किंगदाओ बंदरगाह पर कार्गो जहाज में आग, 20 की मौत, 5 लापता

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः चीन के एक बंदरगाह पर मरम्मत के लिए खड़े कार्गो जहाज में आग लगने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। हादसे में पांच लोग लापता हैं, जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। लाइबेरिया के झंडे वाले इस जहाज का नाम 'ओशन मेलोडी' है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जहाज पर कुल 42 लोग सवार थे। इनमें से 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। आग चीन के उत्तर-पूर्वी तट पर स्थित किंगदाओ बंदरगाह पर लगी, जहां जहाज की मरम्मत बेइहाई शिप बिल्डिंग कंपनी कर रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11 बजे जहाज में आग लगी। करीब दोपहर 2:30 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

एक्शन *उच्चस्तरीय समिति 60 दिनों में देगी सुरक्षा सुधार को लेकर सिफारिशें...*

सत्य निकेतन हादसे के बाद छात्रावासों की सुरक्षा पर समिति गठित

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सत्य निकेतन में पीजी इमारत हादसे के बाद दिल्ली में छात्रों के लिए सुरक्षित और पर्याप्त आवास सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाया गया है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शिक्षा मंत्री आशीष सूद की अध्यक्षता में 18 सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति के गठन को मंजूरी दी है।

समिति को 60 दिनों के भीतर अपनी सिफारिशें देनी होंगी। समिति दिल्ली में छात्रों की संख्या के अनुपात में छात्रावासों की उपलब्धता और कमी का आकलन करेगी। इसके साथ ही सुरक्षित आवास के लिए नीतिगत दिशा तय करने और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने पर भी

काम किया जाएगा। सत्य निकेतन हादसे के बाद 7 सितंबर को उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री के साथ बैठक की थी।

इसमें पीजी से जुड़े मौजूदा दिशानिर्देशों की समीक्षा, विश्वविद्यालयों, नगर निगम और दिल्ली विकास प्राधिकरण के माध्यम से वैकल्पिक छात्र आवास उपलब्ध कराने तथा खाली सरकारी भवनों के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए गए थे। समिति सरकारी भूमि और ऐसी इमारतों की पहचान करेगी, जहां नए छात्रावास या छात्र आवास विकसित किए जा सकते हैं। विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों को सुरक्षित, किफायती और नियमन के दायरे में छात्रावास सुविधाएं बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के उपाय भी सुझाए जाएंगे।

घटनास्थल से 100 मीटर दूर था संचालक

दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी इमारत गिरने के मामले में पुलिस जांच में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। पुलिस के अनुसार हादसे के समय पीजी संचालक सुधांशु घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर अपने कार्यालय में मौजूद था। हादसे की जानकारी मिलने के बाद भी वह मौके पर नहीं पहुंचा। पुलिस अब उसके फोन की जानकारी की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक सुधांशु को आशंका थी कि स्थानीय लोग उसके साथ मारपीट कर सकते हैं। कुछ फोन करने के बाद वह वहां से निकल गया। वह दिल्ली के भजनपुरा का रहने वाला है और वर्ष 2022 से अपने दोस्त शुभम त्यागी के साथ पीजी कारोबार चला रहा था। दोनों सत्य निकेतन में 'हॉस्टल डेज' नाम से पीजी संचालित कर रहे थे। शुभम फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

चांदनी चौक में 100 से अधिक दुकानें सील

दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम ने अवैध निर्माण और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी अभियान के तहत गुरुवार सुबह चांदनी चौक के प्रसिद्ध सर्राफा बाजार कूचा महाजनी में निगम की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ पहुंचकर 100 से अधिक दुकानों को सील कर दिया। दुकानदारों के अनुसार, निगम के सिटी-एसपी जोन की टीम करीब 11:30 बजे बाजार पहुंची। अधिकारियों ने मास्टर प्लान-2021 के नियमों के उल्लंघन और बेसमेंट व इमारतों के कथित दुरुपयोग का हवाला देते हुए कार्रवाई शुरू की।

विचारपुर की छह बेटियों का राष्ट्रीय फुटबॉल कैंप में चयन

राज्य ब्यूरो नईदुनिया, भोपालः शहडोल जिले के विचारपुर गांव की छह बेटियों ने अपनी फुटबॉल प्रतिभा के दम पर प्रदेश का नाम रोशन किया है। गांव के खेलो इंडिया स्माल सेंटर में प्रशिक्षण लेने वाली राधिनी सिंह, संध्या सहीस, मोनिका सिंह, चांदनी यादव, राधा सिंह और वाशु का चयन राष्ट्रीय फुटबॉल कैंप के लिए हुआ है।

महू में 31 अगस्त से 4 सितंबर तक आयोजित अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ अंतर जिला अंडर-16 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता में शहडोल की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने ग्वालियर और महू को 10-0 के अंतर से हराया। फाइनल में इंदौर से 1-0 से हार के बाद शहडोल को उपविजेता रहना पड़ा। इसके बावजूद टीम की आठ खिलाड़ियों का राष्ट्रीय कैंप के लिए चयन हुआ।

विचारपुर की राधिनी सिंह ने प्रतियोगिता में विशेष प्रदर्शन किया। उन्होंने दो मुकाबलों में आठ गोल किए और सर्वाधिक गोल करने वाली खिलाड़ी बनीं। दसवीं कक्षा में पढ़ने वाली राधिनी नियमित रूप से सेंटर में प्रशिक्षण ले रही हैं।

राष्ट्रीय कैंप इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर मध्यप्रदेश की अंडर-16 बालिका टीम चुनी जाएगी, जो राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जाएगी। विचारपुर की बेटियों के सामने अब राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का अवसर है।

17 से एक माह चलेगा सेवा संकल्प अभियान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान 2026 चलाया जाएगा। अभियान के तहत प्रदेश के सभी 55 जिलों में नागरिकों की भागीदारी से सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अभियान के प्रभावी संचालन के लिए वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को जिलों का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अभियान के दौरान हितग्राही परिवारों के घर दीप प्रज्ज्वलन, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता, संगीतमय नाट्य प्रस्तुतियां, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान और सरकार की योजनाओं से हुए सकारात्मक बदलाव की कहानियां प्रस्तुत की जाएंगी। गांव और जिला स्तर पर सेवा ज्योति यात्रा भी निकाली जाएगी।

सेवा सेतु अभियान के तहत केंद्र स्थापित कर लोगों को एक ही स्थान पर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। घर-घर से राष्ट्र तक आभार और संकल्प की रंगोली बनाई जाएगी। राष्ट्रीय नवाचार चुनौती में विद्यार्थी, युवा, स्टार्टअप, विशेषज्ञ और अन्य नवाचारी लोगों को नए समाधान विकसित करने के लिए जोड़ा जाएगा। जन सेवक महाकुंभ के तहत पंचायत से संसद तक के जनप्रतिनिधियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होगा। इसके अलावा नागरिकों की भागीदारी वाली 25 प्रमुख सेवा गतिविधियां भी होंगी। नोडल अधिकारी अभियान के दौरान जिला कलेक्टर को कार्यक्रमों की योजना, समन्वय और निगरानी में सहयोग करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने जिलों की एक माह की कार्ययोजना शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए हैं। नोडल अधिकारी 17 सितंबर को अपने प्रभार वाले जिले में रहकर कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से शामिल होंगे।

बीना यार्ड रीमॉडलिंग के चलते बीस यात्री ट्रेनें रहेंगी निरस्त

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः बीना स्टेशन और आगासौद स्टेशन के बीच तीसरी रेल लाइन जोड़ने के लिए किए जा रहे यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण भोपाल मंडल से होकर संचालित होने वाली 20 यात्री ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और सुगम संचालन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न तिथियों में इन ट्रेनों को निरस्त करने का निर्णय लिया है। पश्चिम मध्य रेलवे के बीना स्टेशन और उत्तर मध्य रेलवे के आगासौद स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य 1 सितंबर से 15 अक्टूबर 2026 तक चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। इसके तहत प्री नॉन इंटरलॉकिंग और नॉन इंटरलॉकिंग कार्य पूरे किए जाएंगे। इस दौरान ट्रेनों के संचालन में आवश्यक बदलाव किए गए हैं।

रेलवे के अनुसार यार्ड रीमॉडलिंग पूरा होने के बाद बीना और आगासौद स्टेशन की परिचालन क्षमता बढ़ जाएगी। इससे ट्रेनों के संचालन में अधिक सुविधा मिलेगी और ठहराव व यातायात प्रबंधन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। नई व्यवस्था से भविष्य में बढ़ते रेल यातायात को संभालने में मदद मिलेगी और ट्रेनों की समयपालन व्यवस्था में सुधार होगा। निरस्त होने वाली ट्रेनों में ललितपुर-बीना मेमू, बीना-ललितपुर मेमू, बीना-कटनी मुड़वारा मेमू, कटनी मुड़वारा-बीना मेमू, श्रीधाम एक्सप्रेस, भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी, ग्वालियर-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस, राज्यरानी एक्सप्रेस और महामना एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें शामिल हैं। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि सितंबर और अक्टूबर 2026 में बीना होकर यात्रा करने वाले यात्री सफर से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति, मार्ग, ठहराव और प्रस्थान समय की जानकारी जरूर प्राप्त कर लें।

punjab national bank / पंजाब नैशनल बैंक
मंडल कार्यालय, झर्रा टिकुरिया प्रथम मंजिल आस्था प्लाजा, कटनी - 483501
Email- coktnsamd@pnb.bank.in

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई- नीलामी विक्रय नोटिस

आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ताओं और जमानतदारों/बंधककर्ताओं को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का प्रलक्षित/वास्तविक आधिपत्य/वास्तविक आधिपत्य/सांकेतिक आधिपत्य (इनमें से जो भी लागू होता हो) प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जो हो", "जहाँ है" "जो कुछ भी है" के आधार पर निम्नलिखित उधारकर्ताओं एवं जमानदार / बंधककर्ताओं से बैंक/प्रतिभूत लेनदार की निम्नलिखित रूपये की बकाया राशि की वसूली हेतु नीचे वर्णित दिनांक को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अग्रिम धनराशी निम्नलिखित है।

ई-नीलामी दिनांक एवं समय 30.09.2026 दोपहर 11:00 बजे से 05:00 बजे तक (आवश्यक होने पर सायंकल 05:00 बजे के बाद 10 मिनिट के अंतराल का विस्तार किया जाएगा)।
ईएमडी जमा करने की अंतिम दिनांक 29.09.2026 को रात्रि 11:00 बजे तक
निविदाकार अपने प्रस्ताव रु. 25,000/- (रुपए पच्चीस हज़ार मात्र) के गुणांक में बढ़ा सकेंगे

उधारकर्ता/गारंटर के नाम और पते	अचल संपत्तियों का विवरण गिरवी रखी गई संपत्ति / मालिक का नाम और सीमाएँ	A) डिमांड नोटिस की तारीख धारा 13(2) के तहत B) बकाया राशि C) कब्ज़े की तारीख D) कब्ज़े का प्रकार	A) रिज़र्व प्राइस B) EMD C) बोली में बढ़ोतरी ई-ऑक्शन की तारीख/समय
उधारकर्ता एवं बंधक- 1. मैसर्स पी.के. ट्रेडिंग कंपनी पता- 1. पुरानी सब्जी मण्डी तिलकगंज वार्ड सागर म.प्र. पिन - 470002 2. पाठा मोहल्ला, गांधी चौक वार्ड, पुरबौतोरी, सागर म.प्र. 470002	1. मौज़ा कनेरा देव, बाघराज वार्ड नंबर 47, PH नंबर 63, सर्कल सागर-1, खसरा PH नंबर 209/3 सागर में स्थित आवासीय प्लॉट (जिस पर EM है) का पूरा हिस्सा; क्षेत्रफल 30 x 50 = 1500 वर्ग फुट (139 वर्ग मीटर) सीमाएँ: पूर्व - चौबे का प्लॉट, पश्चिम - 16 फुट चौड़ी सड़क, उत्तर - देवेश पटेल का प्लॉट, दक्षिण - अन्य प्लॉट, मालिक - श्री बाबूलाल खटीक, पिता मदनलाल खटीक।	20.05.2024 Rs. 8,313,735.34/ As on 30.06.2026 06.08.2024 Symbolic Possession	Rs. 24,30,000/- Rs. 2,43,000/- 0.25 Lakh 30.09.2026

संपत्तियों पर भार जिनकी जानकारी प्रतिभूत लेनदार को हैः जानकारी उपलब्ध नहीं है

सरफेसी अधिनियम 2002 व प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के अंतर्गत वैधानिक विक्रय सूचना

नियम एवं शर्तें : (1) विक्रय प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम व शर्तों के अधीन होगा तथा निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा। (2) संपत्तियों की बिक्री ''जो है'', ''जहाँ है'', ''जो कुछ भी है'' के आधार पर होगी (3) ऊपर वर्णित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी को प्राप्त जानकारी के आधार पर है। किन्तु प्राधिकृत अधिकारी किसी भी त्रुटि, गलत जानकारी, घोषणा में चूक लिए जिम्मेदार नहीं होगा। (4) विक्रय अधिकृत ऑन लाइन ई- नीलामी सेवा प्रदाता के द्वारा वेबसाइट https://baanknet.com पर दिये गए दिनांक व समय पर किया जाएगा। (5) संपत्ति विक्रय से संबंधित नियम एवं शर्तों के लिए कृप्या वेबसाइट https://baanknet.com, www.pnbindia.in, पर विजिटकरें।
स्थान : कटनी, दिनांक - 10-09-2026
प्राधिकृत अधिकारी पंजाब नेशनल बैंक

-:आम-सूचना:-

मेरे पक्षकार भारतीय स्टेट बैंक, आरएसीपीसी 2, भोपाल की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्रीमती मुनेश पत्नी श्री महावीर सिंह द्वारा, उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता आवासीय फ्लेट नं. 5/11, जिसका क्षेत्रफल 70.05 वर्गमीटर है, जो बी.डी.ए. द्वारा विकसित, योजना ज्ञानेश्वर कॉम्प्लेक्स वार्ड नं. 25, तहसील-हुजूर, जिला भोपाल में स्थित है एवं जिसकी चतुर्थ सीमाएं पूरब में-स्टेयरकेस, पश्चिम में-ओपन, उत्तर में-जू. एम.आई.जी फ्लेट नं.-5/12, एवं दक्षिण में-ओपन, को साम्यिक बंधक किया जाना प्रस्तावित है। उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय पत्र दिनांक 23.03.2007, जो उप पंजीयक कार्यालय, भोपाल में क्र.नं. 25960, द.क्र.-4627 पर विधिवत पंजीबद्ध है, कहीं गुम हो जाने के कारण उनके पास उपलब्ध नहीं है, जिसके संबंध में उनके द्वारा दी गई सूचना पुलिस थाना जहांगीराबाद, जिला भोपाल को दिनांक 07/09/2026 लॉस्ट प्रोपर्टी में दर्ज है जिसका पंजीकरण नं. 0010/2026 है, उक्त खो गये मूल विक्रय-पत्र का कोई दुरूपयोग न हो, इसलिये इस सूचना का प्रकाशन भी किया जा रहा है। मेरे पक्षकार बैंक में उक्त संपत्ति को उपरोक्त दस्तावेज के आधार पर साम्यिक बंधक किये जाने के संबंध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, शासकीय अर्धशासकीय निकाय को किसी प्रकार की आपत्ति हो अथवा किसी प्रकार का कोई भार या ऋण हो या किसी अन्य व्यक्ति के हित निहित हो या कोई विवाद या ऋण हो या उक्त मूल विक्रय-पत्र, किसी भी व्यक्ति को मिले या किसी के पास हो तो मेरे पक्षकार बैंक में प्रस्तुत करें एवं इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर समस्त दस्तावेजी साक्ष्य के साथ मेरे कार्यालय (कार्यालयीन समय सांय 6 बजे से रात्रि 8 बजे) में आपत्ति दर्ज कराये, अन्यथा निर्धारित समयावधि के पश्चात मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति को उपरोक्त दस्तावेज की सत्य प्रतिलिपि एवं शेष अन्य मूल दस्तावेजों के आधार पर बंधक कर ऋण प्रदान कर सकेगा। निर्धारित समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी।

धर्मेन्द्र सिंह अधिवक्ता
Off.1-26, VARDHMAN GREEN PARK COLONY ASHOKA GARDEN, BHOPAL, M.P.
मो. 9827452301

1560

नवीन-नगर गृह निर्माण सहकारी समिति अर्यादित, भोपाल
कार्यालय- रानी साहिबा का बाग ऐशबाग स्टेडियम के पीछे, भोपाल
(पंजीयन क्र. D.R.B. 102)

आमसभा की सूचना

महोदय,
निवेदन है कि नवीन नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित ऐशबाग भोपाल के द्वारा दिनांक 27/09/2026 दिन रविवार समय 1:30 बजे नवीन नगर कार्यालय ऐशबाग भोपाल में साधारण आम सभा का आयोजन किया गया है संस्था के पत्र क्रमांक-2/102/2026 समस्त सदस्यों को साधारण डाक द्वारा भी सूचना प्रेषित की जा चुकी है यदि किसी सदस्य को सूचना प्राप्त नहीं हुई हो तो इसको वार्षिक साधारण आम सभा की सूचना माना जाये व आमसभा में अवश्य पधारे।

अध्यक्ष
नवीन नगर ग्रह निर्माण सहकारी संस्था मर्या. भोपाल

1559

कार्यालय ईस्टन काउंटी रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था, मर्यादित भोपाल
(पंजी.क्र./डीआर/बीपीएल/121012 दिनांक 25/06/2026)
क्रमांक/निर्वा./2026 / क्यू
भोपाल, दिनांक 10.09.2026

निर्वाचन आमसभा की सूचना

संस्था के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था के संचालक मंडल के निर्वाचन बावत् विशेष साधारण सम्मेलन दिनांक 25.09.2026 को प्रातः 11.30 बजे से स्थानः क्लब हाउस, ईस्टन काउंटी, मिसरोद, भोपाल पर आयोजित की गई हैं। रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती ईशा सराफ (उप-अंकेक्षक), द्वारा दिनांक 17.09.2026 को समय दोपहर 12.00 से 02.00 बजे तक नामांकन पत्र लिये जावेंगे, दिनांक 18.09.2026 को समय दोपहर 12.00 बजे से नियोजन पत्रों की जांच की जाएगी एवं दिनांक 20.09.2026 समय दोपहर 12.00 से 02.00 बजे तक नामांकन पत्रों की वापसी के तत्पश्चात उम्मीदवारों की सूची का अंतिम प्रकाशन एवं चुनाव चिन्हों का आवंटन रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती ईशा सराफ (उप-अंकेक्षक) द्वारा स्थान-कार्यालय उपायुक्त, सहकारिता, (डी-ब्लॉक, पुराना सचिवालय भोपाल), जिला भोपाल पर किया जावेगा। विशेष साधारण सभा की सूचना के साथ रिटर्निंग अधिकारी द्वारा घोषित निर्वाचन कार्यक्रम सदस्यों को पृथक से डाक द्वारा भेजा गया है।

अध्यक्ष / प्रशासक
ईस्टन काउंटी रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था, मर्यादित भोपाल

1558

परिशिष्ट B-संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल
सातवें व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खंड, भोपाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
आरसीएस ए/546/2026
देवेन्द्र सिंह ठाकुर बनाम सर्वसाधारण
NEXT DATE: 23.09.2026

प्रेषिती-सर्वसाधारण। **पता**- सर्वसाधारण। **यह कि प्रार्थी** देवेंद्र सिंह ठाकुर ने आपके विरूद्ध आरसीएस ए/546/2026 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 29-07-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। **कृपया ध्यान दें**- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

सुश्री रानू रिछारिया, न्यायाधीश
सातवें *व्यवहार* न्यायाधीश, कनिष्ठ खंड जिला भोपाल

1557

सूडोकु नवताल- 7897

★★★✯☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7896 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

काकुरो पहेली - 7570

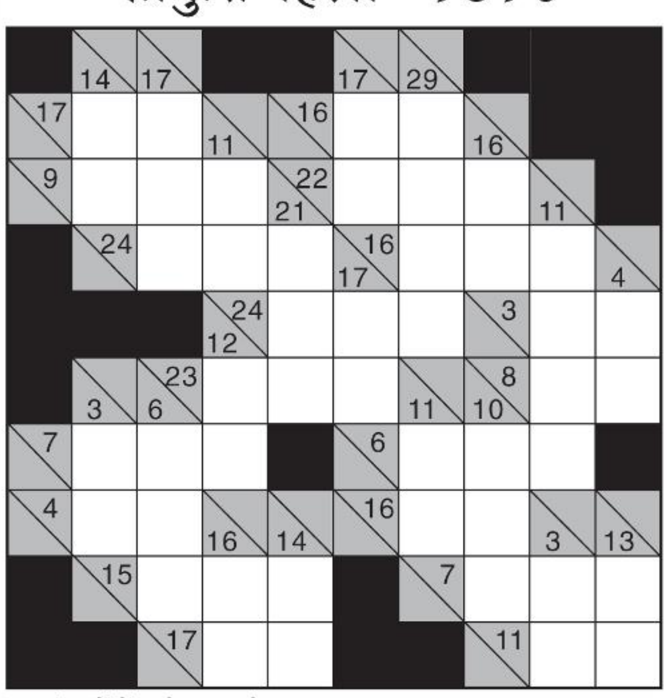

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी वर्ग के अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

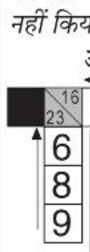

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 7569 का हल

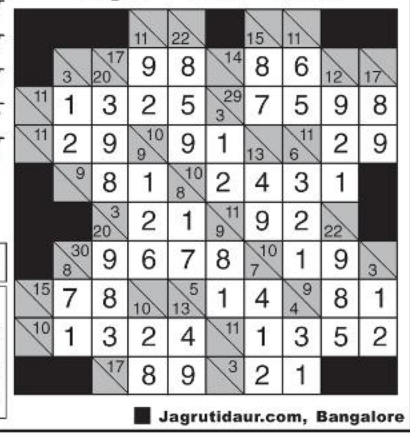

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8978

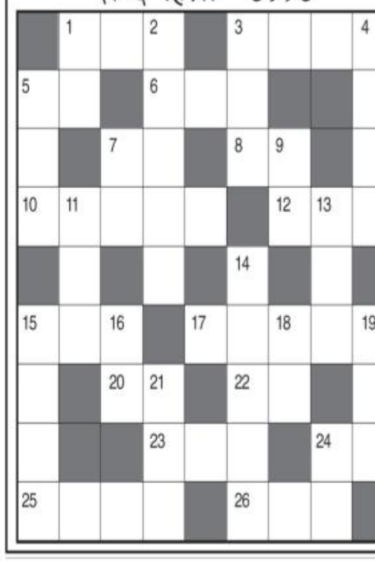

बाएँ से दाएँ
1. कंठ,गला-3
3. पक्षियों का शौर-4
5. शारीरिक ऊँचाई-2
6. पाचन शक्ति-3
7. मां की माता-2
8. प्यार,प्रेम(अंग्रेजी-2)
10. रचना करने वाला-5
12. शोरबा,तरी-3
15. खाद्य सामग्री-3
17. दोनों हाथों को पीटना-5
20. भाग्य(अंग्रेजी-2)
22. कदली,एक फल-2
23. उपासना,शीश झुकाना-3
24. घ्राणेन्द्रिय,नासिका-2
25. तहखाना-4
26. दया-3

ऊपर से नीचे
1. मर्यादा,सीमा-2
2. कहानी लिखने वाला-5
3. अचरज भरा कार्य-3
4. वर,इच्छित वस्तु देना-4
5. जलजला-3
7. मां के पिता-2
9. चिकनाई-2
11. हशीश,एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13. बोलने का तरीका-3
14. तमीजवाला-5
15. परंपरा,रिवाज-4
16. राजनीतिक पार्टी-2
18. आफत,मुसीबत-2
19. नाट्य,कथा मंचन-3
21. कमी-3
24. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8977 का हल

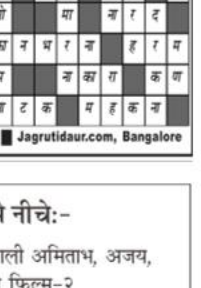

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7409

ऊपर से नीचे:-
१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

बायें से दायें:-
१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

फिल्म वर्ग पहेली- 7408

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 7503

4		7	5		1	
	32	3	40	1	28	7
1		6			2	
3	26	2	40	7	34	6
		4		2		3
	30	1	28		29	5
7			2	3	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 7502 का हल

7	5	1	3	6	4	2
6	38	6	32	1	30	7
2	4	7	5	3	6	1
1	26	2	34	4	31	5
4	1	5	6	2	7	3
3	26	4	38	5	36	6
5	1	3	6	7	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 8523

आ	ल	र	सं	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	म	ल	त	आ	मो	ना	श	प	ति	अ
अं	इ	नु	रा	ल	दा	ल	अ	र	ला	सी
ज	त	र	बू	ज	ला	क	न्ना	रि	श	ता
स	ति	अं	गू	र	र	क	ना	ग	वी	फ
से	रं	ल	चु	व	लि	र्त	स	ती	प	ल
ब	गा	ल	के	गा	प	म	त	कौ	या	ले
श	बा	अ	ना	र	क	छ	क	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	स	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	प	पी	ता	र	हो	ग	या	दु	र	क

शब्दजाल में दस फलों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आम,संतरा, अनार,तरबूज, अंगूर, नाशपति,सीताफल,सेब,अन्नानास, पपीता

शब्दजाल - 8522 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खास-खबरें

सेवा संकल्प अभियान को बूथ तक पहुंचाने की तैयारी

नईदुनिया, प्रतिनिधि, बड़वाहः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने और जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों और रूपरेखा तय करने के लिए भाजपा नगर मंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडल प्रभारी अजित छाजेड़ ने कार्यकर्ताओं को अभियान के उद्देश्य और जिम्मेदारियों की जानकारी दी। नगर मंडल अध्यक्ष अंकित गुप्ता ने बताया कि अभियान के तहत 13 अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में विधायक प्रतिनिधि मिट्ठु भाटिया, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष गणेश पटेल, पूर्व जिला महामंत्री महीम ठाकुर, दीपक ठाकुर, महेंद्र अमई, रूपसिंह रावत सहित अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

12 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा का होगा अनावरण

नईदुनिया, प्रतिनिधि, खुरईः खुरई में 12 सितंबर को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। युवा नेता अविराज सिंह ने बताया कि दोपहर 12 बजे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भवन, नवीन नगर पालिका भवन, संत रविदास पार्क के पास सागर रोड पर समारोह आयोजित होगा। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े और पूर्व मंत्री एवं खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान नगर पालिका परिषद खुरई द्वारा 21.11 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया जाएगा।

कथावाचक कमल किशोर नागर को धमकी भरा पत्र, गौभक्तों ने की सुरक्षा बढ़ाने की मांग

नईदुनिया, प्रतिनिधि, खरगोनः प्रसिद्ध कथावाचक कमल किशोर नागर और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला गर्माने लगा है। गुरुवार को संत को मिले धमकी भरे पत्र पर गौभक्तों एवं उनके अनुयायियों ने नाराजगी जताते हुए विरोध दर्ज कराया। बड़ी संख्या में गौभक्त मंडल ने एसडीएम कार्यालय परिसर में एकत्रित हुए। यहां पूर्व विधायक रवि जोशी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पत्र की भाषा और विषयवस्तु को अत्यंत गंभीर बताते हुए गौ भक्त मंडल, निमाड़ क्षेत्र खरगोन ने इस मामले की जांच की माँग की।

आधी रात भरभराकर गिरा कच्चा मकान, मलबे में दबकर दो बच्चियों की मौत, मां गंभीर घायल

राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार ने अस्पताल पहुंचकर जाना हाल

नईदुनिया प्रतिनिधि, छतरपुरः जिले के हिनौता थाना क्षेत्र के ग्राम क्योटा में बुधवार रात करीब एक बजे दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। हादसे के समय परिवार के लोग घर में सो रहे थे। मलबे में दबने से दो माह की मासूम बच्ची और उसकी किशोर बुआ की मौत हो गई, जबकि उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

पुलिस के अनुसार क्योटा गांव निवासी परिवार के सदस्य बुधवार रात कच्चे मकान में सो रहे थे। इसी दौरान देर रात करीब एक बजे मकान और उसकी दीवार अचानक गिर गई। तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर अंदर दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। मलबे से महिला हेमा केवट (24) और दोनों बच्चियों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक दो माह की बच्ची और 13 वर्षीय किशोरी की मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल हेमा को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने घायल महिला का उपचार शुरू किया।

चिकित्सकों के अनुसार हेमा के पेट और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है और डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी है। परिजनों के मुताबिक हेमा के पति रामरतन काम के सिलसिले में मथुरा गए हुए थे। हादसे की जानकारी परिवार के अन्य सदस्यों को मिलने के बाद वे मौके पर पहुंचे। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

पुलिस ने शुरू की जांचः हिनौता थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। दोनों मृत बच्चियों के शवों का गुरुवार को पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद उन्हें अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मकान गिरने के कारणों और उसकी स्थिति की जांच कर रही है। प्रशासन की ओर से भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।

राज्यमंत्री ने दी 50 हजार की तत्काल सहायता

घटना की जानकारी मिलने के बाद चंदला विधायक एवं वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार गुरुवार सुबह जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल हेमा केवट से मुलाकात की और डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य व उपचार की जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए बेहतर इलाज सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को तत्काल राहत के तौर पर 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन के माध्यम से परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही ढहे हुए मकान के पुनर्निर्माण के लिए भी आवश्यक मदद दिलाने का आश्वासन दिया।

नशे से कभी किसी का भला नहीं हुआ : राज्यमंत्री लोधी

नईदुनिया प्रतिनिधि, दमोहः संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश वंदन यात्रा निकाली जा रही है। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी के नेतृत्व में आयोजित यात्रा के दौरान विभिन्न गांवों में संत रविदास मंदिरों में कलश स्थापना और पूजन किया जा रहा है।

कलश में संत रविदास की जन्मस्थली से लाई गई पवित्र मिट्टी और जल का समावेश किया गया है। इसके साथ गुरु ग्रंथ की भी स्थापना की जा रही है। यात्रा का उद्देश्य संत रविदास के समरसता, सामाजिक समानता, सद्भाव और नशामुक्त समाज के संदेश को लोगों तक पहुंचाना है।

राज्यमंत्री लोधी ने कहा कि संत रविदास ने समाज को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने और बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने नशामुक्त समाज के निर्माण का आह्वान करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति की प्रगति में बाधक है। सभी को नशे से दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए।

चतुर्थ दिवस की यात्रा मगदुपुरा से शुरू होकर झलौन, गुहंची, पुरा, मुहरा, मोहड़, हिनौती, केवलारी, बांदोपहार, तेजगढ़, परासई, बिजौरा, खमरिया, कंचनपुरी, बीजाडोंगरी और गूढ़ा सहित 16 गांवों में पहुंची।

स्कूल में बच्ची से दुष्कर्म, भाजपा ने एसपी से की कार्रवाई की मांग

नईदुनिया प्रतिनिधि, बैतूलः घोड़ाडोंगरी विकासखंड के एक निजी स्कूल में सुरक्षाकर्मी द्वारा नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने घटना पर आक्रोश जताते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि स्कूल जैसे सुरक्षित परिसर में इस प्रकार की घटना गंभीर चिंता का विषय है। घटना के बाद अभिभावकों में भय का माहौल है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष और सूक्ष्म जांच कर आरोपी के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करने का आग्रह किया, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

भाजपा नेताओं ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्कूलों में विशेष सतर्कता बरती जानी चाहिए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। प्रकरण में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

तेज रफ्तार बोलेरो ने सड़क किनारे बैठे दो युवकों को कुचला, मौत

सेमरी हरचंद। नगर के पीपल चौक और डोलाघाट नदी के बीच तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो चालक भी वाहन में फंस गया। पुलिस ने चालक के खिलाफ तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बोलेरो ने पहले पीपल चौक के पास सड़क पर बैठे मवेशियों को टक्कर मारकर घायल किया। इसके बाद डोलाघाट नदी के पुल के पास सड़क किनारे बैठे मोटरसाइकिल सवार प्रमोद और चंद्रमोहन को जोरदार टक्कर मार दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। दोनों के शवों का शासकीय अस्पताल सोहागपुर में पोस्टमार्टम कराया गया। सूचना मिलने पर सेमरी चौकी पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से बोलेरो चालक को वाहन से निकाला गया। क्रेन की सहायता से वाहन को भी बाहर निकाला गया।

अमृत भारत योजना के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठे सवाल

नईदुनिया प्रतिनिधि, आमलाः आमला जंक्शन रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्वीकृत करीब 33 करोड़ रुपये की परियोजना निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवालों के घेरे में आ गई है। स्टेशन परिसर में चल रहे विभिन्न कार्यों में कथित तौर पर घटिया सामग्री के उपयोग और तकनीकी मानकों की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं। यात्रियों और स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर नाराजगी जताते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

पुनर्विकास योजना के तहत स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया और करीब 2000 वर्ग मीटर क्षेत्र में वाहन पार्किंग का निर्माण किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन कार्यों में निर्धारित मापदंडों का ध्यान नहीं रखा जा रहा। पार्किंग स्थल की स्थिति को लेकर भी बारिश में जलभराव की आशंका जताई जा रही है। निर्माण सामग्री के बिखरे होने से यात्रियों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

स्टेशन पर प्रस्तावित 12 मीटर चौड़े फुटओवर ब्रिज के निर्माण को लेकर भी सवाल उठे हैं। यात्रियों का कहना है कि ब्रिज के निर्माण में इस्तेमाल सामग्री और निर्माण प्रक्रिया की गुणवत्ता की जांच जरूरी है। इसी तरह दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों की सुविधा के लिए प्रस्तावित चार लिफ्ट और चार रैंप का काम भी धीमी गति से चल रहा है।

योजना में 450 वर्ग मीटर में भित्ति चित्र, 3000 वर्ग मीटर में हरित क्षेत्र और 500 मीटर लंबे पाथवे का भी प्रावधान है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सौंदर्यीकरण के कार्यों में भी अपेक्षित गुणवत्ता नजर नहीं आ रही है। उनका आरोप है कि करोड़ों रुपये की योजना में गुणवत्ता की अनदेखी से जनता के धन के दुरुपयोग की आशंका है।

इनका कहना है: आमला के सहायक मंडल अभियंता रमेश प्रसाद से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सवाल किए गए तो वे स्पष्ट जवाब देने के बजाय गोलमोल जवाब देते नजर आए। स्थानीय लोगों ने पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने की मांग की है।

महिलाओं ने पकड़ी कच्ची शराब आरोपी को लेकर पहुंचीं थाने

नईदुनिया प्रतिनिधि, खंडवाः जिले में अवैध कच्ची शराब के खिलाफ कार्रवाई के दावों के बीच पिपलोद खास गांव का मामला पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीण महिलाओं ने कच्ची शराब पकड़कर कथित विक्रेता को भी पुलिस थाने पहुंचाया। महिलाओं का आरोप है कि शराब और अन्य साक्ष्य पुलिस को सौंपने के बावजूद आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज नहीं किया गया और उसे छोड़ दिया गया।

महिलाओं के अनुसार यह दूसरी बार है जब उन्होंने अवैध कच्ची शराब पकड़कर आरोपी को पुलिस के सुपुर्द किया है। उनका कहना है कि हर बार कार्रवाई की उम्मीद लेकर थाने पहुंचने के बाद उन्हें निराशा हाथ लगती है। महिलाओं ने सवाल उठाया कि अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की जिम्मेदारी पुलिस और आबकारी विभाग की है, ऐसे में उन्हें खुद जोखिम क्यों उठाना पड़ रहा है।

ग्रामीण महिलाओं ने संबंधित शराब विक्रेता से पैसे लेकर मामला दबाने का आरोप भी लगाया है। हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। महिलाओं ने वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब से परिवार और बच्चों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने शराब के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के साथ ही पुलिस की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

स्टेशन मास्टर 18 साल से बना रहे इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं

इटारसी। इटारसी रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर विनोद चौधरी पिछले 18 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बना रहे हैं। इस वर्ष उन्होंने 251 इको फ्रेंडली प्रतिमाएं तैयार की हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर 13 सितंबर को इन प्रतिमाओं का निशुल्क वितरण किया जाएगा। इस बार तैयार की गई प्रतिमाओं में एक को ब्रिक्स विषय पर बनाया गया है। इसके माध्यम से लोगों तक ब्रिक्स से जुड़ा संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

प्रतिमाओं के निर्माण में विनोद चौधरी की पत्नी अर्चना, बेटी अनुष्का और बेटे आयुष के साथ रेलवे कर्मचारी भी सहयोग कर रहे हैं। विनोद चौधरी ने वर्ष 2008 में 101 इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं बनाकर इस पहल की शुरुआत की थी।

भाजपा मंडल की बैठक में सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा तय

भीकनगांव। भारतीय जनता पार्टी भीकनगांव मंडल की मासिक कामकाजी कार्यसमिति बैठक और आगामी सेवा संकल्प अभियान की मंडल कार्यशाला मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में पिछले माह आयोजित तिरंगा यात्रा, मन की बात और शक्ति केंद्रों की बैठकों की समीक्षा की गई। इसके बाद 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक प्रस्तावित सेवा संकल्प अभियान के तहत बूथ स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। अभियान के अंतर्गत आशीर्वाद का दिया, सेवा चित्र, सेवा स्मरण, आंगन का मिलन, कहानी बदलाव की, सेवा ज्योति यात्रा, सेवा संकल्प यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग और जन सेवक महाकुंभ सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रमों के लिए कार्यकर्ताओं की टोलियां बनाकर जिम्मेदारियां तय की गईं। बैठक की शुरुआत वंदे मातरम गीत से हुई। इस दौरान अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष संतोष ब्राह्मणे का मंडल पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

बैठक में जिला कार्यालय मंत्री विजय पटेल, वरिष्ठ नेता भगवान सिंह गिन्नारे, अनार सिंह नायक, दीपक सिंह ठाकुर, संयोजक हरीश शर्मा, दिलीप जोशी, ताराचंद धनगर, मंडल महामंत्री नितिन अग्रवाल, बहादर वास्कले सहित पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पश्चिम मध्य रेल

संशोधन सूचना-1 दिनांक -08.09.2026
निविदा सूचना क्रमांक जबल-एन-सिगनल-निविदा-2026-36 दिनांक : 03.09.2026

कार्य का नाम :- पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के KTE-MKP एवं KTE-SGRL सेक्शन में पुराने हो चुके ELD, बैटरियों एवं ट्रैक फीड चार्जर के प्रतिस्थापन द्वारा मौजूदा सिग्नलिंग उपकरणों की विश्वसनीयता में वृद्धि करना। उपर्युक्त टेंडर जो 05.10.2026 को समापन तिथि है में निम्न संशोधन किया गया है – **अनुसूची 'A' की मद संख्या 1, 2, 3 एवं 9 के मद विवरण में संशोधन किया गया है। नोट–** विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in देखें। निविदा में अन्य सभी नियम एवं शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। असुविधा के लिए खेद है। (हस्ता)

मंडल रेल प्रबंधक (सि.एवंदू.स.)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

बहुउदेशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटी (बी-पैक्स) सडियापानी पं.क्र. 531

क्र./साधारण सभा/ **वार्षिक साधारण आमसभा सूचना** दिनांक 3.09.2026

महानुभाव,
समिति के समस्त अंशधारीयों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक साधारण आम सभा दिनाँक 24.09.2026 दिन गुरुवार दोप. 01 बजे से समिति कार्यालय में आयोजित की गई है जिसमें आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है। गणपूर्ति के अभाव में बैठक स्थगित कर उसी स्थान पर 30 मिनिट पश्चात् आयोजित की जावेगी जिसमें गणपूर्ति अनिवार्य नहीं होगी।

रतनसिंह राठौड़ संस्था प्रबंधक | **राधामोहन विश्नोई** प्रशासक

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटी (बी-पैक्स) बोरीसराय पं.क्र. 648

क्र./साधारण सभा/ **वार्षिक साधारण आमसभा सूचना** दिनांक 3.09.2026

महानुभाव,
समिति के समस्त अंशधारीयों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक साधारण आम सभा दिनांक 24.09.2026 दिन गुरूवार दोप. 01 बजे से समिति कार्यालय में आयोजित की गई है जिसमे आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है। गणपूर्ति के अभाव में बैठक स्थगित कर उसी स्थान पर 30 मिनिट पश्चात् आयोजित की जावेगी जिसमें गणपूर्ति अनिवार्य नहीं होगी।

प्रहलाद नामदेव संस्था प्रबंधक | **संगीता कपील** प्रशासक

स्पेशल खबर

फूलों से सजी पालकी में विराजित कर मातोश्री देवी अहिल्याबाई को कराया नगर भ्रमण...

अहिल्याबाई का संपूर्ण जीवन धर्म, सेवा, न्याय और जनकल्याण को समर्पित रहा

नईदुनिया प्रतिनिधि, खरगोनः पुण्य श्लोका देवीश्री अहिल्याबाई मातोश्री की 231वीं पुण्यतिथि शहर में 7 दिवसीय महोत्सव के रुप में मनाई गई। महोत्सव के निमित्त गुरुवार को शहर में भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। अहिल्या उत्सव कमेटी ने दोपहर 4 बजे उत्कृष्ट स्कूल परिसर में फूलों से सुसज्जित पालकी में अहिल्याजी की प्रतिमा को विराजित कर पूजन-अर्चन किया। विधायक बालकृष्ण पाटीदार, नगरपालिका अध्यक्ष छाया जोशी, आयोजन समिति अध्यक्ष अनिल कोंकणे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोपानराव पंवार आदि ने पालकी को अपने कांधे पर उठाकर यात्रा की शुरुआत की। अहिल्या मां अमर रहे, राजमाता अहिल्याबाई की जय के जयकारों के निकली यात्रा में बड़ी संख्या में मातोश्री के अनुयायी, आयोजन समिति के सदस्य, एनसीसी कैडेट्स एवं स्कूली छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

विधायक श्री पाटीदार ने कहा कि लोकमाता अहिल्यादेवी का संपूर्ण जीवन धर्म, सेवा, न्याय और जनकल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने अपने शासनकाल में मंदिरों, घाटों, कुओं, बावडियों एवं धर्मशालाओं का निर्माण करवाकर जनसेवा की ऐसी अमिट मिसाल स्थापित की, जो आज भी समाज को सेवा और परोपकार की प्रेरणा देती है।

समिति अध्यक्ष श्री कोकणे ने बताया पालकी यात्रा का उद्देश्य मातोश्री के कार्यों, उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और उनके जनसरोकार, सामाजिक उत्थान के कार्यो के प्रति आदरांजलि अर्पित करना है। में निकली अहिल्याबाई के रास्तेभर श्रद्धालूओं ने दर्शन कर पूजन-अर्चन के बाद मां अहिल्या से आशीर्वाद लिया। कई स्थानों पर पालकी यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। पालकी मुख्य मार्गो से होकर कुंदा नदी तट पहुंची। यहां महाआरती के बाद यात्रा का समापन हुआ। पालकी यात्रा में आयोजन समिति के उपाध्यक्ष पवन बिल्लौरे, कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता, संयोजक योगेश वाघ एवं अनिल ओगले ने बताया पालकी यात्रा समापन के दौरान समाजसेवी एवं उद्योगपति कल्याण अग्रवाल को अहिल्या सम्मान से सम्मानित करने की घोषणा की गई। समिति ने बताया श्री अग्रवाल की अनुपस्थिति के चलते यह सम्मान उनके घर जाकर किया जाएगा।

अहिल्या उत्सव समिति के सचिव पारिंद्र शर्मा ने पुण्यतिथि महोत्सव के रुप में मनाई गई, जिसका समापन पालकी यात्रा के साथ हुआ। महोत्सव के तहत चित्रकला, निबंध, हल्दी. कुमकुम, मल्हार मंदिर में पूजन जैसे सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, इनका भी गुरुवार को समापन किया गया। इन आयोजनों के सफल संचालन में उत्सव समिति के मुरली खोड़े, राकेश शर्मा, लता लांडगे का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यालय बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटी (बी-पैक्स) पिपलानी पंजीयन क्रमांक 614

आमसभा सूचना दिनांक 01.09.2026

सम्मानीय प्रतिनिधि
अंशधारी सदस्य,
महानुभाव,
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटी (बी-पैक्स) पिपलानी की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 18.09.2026 दिन शुक्रवार को दोपहर 1 बजे संस्था कार्यालय पिपलानी में रखी गई है। वार्षिक साधारण सभा के गणपूर्ति (कोरम) के अभाव में बैंठक उसी दिन उसी स्थान पर दोपहर 1.30 बजे रखी जावेगी। जिसमें निम्नलिखित विषयों पर कार्यवाही की जावेगी। आपकी उपस्थिति बैठक में प्रार्थनीय हैं।

आदेशानुसार प्रशासक महोदय
वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एवं प्रशासक
श्री राधामोहन विश्नोई

समिति प्रबंधक
माणकलाल कनेल

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मर्या. (बी-पेक्स) सिर्रा पं. क्र. 530

वार्षिक साधारण सभा सूचना दिनांक 09.09.2026

सम्मानीय,
समिति के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता हैं कि प्रबंध कारिणी समिति की बैठक दिनांक 08.09.2026 के प्रस्ताव क्र. 1 के अनुसार संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक 23.09. 2026 को दोप. 12.00 बजे स्थान संस्था कार्यालय पर रखा गया हैं। गणपूर्ति (कोरम) के अभाव में बैठक स्थगित होने की दशा में स्थगित आमसभा की बैठक उसी स्थान पर आधा घंटा बाद होगी। जिसमें गणपूर्ति अनिवार्य नहीं होगी। जिनमें निम्नलिखित विषयों पर कार्यवाही की जायेगी। आपकी उपस्थिति में सादर प्रार्थनीय हैं।

श्री राजेश बोमटे समिति प्रबंधक | **श्रीमती भागवती मोरे** प्रशासक

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मर्या., मून्दी पं.क्र. 692

क्र./साधारण सभा/2026-27/क्यू/1 **वार्षिक साधारण सभा सूचना** दिनांक 7.09.2026

महानुभाव,
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मर्या., मून्दी के अंशधारी सदस्यों की वार्षिक साधारण आम सभा दिनांक 25/09/2026 दिन शुक्रवार को दोपहर 12 :30 बजे स्थान- संस्था कार्यालय में निम्नलिखित विषयों पर विचार कर निर्णय हेतु आयोजित कि गई है। जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। निर्धारित समय पर गणपूर्ति नहीं होने की दशा में व्यापक सम्मेलन को स्थगित कर दिया जायेंगा। स्थगित सम्मेलन उसी स्थान पर आधे घण्टे पश्चात किया जावेगा, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

पिंटू रावत प्रशासक | **योगेन्द्र महोदय** संस्था प्रबंधक

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी (बी-पेक्स) मर्यादित, टेमीकलां, पं. क्र. 870

क्र./साधारण सभा/26/1 **वार्षिक साधारण सभा सूचना** दिनांक 08.09.2026

महानुभाव,
समिति के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन दिनांक 23.09.2026 बुधवार को दोप. 01.00 बजे स्थान संस्था कार्यालय, मलगांव पर रखा गया है। गणपूर्ति (कोरम) के अभाव में बैठक स्थगित होने पर स्थगित साधारण सभा की बैठक उसी स्थान पर आधा घण्टा पश्चात् होगी, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर कार्यवाही की जावेगी। आपकी उपस्थिति बैठक में सादर प्रार्थनीय है।

भंवर सिंह तंवर समिति प्रबंधक | **श्री हेमंत सांवले** प्रशासक

संपादकीय

घर के आंगन में बाजार, व्यापारी परेशान जिम्मेदार हैरान?

भोपाल को झीलों का शहर कहते हैं, लेकिन अब इसे विरोधाभासों का शहर कहना ज्यादा सही होगा। यहां हर कॉलोनी में दो कहानियां एक साथ चल रही हैं। एक कहानी उस परिवार की है, जिसने शांति के लिए मकान लिया था। दूसरी कहानी उस दुकानदार की है, जिसने उसी शांति वाली गली में अपनी दुकान का सपना देखा था। आज दोनों आमने-सामने खड़े हैं और बीच में खड़ा है नगर निगम, जिसके पास दोनों के लिए कोई जवाब नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लो-डेंसिटी क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों पर ताला लगाने की प्रक्रिया शुरू हुई है तो हंगामा लाजिमी था, पर यह हंगामा अचानक नहीं है। यह बरसों से बोए गए बीज का फल है।

गुनहगार व्यापारी या अनुमति देने वाली कलम? सबसे आसान काम है व्यापारी को अवैध करार दे देना। शटर गिरा दो, नोटिस चिपका दो, हो गया न्याय। लेकिन जरा सोचिए, क्या कोई व्यक्ति बिना नक्शा पास कराए, बिना लाइसेंस लिए, बिना बिजली का कमर्शियल कनेक्शन लिए इतनी बड़ी इमारत खड़ी कर सकता है? जवाब है नहीं। कोलार, कलियासोत, नीलबड़, मिसरोद से लेकर बावड़िया तक जो बेतहाशा कंक्रीट का जंगल खड़ा हुआ है, वह रातों-रात नहीं उगा। वह फाइलों पर दस्तखत होने से उगा है। उस फाइल पर दस्तखत किसी व्यापारी ने नहीं, सरकारी कुर्सी पर बैठे अधिकारी ने किए हैं। सजा सिर्फ दुकानदार को क्यों? जिस कलम ने रिहायशी जमीन पर बाजार बसाने की इजाजत दी, उस कलम से सवाल क्यों नहीं? नगर निगम आज सीलिंग की बात कर रहा है, पर उसे पहले अपनी ही अलमारी में रखी फाइलों को सील करना चाहिए और बताना चाहिए कि 0.06 एफएआर की जमीन पर 6000 वर्गफीट का शोरूम कैसे पास हो गया।

भोपाल की खूबसूरती उसकी खुली जमीनों में थी। लो-डेंसिटी का मतलब ही था कम मकान, ज्यादा हरियाली, ज्यादा सांस लेने की जगह। हमने उसी सांस लेने की जगह पर शोरूम बना दिए। आज हर रिहायशी कॉलोनी में पार्किंग का युद्ध है, पानी की किल्लत है, ट्रैफिक का जाम है। एक तरफ हम कहते हैं शहर स्मार्ट बनेगा और दूसरी तरफ हम बिना प्लानिंग के हर घर को दुकान बना रहे हैं। यह विकास नहीं, विनाश का प्लान है। ताला या तालमेल? इसका हल सब कुछ बंद कर देना नहीं है। हल है ईमानदार वर्गीकरण। हर दुकान अवैध नहीं होती। एक कॉलोनी में रहने वाले लोगों को दूध, किराना, दवा और क्लिनिक की जरूरत होती है। इन्हें नीड बेस्ड शॉप कहा जाता है और इनकी इजाजत तो मास्टर प्लान में भी है। लेकिन एक शराब की दुकान, एक बड़ा रेस्टोरेंट, एक मैरिज गार्डन और एक छोटे क्लिनिक को एक ही तराजू में तौलना गलत है।

नगर निगम को तीन काम करने होंगे। अतीत की जवाबदेही तय करे कि किन अधिकारियों ने गलत नक्शे पास किए, उन पर कार्रवाई हो। वर्तमान का न्यायपूर्ण बंटवारा करे। जो छोटे और जरूरी व्यवसाय हैं, उन्हें नियमित करे और जो बड़े और शोर-शराबे वाले हैं, उन्हें व्यावसायिक क्षेत्र में शिफ्ट करने का समय दे। भविष्य के लिए नया मास्टर प्लान साफ और सख्त बनाए, जो कागज पर नहीं, जमीन पर लागू हो।

भोपाल को तय करना होगा कि वह क्या बनना चाहता है - एक ऐसा शहर, जहां हर घर के नीचे शटर है या एक ऐसा शहर, जहां घर में सुकून और बाजार में रौनक दोनों बरकरार रहें।

आजकल

सड़कों पर खौफ का दूसरा नाम आवारा कुत्ते

फॉरेस्ट कॉलोनी में चार साल की रूबीना के साथ हुई घटना किसी अपराध से कम नहीं है। बड़ी बहन के साथ घर के बाहर खेल रही रूबीना ने एक आवारा कुत्ते के मुंह में बिल्ली देखी तो उसे बचाने आगे बढ़ी। कुत्ते ने उसके चेहरे को नोंच डाला। उसके तीन दांत टूट गए, जबड़े में गंभीर चोट आई और आंख के नीचे गहरे घाव हो गए। यह सिर्फ एक बच्ची की पीड़ा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर सवाल है, जो नागरिकों को सुरक्षित वातावरण देने में नाकाम साबित हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने खतरनाक और आक्रामक कुत्तों को पकड़कर शेल्टर होम में रखने, नसबंदी और टीकाकरण अभियान तेज करने तथा स्कूल, अस्पताल और सार्वजनिक स्थलों के आसपास से कुत्तों को हटाने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद जमीनी हकीकत चिंताजनक है। अधिकतर नगर निकायों के पास पर्याप्त डॉग कैचर, शेल्टर होम और पशु चिकित्सक तक नहीं हैं। आदेश फाइलों में हैं और कुत्ते सड़कों पर।

स्ट्रीट डॉग्स के प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी स्थानीय निकायों की है। उन्हें नसबंदी, टीकाकरण और निगरानी की प्रभावी व्यवस्था करनी होगी। केवल शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई और बजट या स्टाफ की कमी का बहाना अब स्वीकार्य नहीं हो सकता। दया के नाम पर खुले में भोजन डालने से कुत्तों के झुंड एकत्र होते हैं, वहीं उन्हें क्रूरता से मारना भी समाधान नहीं है।

इस समस्या का रास्ता वैज्ञानिक प्रबंधन से निकलता है। हर नगर निकाय को कुत्तों की संख्या, नसबंदी और हमलों के हॉटस्पॉट का रिकॉर्ड रखना चाहिए। नसबंदी की थर्ड पार्टी ऑडिट हो, हर जिले में शेल्टर की व्यवस्था हो और सरकारी अस्पतालों में एंटी रेबीज वैक्सीन तथा इम्युनोग्लोबुलिन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। बार-बार शिकायत वाले क्षेत्रों में कार्रवाई न होने पर अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। सरकार स्मार्ट सिटी, मेट्रो और एक्सप्रेस-वे की बात करती है, लेकिन स्मार्ट शहर वही है जहां चार साल की बच्ची अपने घर के बाहर बिना डर के खेल सके। रूबीना का चेहरा हमें याद दिलाता है कि यह मुद्दा कुत्तों के खिलाफ नहीं, लापरवाह सिस्टम के खिलाफ है। अब सरकार और प्रशासन को कागजी आदेशों से निकलकर सड़क पर उतरना होगा, ताकि अगली रूबीना व्यवस्था की शिकार न बने।

आरक्षण की छत और वेतन की कटौती पर हाईकोर्ट की दोहरी लगाम

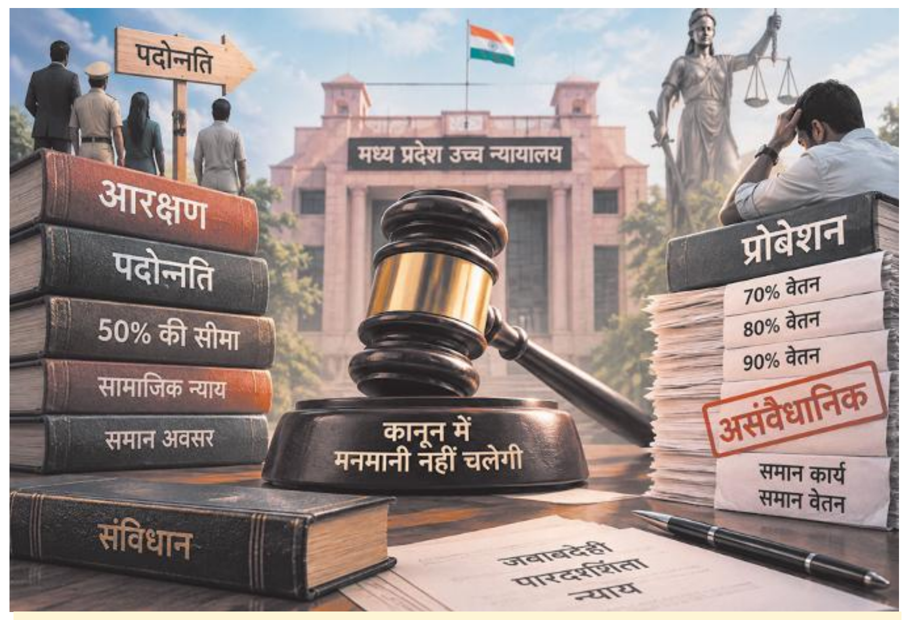

पदोन्नति में 50 प्रतिशत की लक्ष्मण रेखा क्यों जरूरी है? आरक्षण सामाजिक न्याय के लिए है, लेकिन उसकी भी एक सीमा है। सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा साहनी मामले में यह सीमा 50 प्रतिशत तय की थी। इसका अर्थ यह था कि आरक्षण अपवाद है और अपवाद मूल अधिकार से बड़ा नहीं हो सकता। यदि पदोन्नति में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से ऊपर चली गई तो अनारक्षित वर्ग के लिए अवसर ही नहीं बचेंगे और प्रशासन में संतुलन बिगड़ जाएगा। इसी संतुलन को बचाने के लिए जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस विनय सराफ की बेंच ने अंतरिम निर्देश दिया कि किसी भी विभाग में पदोन्नति के दौरान 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन न हो।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने दो अलग-अलग मामलों में सरकार को एक ही संदेश दिया है कि कानून में मनमानी नहीं चलेगी। पहला मामला पदोन्नति में आरक्षण की सीमा का है और दूसरा मामला प्रोबेशन में वेतन कटौती का। दोनों ही मामलों में सरकार ने अपनी सुविधा से नियम बनाए थे और दोनों ही मामलों में अदालत को रोक लगानी पड़ी। जबलपुर में हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा कि पदोन्नति में 50 प्रतिशत की सीमा नहीं टूटनी चाहिए और उसकी निगरानी सीधे मुख्य सचिव करेंगे। वहीं दूसरे मामले में 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन देने की व्यवस्था को असंवैधानिक बताते हुए खत्म कर दिया गया है।

पदोन्नति में 50 प्रतिशत की लक्ष्मण रेखा क्यों जरूरी है? आरक्षण सामाजिक न्याय के लिए है, लेकिन उसकी भी एक सीमा है। सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा साहनी मामले में यह सीमा 50 प्रतिशत तय की थी। इसका अर्थ यह था कि आरक्षण अपवाद है और अपवाद मूल अधिकार से बड़ा नहीं हो सकता। यदि पदोन्नति में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से ऊपर चली गई तो अनारक्षित वर्ग के लिए अवसर ही नहीं बचेंगे और प्रशासन में संतुलन बिगड़ जाएगा। इसी संतुलन को बचाने के लिए जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस विनय सराफ की बेंच ने अंतरिम निर्देश दिया कि किसी भी विभाग में पदोन्नति के दौरान 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन न हो।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज शर्मा ने कहा कि सरकार लगातार पदोन्नतियां कर रही है। एक बार पदोन्नति हो गई तो कर्मचारियों को मूल पद पर वापस भेजना अत्यंत कठिन हो जाता है। इससे उनके अधिकार प्रभावित होते हैं। यह डर वास्तविक है, क्योंकि पदोन्नति केवल कुर्सी नहीं बदलती, वह वरिष्ठता, वेतन और भविष्य की पदोन्नति भी तय करती है। यदि गलत पदोन्नति हो गई तो उसे सुधारने में वर्षों लग सकते हैं। इसलिए अदालत ने समय रहते रोक लगाई और कहा कि पहले सीमा का पालन करो, फिर पदोन्नति करो।

मुख्य सचिव को निगरानी क्यों सौंपी गई, इसका गहरा अर्थ है। अदालत ने निगरानी की जिम्मेदारी सीधे मुख्य सचिव को सौंपी है। यह केवल प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि जवाबदेही तय करने का तरीका है। अक्सर विभाग अपने स्तर पर रोस्टर बनाते हैं और आरक्षण की गणना में गलती कर देते हैं। कई बार जानबूझकर सीमा तोड़ दी जाती है। यदि मुख्य सचिव के पास निगरानी होगी तो हर फाइल उन तक जाएगी और कोई विभाग यह नहीं कह पाएगा कि उसे जानकारी नहीं थी। यह आदेश बताता है कि अदालत अब केवल निर्देश नहीं देना चाहती, बल्कि उसका पालन भी सुनिश्चित कराना चाहती है।

दिसंबर 2019 में सरकार ने चार साल की प्रोबेशन व्यवस्था बनाई थी। पहले साल 70 प्रतिशत, दूसरे साल 80 प्रतिशत, तीसरे साल 90 प्रतिशत और उसके बाद पूरा वेतन देने की व्यवस्था थी। सरकार का तर्क था कि इससे प्रशिक्षण होगा और वित्तीय अनुशासन रहेगा। लेकिन हकीकत में कर्मचारी से पूरा काम लिया जा रहा था। वह पूरी फाइल निपटा रहा था, पूरा फील्ड वर्क कर रहा था और वेतन आधा-अधूरा पा रहा था। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की बेंच ने कहा कि जब काम पूरा लिया जा रहा है तो वेतन पूरा क्यों? यह समान कार्य के लिए असमान वेतन है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 के खिलाफ है।

अदालत ने एक और तथ्य पकड़ा कि लोक सेवा आयोग से नियुक्त अधिकारियों को शुरू से पूरा वेतन दिया जा रहा था, जबकि कर्मचारी चयन मंडल से नियुक्त कर्मचारियों को कम वेतन दिया जा रहा था। एक ही सरकार में दो नियम कैसे हो सकते हैं? यह भेदभाव है। पीएससी और ईएसबी दोनों ही सरकारी चयन एजेंसियां हैं। दोनों से चयनित व्यक्ति सरकार का ही कर्मचारी है, फिर वेतन में भेद क्यों? अदालत ने कहा कि यह समानता के अधिकार का उल्लंघन है और 25 नवंबर 2019 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को पूरा वेतन देना होगा। आरक्षण और वेतन दोनों ही सरकार के लिए परीक्षा हैं। आरक्षण में सरकार को यह सोचना होता है कि किसे कितना प्रतिनिधित्व देना है और वेतन में यह सोचना होता है कि किसे कितना सम्मान देना है। यदि आरक्षण की सीमा टूटती है तो एक वर्ग को लगता है कि उसके साथ अन्याय हो रहा है। यदि वेतन कटता है तो नए कर्मचारी को लगता है कि उसके साथ शोषण हो रहा है। दोनों ही स्थितियों में भरोसा टूटता है। हाईकोर्ट ने भरोसा बचाने का काम किया है।

50 प्रतिशत की सीमा तोड़ने से रोस्टर बिगड़ता है और वरिष्ठता सूची पर मुकदमे बढ़ते हैं। मध्य प्रदेश में पिछले दस साल में पदोन्नति को लेकर सैकड़ों याचिकाएं दायर हुई हैं। हर याचिका सरकार का समय और पैसा खर्च कराती है। यदि शुरू में ही सीमा का पालन हो जाए तो मुकदमे कम होंगे। तथ्य यह भी है कि प्रोबेशन में वेतन कटौती से युवा नौकरी छोड़ने पर मजबूर होते हैं। कई युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन के बाद भी कम वेतन के कारण नौकरी नहीं लेते। इससे विभागों में पद खाली रह जाते हैं। पूरा वेतन देने से युवा टिकेगा और प्रशासन मजबूत होगा।

सरकार के सामने अब तीन रास्ते हैं। पहला रास्ता है कि वह हाईकोर्ट के आदेश का पालन करे और मुख्य सचिव के नेतृत्व में एक निगरानी प्रकोष्ठ बनाए, जो हर विभाग की पदोन्नति की जांच करे। दूसरा रास्ता है कि प्रोबेशन वाले कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान करे और भविष्य के लिए नियम में संशोधन करे। तीसरा रास्ता है कि सुप्रीम कोर्ट में अपील करे। लेकिन अपील से पहले सरकार को यह सोचना होगा कि क्या वह समानता के सिद्धांत के खिलाफ खड़ी होना चाहती है।

सीमा में ही सुरक्षा है और समानता में ही सम्मान है। हाईकोर्ट के दोनों आदेश एक ही दिशा में इशारा करते हैं कि सरकार को अपने कर्मचारियों के साथ न्याय करना चाहिए। आरक्षण की सीमा तय करना आरक्षण को खत्म करना नहीं, बल्कि उसे बचाना है और पूरा वेतन देना वित्तीय बोझ नहीं, बल्कि कर्मचारी के सम्मान की रक्षा है। यदि सरकार इन दोनों बातों को समझ लेती है तो न तो पदोन्नति में विवाद होगा और न ही प्रोबेशन में निराशा। यही अच्छे प्रशासन की पहचान है कि वह अपने लोगों को अवसर भी दे और सम्मान भी।

(नईदुनिया संपादकीय डेस्क)

पंचायतों की लापरवाही से थम सकता हैः योजना नहीं तो विकास नहीं

18 हजार 856 पंचायतों ने नहीं दी विकास योजना

पंचायत राज संचालनालय ने सभी त्रिस्तरीय पंचायतों को समय सीमा में कार्ययोजना अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। सीईओ और जनपद पंचायतों को दिए गए निर्देश में कहा गया है कि ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान यानी जीपीडीपी, जनपद पंचायत डेवलपमेंट प्लान यानी बीपीडीपी तथा जिला पंचायत डेवलपमेंट प्लान यानी डीपीडीपी कार्ययोजना अपलोड करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 तय की गई है।

मध्यप्रदेश में ग्राम पंचायतों की उदासीनता ग्रामीण विकास के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा बन गई है। प्रदेश की कुल 23 हजार 11 ग्राम पंचायतों में से 18 हजार 856 पंचायतों ने अब तक अपनी विकास कार्ययोजना ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड नहीं की है। यानी केवल करीब 18 प्रतिशत पंचायतों ने ही अपना होमवर्क पूरा किया है, बाकी 82 प्रतिशत पंचायतें अभी भी कागजों में उलझी हैं। इसका सीधा असर केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदान पर पड़ना तय है। 16वें वित्त आयोग से मिलने वाली पहली किस्त पर संशय बरकरार है और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

पंचायत राज संचालनालय ने सभी त्रिस्तरीय पंचायतों को समय सीमा में कार्ययोजना अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। सीईओ और जनपद पंचायतों को दिए गए निर्देश में कहा गया है कि ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान यानी जीपीडीपी, जनपद पंचायत डेवलपमेंट प्लान यानी बीपीडीपी तथा जिला पंचायत डेवलपमेंट प्लान यानी डीपीडीपी कार्ययोजना अपलोड करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 तय की गई है। पत्र में साफ कहा गया है कि भारत सरकार के पंचायत राज मंत्रालय द्वारा जीपीडीपी, बीपीडीपी और डीपीडीपी को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 है। इसके बाद पोर्टल पर कार्ययोजना के अनुमोदन की प्रक्रिया बंद कर दी जाएगी। जिन पंचायतों द्वारा तय समय में कार्ययोजना अपलोड नहीं की जाएगी, उन पंचायतों के लिए 16वें वित्त आयोग यानी सीएफसी के अनुदान की पहली किस्त की पात्रता नहीं होगी। इसकी जिम्मेदारी संबंधित पंचायत की होगी।

केंद्र सरकार से मिलने वाले फंड का दूसरे कामों में उपयोग करने वाली पंचायतें अब ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान भी समय पर नहीं दे पा रही हैं। इसके चलते इन्हें 16वें वित्त आयोग से मिलने वाले अनुदान की पहली किस्त नहीं मिलने का खतरा बन गया है। इसका सीधा असर पंचायतों में होने वाले सड़क, सामुदायिक विकास समेत अन्य कार्यों पर पड़ना तय है। इसे देखते हुए पंचायत राज संचालनालय ने 15 सितंबर तक पंचायतों को कार्ययोजना अपलोड करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अनुदान की किस्त मिलने में दिक्कत नहीं हो। प्रदेश की 23 हजार 11 ग्राम पंचायतों में से अभी तक केवल करीब 18 प्रतिशत पंचायतों ने ही कार्ययोजना अपलोड की है। पंचायत राज संचालनालय के मुताबिक प्रदेश की कुल 23 हजार 11 ग्राम पंचायतों में से अब तक केवल 4 हजार 155 ग्राम पंचायतों ने अपनी विकास कार्ययोजना ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड की है। बड़ी संख्या में पंचायतों को अभी कार्ययोजना अपलोड करना बाकी है।

यदि पंचायतें समय पर योजना नहीं देतीं तो 16वें वित्त आयोग का पैसा रुक जाएगा और गांवों में विकास के काम ठप हो जाएंगे। सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, सामुदायिक भवन और स्वच्छता जैसे काम इसी अनुदान से होते हैं। फंड न मिलने से ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ सकता है। सबसे ज्यादा असर उन पंचायतों पर पड़ेगा, जो पहले से ही पिछड़ी हैं। योजना नहीं तो विकास नहीं, यह नारा अब हकीकत बनता दिख रहा है। हजारों पंचायतों की उदासीनता से ग्रामीण विकास के रास्ते बंद हो सकते हैं।

सिर्फ पंचायतों को दोष देना ठीक नहीं है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। क्या विभाग ने समय पर प्रशिक्षण दिया? क्या सरपंच-सचिवों को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड करने की तकनीकी मदद दी गई? कई पंचायतों में इंटरनेट की समस्या है। कई जगह सचिवों के पास कई पंचायतों का प्रभार है। ऐसे में एक व्यक्ति कैसे समय पर योजना बनाएगा? संचालनालय ने विभागों को भी निर्देशित किया है कि कार्ययोजना तैयार करते समय अन्य योजनाओं को पंचायतों की कार्ययोजना में शामिल कराया जाए, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका पालन नहीं हो रहा है।

पंचायतों के पिछड़ने के पीछे जागरूकता की कमी भी एक बड़ा कारण है। कई सरपंचों को पता ही नहीं है कि जीपीडीपी क्या है और इसे क्यों बनाना जरूरी है। तकनीकी ज्ञान की कमी के कारण पोर्टल पर अपलोड करना सचिवों के लिए टेढ़ी खीर बन गया है। समन्वय की कमी भी है। जनपद और जिला पंचायतें ग्राम पंचायतों की मदद नहीं कर रही हैं। लापरवाही के कारण कई पंचायतें सोचती हैं कि फंड तो आ ही जाएगा, योजना बाद में दे देंगे, लेकिन अब केंद्र ने सख्ती कर दी है।

सरकार को तत्काल ब्लॉक स्तर पर शिविर लगाने चाहिए, जहां पंचायतों की योजना बनाने और उसे अपलोड करने में मदद की जाए। सचिवों को अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर एक पंचायत, एक सचिव का नियम लागू करना चाहिए। सरपंचों को प्रशिक्षण देकर जीपीडीपी का महत्व समझाना चाहिए। साथ ही जो पंचायतें समय पर योजना दे रही हैं, उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए और जो नहीं दे रही हैं, उन पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। 15 सितंबर के बाद अनुमोदन बंद करने के बजाय एक मौका और देना चाहिए, ताकि गांवों का विकास न रुके।

ग्राम पंचायत को गांव की सरकार कहा जाता है, लेकिन जब वही सरकार अपनी विकास योजना नहीं बनाएगी तो गांव का विकास कैसे होगा? केंद्र से मिलने वाला फंड कोई खैरात नहीं है, वह गांव के लोगों के हक का पैसा है। उसे पाने के लिए योजना बनाना पहली शर्त है। 18 हजार से ज्यादा पंचायतों की चुप्पी चिंताजनक है। यह केवल आंकड़ा नहीं है, यह ग्रामीण विकास के प्रति उदासीनता की कहानी है। यदि अब भी पंचायतें नहीं जागीं तो सड़क, पानी और रोशनी जैसी बुनियादी सुविधाएं सपना बन सकती हैं। इसलिए जरूरत है कि पंचायतें 15 सितंबर से पहले अपनी कार्ययोजना अपलोड करें और विभाग भी उन्हें हर संभव मदद दे। तभी योजना से विकास का रास्ता खुलेगा।

(नईदुनिया संपादकीय डेस्क)

सत्ता की छांव में तालाब की हत्या

फार्महाउस, फैक्ट्री, शादी हॉल की जद में फंसा भोपाल का बड़ा तालाब, अब कौन बनेगा रखवाला

भोपाल शहर की धड़कन कहे जाने वाले बड़े तालाब के वेटलैंड के अंदर जब सत्ताधारी दल के ही माननीयों के फार्महाउस और पेवर ब्लॉक बनाने की फैक्ट्रियां निकल रही हैं तो फिर भोपाल तालाब को कौन बचाएगा? यह सवाल अब केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सत्ता के चरित्र का बन गया है। एनजीटी के निर्देश पर चल रहे सर्वे के तीसरे दिन अधिकारियों की टीम को संतनगर में वेटलैंड एरिया के अंदर भाजपा विधायक विष्णु खत्री का आलीशान फार्महाउस मिला। मौके के फोटो और वीडियो तैयार किए गए, जो साफ बता रहे हैं कि निर्माण एफटीएल यानी फुल टैंक लेवल के अंदर है। माननीय ने खुद स्वीकार किया कि फार्महाउस उन्हीं का है और पौने दो एकड़ जमीन पर बना है। उनका दावा है कि पंचायत से अनुमति ली थी, लेकिन सवाल यह है कि क्या पंचायत को वेटलैंड में निर्माण की अनुमति देने का अधिकार है?

सर्वे के दौरान करीब नौ ऐसी जगहें मिलीं, जो पूरी तरह पानी में डूबी हुई थीं। कई स्थानों पर मुनार से पानी की सीमा लगभग पांच से दस फीट आगे तक पहुंची हुई पाई गई। इससे साफ है कि या तो मुनारे गलत लगे हैं या अतिक्रमण पानी के अंदर तक घुस गया है। टीम ने मौके पर प्राइवेट कार गैराज और पेवर ब्लॉक बनाने वाली फैक्ट्री तक जाने का पक्का रास्ता भी देखा है। यह रास्ता तालाब की छाती पर बनाया गया है। केवल मुनारों को आधार मानकर तालाब की सीमा तय करना पर्याप्त नहीं होगा। प्रत्येक मुनारे की सटीक लोकेशन, ऊंचाई, एफटीएल स्तर और वर्तमान जलभराव की स्थिति का वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया जाना जरूरी है। वेटलैंड तालाब का फेफड़ा होता है। यही वह इलाका है, जहां बरसात का पानी जमा होता है और धीरे-धीरे जमीन में रिसता है। यदि इसी इलाके में फार्महाउस बनेंगे और फैक्ट्री लगेगी तो तालाब की सांस घुट जाएगी। पानी का प्राकृतिक बहाव रुकेगा, तालाब सिकुड़ेगा और शहर में बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। पेवर ब्लॉक फैक्ट्री से निकलने वाला सीमेंट और केमिकलयुक्त पानी सीधे तालाब में जाता है, जिससे पानी जहरीला हो रहा है, जलीय जीव मर रहे हैं और भोपाल का पेयजल संकट गहरा रहा है।

तालाब को बचाने के लिए कानून बनाने वाले ही कानून तोड़ रहे हैं तो न्याय कौन करेगा? आम आदमी यदि तालाब किनारे एक झोपड़ी भी बना ले तो नगर निगम का बुलडोजर तुरंत पहुंच जाता है, लेकिन विधायक के फार्महाउस पर सालों से कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे प्रशासन की नीयत पर सवाल उठता है। क्या अधिकारी सत्ता के दबाव में आंखें बंद किए हुए हैं? क्या पंचायत की अनुमति का खेल केवल कागजों में है? हकीकत यह है कि वेटलैंड में किसी भी तरह के निर्माण के लिए पर्यावरण विभाग और एनजीटी की अनुमति जरूरी है। पंचायत को यह अधिकार ही नहीं है। भोपाल को झीलों की नगरी कहा जाता है, लेकिन एक-एक कर छोटी झीलें खत्म हो चुकी हैं। बड़ा तालाब ही बचा है, जो शहर की प्यास बुझाता है। यदि यही तालाब कब्जे की भेंट चढ़ गया तो भोपाल की पहचान मिट जाएगी। पहले भी भोज वेटलैंड के आसपास अतिक्रमण के मामले सामने आए थे, लेकिन हर बार रिपोर्ट फाइलों में दब गई। इस बार एनजीटी के निर्देश पर सर्वे हो रहा है, इसलिए उम्मीद है कि सच्चाई सामने आएगी।

तालाब को बचाने की जिम्मेदारी कलेक्टर, नगर निगम और मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की है, लेकिन इन विभागों ने कभी भी वेटलैंड की सीमा का वैज्ञानिक सर्वे नहीं कराया। मुनारे कई साल पहले लगे थे। अब कई मुनारे गायब हैं या अपनी जगह से हट गए हैं। सर्वे टीम ने खुद माना है कि मुनारों की स्थिति संदिग्ध है। ऐसे में बिना ड्रोन और सैटेलाइट सर्वे के सही सीमा तय नहीं हो सकती। सवाल यह भी है कि जब फार्महाउस बन रहा था, तब पटवारी, तहसीलदार और नगर निगम के इंजीनियर कहां थे? क्या उन्हें निर्माण दिखाई नहीं दिया या देखकर भी अनदेखा किया गया?

इस खबर के सामने आते ही भोपाल के जागरूक नागरिकों में गुस्सा है। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल हो रहे हैं। लोग पूछ रहे हैं कि जब सत्ताधारी दल के ही माननीय वेटलैंड में फार्महाउस बनाएंगे तो आम जनता से क्या उम्मीद की जाए? पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि यह केवल अतिक्रमण नहीं, बल्कि पर्यावरणीय अपराध है। इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर एफआईआर होनी चाहिए। भोपाल के कई संगठनों ने तालाब बचाओ आंदोलन फिर से शुरू करने की चेतावनी दी है।

वेटलैंड के अंदर जितने भी निर्माण हैं, चाहे वे किसी भी बड़े व्यक्ति के हों, उन्हें तुरंत नोटिस देकर ध्वस्त किया जाए। एफटीएल का निर्धारण ड्रोन, लिडार और पुराने नक्शों के आधार पर वैज्ञानिक तरीके से किया जाए। जिन अधिकारियों ने पंचायत स्तर पर अवैध अनुमति दी, उन पर विभागीय कार्रवाई हो। तालाब के चारों ओर सौ मीटर का नो-कंस्ट्रक्शन बफर जोन बनाया जाए। सर्वे रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए, ताकि जनता को पता चले कि तालाब की असली सीमा क्या है।

बड़ा तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं है। यह भोपाल की संस्कृति है, यह शहर की सांस है। यदि सत्ता की छांव में ही इसकी हत्या होती रही तो आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। जरूरत है कि सरकार बिना दलगत भेदभाव के कार्रवाई करे। विधायक हो या आम आदमी, कानून सबके लिए एक होना चाहिए। तालाब किसी दल का नहीं, पूरे भोपाल का है। इसे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। यदि आज हम नहीं जागे तो कल भोपाल की झीलों की कहानी केवल किताबों में रह जाएगी। इसलिए अब वक्त आ गया है कि अतिक्रमण हटे और तालाब को उसका असली स्वरूप लौटाया जाए।

(नईदुनिया संपादकीय डेस्क)

खास समाचार

कंजर डेरे में दबिश – 198 लीटर अवैध कच्ची हाथ भट्टी शराब जप्त

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़ । जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं बिक्री के विरुद्ध वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी छापीहेड़ा श्री उमाशंकर मुकाती के नेतृत्व में छापीहेड़ा पुलिस बल एवं अन्य थानों के पुलिस बल द्वारा दिनांक 09.09.2026 को छापीहेड़ा स्थित कंजर डेरे में दबिश दी गई। पुलिस टीम को देखकर मौके पर मौजूद राहुल पिता कालूराम कंजर, संतोष पिता ओमप्रकाश कंजर एवं नैन सिंह पिता ऐलन कंजर, निवासी छापीहेड़ा अवैध कच्ची हाथ भट्टी शराब मौके पर छोड़कर फरार हो गए।

इनसे जप्त हुई अवैध शराब

राहुल पिता कालूराम कंजर के ठिकाने से 80 लीटर अवैध कच्ची हाथ भट्टी शराब।संतोष पिता ओमप्रकाश कंजर की टपरी के पास से 58 लीटर अवैध कच्ची हाथ भट्टी शराब। नैन सिंह पिता ऐलन कंजर के घर के पास से 60 लीटर अवैध कच्ची हाथ भट्टी शराब। इस प्रकार कुल 198 लीटर अवैध कच्ची हाथ भट्टी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 19,800/- है, पुलिस द्वारा जप्त की गई।

लहान एवं शराब निर्माण की भट्टियां नष्ट

कार्रवाई के दौरान मौके पर अवैध कच्ची शराब निर्माण के लिए तैयार लगभग 2,000 लीटर लाहन को मौके पर ही नष्ट किया गया तथा अवैध शराब निर्माण में प्रयुक्त भट्टियों को ध्वस्त किया गया।

लापरवाह अधिकारियों पर कार्यवाही, बीआरसी एवं बीईओ की वेतनवृद्धि रोकने हेतु निर्देश

सीएम हेल्पलाइन में संतुष्टिपूर्वक कार्यवाही न किए जाने पर कलेक्टर ने दिखाई सख्ती

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत लोक सेवा के आवेदनों एवं सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर डॉ गिरीश कुमाार मिश्रा ने करते हुए लापरवाही और संतुष्टिपूर्ण काम न करने वाले अधिकारियों के प्रति विभागवार आवश्यक निर्देश दिए।

नरसिंहगढ़ बीआरसी और बीईओ पर कार्रवाही

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले सहित सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में शिक्षा विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत संतुष्टिपूर्ण कार्य नहीं किए जाने पर कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने बीआरसी सुरेन्द्र भदौरिया एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश गवली की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन शिकायतों का निराकरण नहीं हुआ है, यदि ऐसी शिकायतें मुख्यमंत्री जनविश्वास केन्द्र में प्राप्त होती हैं, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

सभी विभाग के अधिकारियों से हुई वन-टू-वन समीक्षा

बैठक में कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की वन-टू-वन चर्चा कर प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत लंबित प्रकरणों में प्रधानमंत्री आवास योजना में सूची में नाम जोड़ने एवं भुगतान संबंधी शिकायतों तथा राशन पर्ची में नाम जोड़ने संबंधी शिकायतों का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

निजी भूमि पर अतिक्रमण एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की मांगी पेंडेंसी रिपोर्ट

इसी प्रकार राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों में शासकीय एवं निजी भूमि पर अतिक्रमण संबंधी शिकायतों तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पंजीयन एवं राशि के भुगतान संबंधी शिकायतों की समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने संबंधित एसडीएम को लंबित शिकायतों की पेंडेंसी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

किसान कल्याण विभाग अंतर्गत लंबित शिकायतों की समीक्षा के दौरान फसल बीमा योजना का लाभ मिलने वाले किसानों तथा योजना का लाभ नहीं मिलने वाले किसानों से संबंधित प्रकरणों की जानकारी ली गई। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र किसानों को योजना का लाभ दिलाने के लिए लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन शिकायतों का निराकरण कर संबंधित शिकायतकर्ता को शासन की योजना का लाभ दिया जा सकता है।

यात्री बसों की चेकिंग में चार बसें जब्त 34 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई

कलेक्टर एवं एसपी के निर्देश पर हुई सघन जांच

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़-ब्यावरा । जिले भर में दौड़ रही अमानक बसों एवं संबंधित आवश्यक कागजों की कमी पर जिला परिवहन अधिकारी ने कार्रवाई करते हुए बसों की कमियों पर उन्हें थाने में रखवा दिया एवं जुर्माना भी लगाया।

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशानुसार गुरूवार को ब्यावरा में भोपाल चौराहा के आसपास पचोर रोड एवं भोपाल रोड पर यात्री बसों की सघन चेकिंग की गई।

चेकिंग के दौरान बसों के आवश्यक दस्तावेज, फिटनेस, परमिट एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की गई। जांच के दौरान बस क्रमांक एमपी 39 पी 5111 कुरैशी बस सर्विस बिना फिटनेस के संचालित पाई गई। उक्त बस को जब्त कर थाना सिटी ब्यावरा में रखा गया। इसी प्रकार बस क्रमांक एमपी 04 पीए 4140 रॉयल बस सर्विस की जांच के दौरान अग्निशमन यंत्र सही स्थिति में नहीं पाया गया। इसके चलते बस को जब्त कर थाना सिटी ब्यावरा में रखा गया।

इसी क्रम में पचोर रोड पर बस क्रमांक एमपी 10 4 जेडवाई 7619 बिना परमिट संचालित पाई गई। उक्त बस को भी जब्त कर थाना सिटी ब्यावरा में रखा गया। वहीं बस क्रमांक एमपी 09 एफए 3815 बिना परमिट संचालित पाई गई, जिसे जब्त कर थाना ब्यावरा देहात में रखा गया।

इस प्रकार चेकिंग अभियान के दौरान कुल चार यात्री बसों को जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त लगभग 10 यात्री बसों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 34 हजार रुपये की राशि वसूल की गई।

साहू समाज की नई कार्यकारिणी घोषित, लिए दो बड़े फैसले

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़/ब्यावरा। स्थानीय साहू समाज धर्मशाला में बुधवार रात्रि को साहू समाज ब्यावरा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का शुभारंभ समाज की आराध्य देवी जय माँ कर्मा देवी के जयकारों के साथ हुआ। बैठक के मुख्य बिंदु पर समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दुर्गा साहू द्वारा समाज की नवीन कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा की गई। घोषणा के उपरांत सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को समारोहपूर्वक पदभार ग्रहण कराया गया और समाज के उत्थान के लिए एकजुटता का संकल्प लिया।

समाज के विकास, पारदर्शिता और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से बैठक में दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया।

1. स्थाई समिति का गठन:यह इस बैठक का सबसे बड़ा निर्णय रहा। समाज की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने तथा कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक 'स्थाई समिति' के गठन का निर्णय लिया गया।

2. साहू धर्मशाला का पुनर्निर्माण:समाज के मुख्य केंद्र बिंदु साहू धर्मशाला की जर्जर स्थिति को लेकर गंभीर चर्चा हुई। सभी की सहमति से प्रस्ताव पारित किया गया कि धर्मशाला भवन का जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण कार्य शीघ्र अति शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

बकानी में विकास कार्यों का लोकार्पण,पंचायत और हाईस्कूल भवन जनता को समर्पित

नईदुनिया प्रतिनिधि बोड़ा। ग्राम पंचायत बकानी में ग्रामीणों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण विधायक मोहन शर्मा के कर-कमलों से विधिवत किया गया। इस अवसर पर नवनिर्मित पंचायत भवन एवं कालाजी महाराज वाली पुलिया को ग्रामीणों को समर्पित किया गया। वहीं ग्राम उमरी में 1 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से निर्मित हाई स्कूल भवन का भी लोकार्पण किया गया। एक ही कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र को करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिलने से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। ग्राम पंचायत बकानी में 37 लाख 50 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित पंचायत भवन का निर्माण कराया गया है। पंचायत भवन की निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत बकानी रही है। नए भवन के निर्माण से ग्रामीणों को पंचायत संबंधी कार्यों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। पंचायत के प्रशासनिक कार्यों के संचालन में भी सहूलियत होगी। ग्रामीणों को अब पंचायत स्तर की विभिन्न सेवाओं और योजनाओं से जुड़े कार्यों के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी। इसी क्रम में ग्राम पंचायत क्षेत्र में कालाजी महाराज वाली पुलिया का निर्माण 13 लाख रुपए की लागत से पूर्ण कराया गया है। इसका निर्माण भी ग्राम पंचायत बकानी को निर्माण एजेंसी बनाकर कराया गया। पुलिया निर्माण से ग्रामीणों के आवागमन में सुविधा होगी। बारिश के दौरान रास्ते में पानी भरने और आवागमन बाधित होने की समस्या से भी ग्रामीणों

को राहत मिलेगी। क्षेत्रवासियों के लिए यह पुलिया लंबे समय से आवश्यक विकास कार्यों में शामिल थी। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान विधायक मोहन शर्मा ने क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों को लेकर कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। पंचायत भवन, पुलिया और स्कूल भवन जैसे विकास कार्य सीधे तौर पर ग्रामीणों और विद्यार्थियों की जरूरतों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता एवं चूमली सरपंच जगदीश सिंह राजपूत , राधेश्याम राजपूत गागर ने किया। कार्यक्रम के अंत में बकानी रिटायर्ड शिक्षक मेहताब सिंह राजपूत ने सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

ब्लॉक स्तरीय चार दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का समापन,125 शिक्षक हुए शामिल

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर। कक्षा 1 एवं 2 पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए आयोजित ब्लॉक स्तरीय चार दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का समापन नवीन कस्तूरबा गांधी छात्रावास भवन में हुआ। एफएलएन प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक स्तर पर भाषा एवं गणित संबंधी बुनियादी दक्षताओं को विकसित करने के लिए शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण विधियों से प्रशिक्षित करना रहा।

समापन अवसर पर अनु विभागीय अधिकारी राजस्व सारंगपुर जय सोलंकी ने प्रशिक्षण का अवलोकन कर शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि कक्षा 1 एवं 2 के बच्चों को उनकी उम्र और समझ के अनुरूप गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाया जाए, ताकि बच्चों में सीखने की रुचि विकसित हो।विकासखंड

शिक्षा अधिकारी सुरेश बिरामल ने शिक्षकों से समय पर विद्यालय पहुंचकर बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

विकासखंड स्रोत समन्वयक बीएल वर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को बच्चों तक आवश्यक एफएलएन सामग्री पहुंचाने तथा उसके प्रभावी उपयोग की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में कुल 125 शिक्षकों ने भाग लिया। हिंदी, गणित एवं अंग्रेजी के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा भोपाल से प्रशिक्षण प्राप्त कर आए राजेश यादव, अम्बर अंसारी, विजय पालीवाल, रोशनल कुशवाह, गीता पालीवाल एवं रजासिलाल यादव ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण की व्यवस्थाएं प्रशिक्षण प्रभारी जगदीश शर्मा एवं लेखापाल सोमनाथ द्वारा देखी गईं। एफएलएन कार्यक्रम के माध्यम से प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ, निकली कलश यात्रा

नईदुनिया प्रतिनिधि बोड़ा। पीपल्या रसोड़ा क्षेत्र के श्री हनुमान मंदिर परिसर ग्राम गागर में 10 से 16 सितंबर तक आयोजित होने वाली सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस से पहले गांव में विशाल जल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा के बाद कथा स्थल पर विधिवत पूजन-अर्चन के साथ कथा का शुभारंभ किया गया।

कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक किया जा रहा है। प्रथम दिवस कथा वाचन करते हुए संत गोविंद जाने ने अपनी मधुर एवं सरल मालवी भाषा में श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। संत की ओजपूर्ण वाणी और सरल शैली ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश से जोड़ा और कथा पंडाल में उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। **श्रीमद्भागवत जीवन को सद्मार्ग की ओर ले जाने वाला ग्रंथ**

संत गोविंद जाने ने श्रीमद्भागवत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण में 18 हजार मंत्र हैं और 18 अंक पूर्णता का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा सद्ग्रंथ है, जो मनुष्य को धर्म, भक्ति, संस्कार और सद्मार्ग की ओर ले जाने का संदेश देता है।

भगवान की भक्ति तथा सद्ग्रंथों के श्रवण से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है।उन्होंने श्रद्धालुओं को धर्म और संस्कारों से जुड़ने का संदेश देते हुए कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में सद्कर्म करते हुए भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। कथा केवल सुनने का विषय नहीं है, बल्कि इसके संदेश को जीवन में उतारना ही कथा श्रवण का वास्तविक उद्देश्य है।

महादेव मित्र मंडल का 37वां स्थापना दिवस मनाया

वटकेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक कर हुए विभिन्न कार्यक्रम

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर। नगर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था महादेव मित्र मंडल का 37वां स्थापना दिवस बुधवार को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर गांधी चौक स्थित वटकेश्वर महादेव मंदिर में मंडल के सदस्यों ने बाबा वटकेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया। इसके बाद तारागंज स्थित श्रीपति एग्रीफ्रेंट कंपनी में विभिन्न सत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल अध्यक्ष ओम पुष्पद, संगठन मंत्री दिनेश सिंह सिसोदिया सहित सदस्यों द्वारा बाबा महाकाल की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद गीत-भजन सहित विभिन्न कार्यक्रम हुए। सचिव कमल पुष्पद ने वर्षभर मंडल द्वारा आयोजित सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वहीं कोषाध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार ने संस्था के आय-व्यय का वार्षिक लेखा-जोखा सदस्यों के समक्ष रखा। खेल सत्र में मटकी फोड़ प्रतियोगिता सहित विभिन्न खेल आयोजित किए गए। आंखों पर पट्टी बांधकर कन्हैया ने मटकी फोड़कर कार्यक्रम में उत्साह बढ़ाया। इस दौरान मंडल

के वरिष्ठ परामर्शदाताओं एवं सदस्यों ने अपने विचार साझा किए।संगठन मंत्री दिनेश सिंह सिसोदिया ने वर्ष 1990 से 2026 तक महादेव मित्र मंडल द्वारा किए गए सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने सदस्यों को संगठन के अनुशासन, रीति-नीति और एकजुटता के महत्व से अवगत कराते हुए सनातन धर्म के संरक्षण के लिए भविष्य में भी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संचालन महासचिव बृज किशोर चौहान ने किया। आभार निवर्तमान अध्यक्ष ओम पुष्पद ने माना। स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान मंडल की परामर्श समिति की बैठक में सर्वसम्मति से जितेंद्र सोलंकी को आगामी दो वर्षों के लिए महादेव मित्र मंडल का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनके मनोनयन पर परामर्श समिति के सदस्यों, निवर्तमान अध्यक्ष एवं मंडल पदाधिकारियों ने साफा बांधकर एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। वहीं नवीन अध्यक्ष जितेंद्र सोलंकी सहित परामर्श समिति के सदस्यों ने निवर्तमान अध्यक्ष ओम पुष्पद को साफा बांधकर, दुपट्टा पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानपूर्वक विदाई दी। सार्वजनिक हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष ध्रुव भल्ला ने भी वर्तमान एवं निवर्तमान अध्यक्ष का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर मंडल के वरिष्ठ परामर्शदाता अशोक साहू, समंदर सिंह बैस, लोकेश सोलंकी, महेश पाटीदार, अरुण जैन, रामेश्वर पुष्पद, भूपेंद्र जोशी, एलएन त्रिकार, अखिलेश राठौर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़। आगामी 19 सितंबर 2026 को इंदौर में राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज 'कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर राजगढ़ में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि कुक्षी विधायक एवं पूर्व मंत्री सुरेन्द्र सिंह बघेल उपस्थित रहे । जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा की तथा अधिक से अधिक छात्र-युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज देश का युवा बेरोजगारी, महंगी शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं, पेपर लीक और रोजगार के सीमित अवसरों जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में 'छात्रों की गूंज' युवाओं के सवालों और उनकी आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाने का महत्वपूर्ण मंच है।

राजगढ़ में धूमधाम से निकली भगवा गौरव यात्रा

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल प्रखंड राजगढ़ द्वारा आयोजित शहर की प्रसिद्ध पारंपरिक 'श्री हनुमान झंडा यात्रा' के तहत विशाल 'भगवा गौरव यात्रा' और 'समिति सम्मेलन' का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में संत कैलाश गिरी , संत बमबम महाराज के साथ विहिप जिला अध्यक्ष तेजेंद्र उपाध्याय की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ हुआ मुख्य वक्ता के तौर पर प्राण संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। राजगढ़ स्थित मंगल भवन से दोपहर 11 बजे पूरे विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ हुआ। ध्वज पूजन के पश्चात भगवा गौरव यात्रा अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई। हाथों में भगवा ध्वज और जय श्री राम के उद्घोष के साथ हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं और आम श्रद्धालुओं से संपूर्ण मार्ग गुंजायमान हो उठा। यात्रा का समापन 'बड़े हनुमान मंदिर, काशीपुरा' पर महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

स्कूल फीस बनी विवाद की वजह! संचालक पर मारपीट का आरोप

बेटी को स्कूल से निकाला पिता के साथ की गाली-गलौच व जान से मारने की धमकी के आरोप, थाने पहुंचा मामला

नईदुनिया प्रतिनिधि पचोर/राजगढ़। महज 3,800 रुपये की स्कूल फीस को लेकर शुरू हुआ विवाद अब थाने तक पहुंच गया है। ग्राम रोशिया निवासी देवकरण नायक ने पचोर थाने में लिखित शिकायत देकर स्कूल संचालक सहित चार लोगों पर गाली-गलौज, मारपीट, मोबाइल फोन तोड़ने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिकायत के अनुसार, देवकरण नायक ने अपनी पुत्री तमन्ना नायक का प्रवेश एस.के.एम. स्कूल, उदनखेड़ी में कक्षा पहली में कराया था। शिकायतकर्ता का कहना है कि स्कूल की फीस के रूप में

3,800 रुपये देना था, लेकिन आर्थिक परिस्थितियों के चलते वह समय पर फीस जमा नहीं कर पाया। आरोप है कि फीस जमा नहीं होने पर स्कूल संचालक देवेन्द्र नागर एवं कमल नागर ने उसकी पुत्री को स्कूल से निकाल दिया। एक ओर जहां निजी स्कूलों में फीस को लेकर अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन के बीच विवाद के मामले सामने आते रहते हैं, वहीं इस प्रकरण में लगाए गए मारपीट, मोबाइल तोड़ने और जान से मारने की धमकी जैसे आरोपों ने मामले को गंभीर बना दिया है। अब पुलिस जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि घटना के दौरान वास्तव में क्या हुआ और शिकायत में लगाए गए आरोप कितने सही हैं।

3 सितंबर की शाम बुलाने के बाद बढ़ा विवाद

आवेदन में देवकरण ने बताया कि 3 सितंबर 2026 की शाम उसे फीस के संबंध में स्कूल बुलाया गया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वहां देवेन्द्र नागर, कमल नागर, शुभम नागर और मनीष नागर ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इस दौरान उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिए जाने का आरोप लगाया गया है।

'रिपोर्ट की तो जान से खत्म कर देंगे'—शिकायत में आरोप

मामले को और गंभीर बनाते हुए शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान उसे जान से मारने की धमकी दी गई। आवेदन में कहा गया है कि आरोपितों ने पुलिस में शिकायत करने पर उसे जान से खत्म करने की धमकी दी, जिसके बाद वह भयभीत है।

देवकरण नायक ने थाना प्रभारी से पूरे मामले की जांच कर स्कूल संचालक एवं अन्य आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। फीस विवाद से थाने तक पहुंचा मामला

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,060 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है।

वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एसआईपी में रिकार्ड उछाल, निवेशकों का दीर्घकालिक भरोसा बढ़ा, बाजार उतार-चढ़ाव के बावजूद वित्त वर्ष 26 में एसआईपी ने छुआ नया मुकाम

नई दिल्ली। शेयर बाजार में जारी उठा-पटक और एसआईपी खाते बंद होने की बढ़ती संख्या के बावजूद, वित्त वर्ष 2026 में शुद्ध एसआईपी (सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश ने रिकार्ड 2 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, यह आंकड़ा पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है और भारतीय खुदरा निवेशकों के मजबूत दीर्घकालिक निवेश नजरिए को दर्शाता है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के सकल एसआईपी निवेश का 56 प्रतिशत हिस्सा शुद्ध निवेश रहा, जो वित्त वर्ष 2025 के 54 प्रतिशत से अधिक है। शुद्ध एसआईपी निवेश का अर्थ सकल निवेश में से एसआईपी खातों से निकाली गई राशि (निवेश निकासी) को घटाने के बाद बची रकम है। रिपोर्ट बताती है कि वित्त वर्ष 2026 में एसआईपी खातों से कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई, जो वित्त वर्ष 2025 के 1.3 लाख करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, यह वृद्धि पिछले तीन सालों में सबसे धीमी रही।

कच्चे तेल में जबरदस्त उछाल, 100 डालर के पार पहुंचा भाव, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड आयल तीन महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई। वैश्विक तेल बाजार में लगातार तेजी देखी जा रही है, जिसके चलते कच्चे तेल की औसत कीमत बढ़कर लगभग 100 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। यह पिछले तीन महीनों का उच्चतम स्तर है। इस स्थिति से एक ओर जहां सरकारी तेल कंपनियों को भारी नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर आम उपभोक्ताओं पर पेट्रोल-डीजल की बढ़ी हुई कीमतों का दबाव मंडरा रहा है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण सरकारी तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 23 रुपये प्रति लीटर का बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। ब्रेंट क्रूड 102 डालर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है, जबकि अमेरिकी बेंचमार्क भी 96 डालर प्रति बैरल के पार निकल चुका है, जो जुलाई के बाद का सबसे उच्च स्तर है। फिलहाल, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 25 मई 2022 से स्थिर बनी हुई हैं। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। हालांकि, यदि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें इसी उच्च स्तर पर टिकी रहीं, तो तेल कंपनियां आम जनता पर एक साथ बोझ डाले बिना, किश्तों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पर विचार कर सकती हैं।

सैमसंग इंडिया में छंटनी, टीवी और होम अप्लायंसेज बिजनेस पर गिरी गाज, बढ़ती लागत और घटती मांग के चलते कंपनी ने उठाया कदम

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने अपने टेलीविजन और होम अप्लायंसेज बिजनेस में कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी बढ़ती लागत, कम होती मांग और संगठनात्मक पुनर्गठन के बीच खर्चों में कटौती करने के लिए यह कदम उठा रही है। छंटनी का असर डायरेक्टर, टीम लीडर और मैनेजर सहित कई स्तरों के कर्मचारियों पर पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक यह कटौती कई चरणों में की जा रही है और पिछले कुछ दिनों में कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के लेटर जारी किए गए हैं। कुछ कर्मचारियों से तो नोटिस पीरियड पूरा किए बिना तुरंत कार्यमुक्त होने को कहा गया है। संपर्क करने पर, सैमसंग ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। प्रभावित कर्मचारियों को तीन महीने की सैलरी और कंपनी में बिताए हर पूरे साल के लिए एक महीने की अतिरिक्त सैलरी का सेवरेंस पैकेज दिया जा रहा है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक्स कंपनियां कमजोर मांग और बढ़ती परिचालन लागत से जूझ रही हैं।

भारत में सैटेलाइट ब्राडबैंड का मार्ग प्रशस्त, स्पेक्ट्रम आवंटन मंजूर

कंपनियों को एजीआर पर देना होगा 5 फीसदी स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क

नई दिल्ली

भारत में सैटेलाइट ब्राडबैंड सेवाओं का बेसब्री से इंतजार कर रहे उपयोगकर्ताओं के लिए एक बड़ी खबर है। दूरसंचार विभाग की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था डिजिटल संचार आयोग (डीसीसी) ने उपग्रह स्पेक्ट्रम आवंटन पर भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की कई अहम सिफारिशों को अपनी मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से एटलसैट वनवेब, इलान मस्क की स्टारलिंक और रिलायंस जियो सैटेलाइट जैसी कंपनियों के लिए भारतीय बाजार में अपनी सेवाएं शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

डीसीसी ने कंपनियों के वार्षिक समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) पर 5 प्रतिशत स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) लगाने की मंजूरी दी है। ग्रामीण या दूरदराज के क्षेत्रों में परिचालन करने वाली कंपनियों को इस शुल्क में 4 प्रतिशत तक की छूट मिल सकती है। स्पेक्ट्रम को पांच साल की अवधि के लिए आवंटित किया जाएगा, जिसमें दो साल के विस्तार की संभावना भी शामिल है। हालांकि, इन कंपनियों को अपनी सेवाएं शुरू करने से पहले कुछ और महत्वपूर्ण बाधाओं को पार करना होगा। इस निर्णय को पहले एक अंतर-मंत्रालयी पैनल और फिर केंद्रीय कैबिनेट से अंतिम मंजूरी लेनी होगी।

इसके अलावा, किसी भी लाइसेंसधारक के लिए सुरक्षा मंजूरी अनिवार्य होगी, और विदेशी कंपनियों जैसे स्टारलिंक और एमेजान को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) संबंधी स्वीकृतियां भी प्राप्त करनी होंगी। प्रशासनिक आधार पर आवंटित की जाने वाली एयरवेव्स की कीमत भी वाणिज्यिक सेवाओं के रोलआउट से पहले तय की जाएगी। ट्राई ने अपनी सिफारिशें लगभग आठ महीने पहले दी थीं। इसमें एनजीएसओ (गैर-भूस्थिर उपग्रह कक्षा) सेवाओं के लिए एजीआर पर 4 प्रतिशत शुल्क जैसे प्रस्ताव शामिल थे, जिसे अब 5 फीसदी शुल्क के व्यापक ढांचे में शामिल कर लिया गया है।

हालांकि, प्रति शहरी ग्राहक 500 रुपये का वार्षिक शुल्क और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए डिजिटल भारत निधि के माध्यम से उपयोगकर्ता टर्मिनलों को सब्सिडी देने के प्रस्तावों को लागू करने के लिए ढांचा न होने के कारण स्वीकार नहीं किया गया। वर्तमान में, फ्रांस की यूटेलसैट वनवेब, अमेरिका स्थित स्टारलिंक और रिलायंस जियो सैटेलाइट पहले से ही ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) लाइसेंस धारक हैं, जबकि एमेजान लियो अपने अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रहा है। यूटेलसैट और जियो सैटेलाइट को एफडीआई मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी, जबकि स्टारलिंक और एमेजान को इसकी आवश्यकता होगी।

सरकारी नीति का असरः भारतीय कंपनियां बनीं सीसीटीवी बाजार की नई आंखें

नई दिल्ली। भारत के 2.5 अरब डालर के सीसीटीवी कैमरा बाजार में अब स्वदेशी कंपनियों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा बीती 1 अप्रैल से उत्पादों के लिए प्रमाण पत्र अनिवार्य किए जाने के बाद चीन की दिग्गज कंपनियों की बिक्री में भारी गिरावट आई है, जिसने भारतीय निर्माताओं और चिप डिजाइन स्टार्टअप्स के लिए नए रास्ते खोल दिए हैं। यह बाजार सालाना 16 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रहा है, और अब मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारतीय कंपनियां इस बड़े मौके को भुनाने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। पिछले कई वर्षों से भारतीय बाजार के एक तिहाई हिस्से पर कब्जा रखने वाली हांगझोऊ हिकविजन डिजिटल टेक्नालजी कंपनी और दाहुआ टेक्नालजी कंपनी जैसी चीनी दिग्गजों की बिक्री पर प्रमाण पत्र की अनिवार्यता ने शटर गिरा दिया है। इससे सालाना 25 लाख यूनिट तक की बिक्री वाला यह बाजार स्वदेशी कंपनियों के लिए खाली हो गया है। आदित्य इन्फोटेक (जो सीपी प्लस बनाती है), परमा इंडिया, वीवीडीएन टेक्नालजीज, मैट्रिक्स कामसेक, वाइकान, समृद्धि आटोमेशन, हीरो समूह की क्यूबो और सेक्यूरस जैसी कई भारतीय कंपनियां अब इसमें अपनी पैठ बना रही हैं। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, इन कंपनियों ने अगस्त 2023 तक 196 से अधिक नेटवर्क कैमरा माडल के निर्माण और बिक्री के लिए सरकारी प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिए हैं। डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना शुरू: सरकार ने चिप डिजाइन को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना भी शुरू की है, जिसका उद्देश्य चीन जैसे देशों से सिस्टम-आन-ए-चिप (एसओसी) और अन्य महत्वपूर्ण हार्डवेयर के आयात को कम करना है। एसओसी कैमरों की कुल लागत का 25-35 प्रतिशत होता है।

प्याज ने किचन का बजट बिगाड़ा, खुदरा बाजार में भाव 70 रुपये प्रति किलो

नई दिल्ली

देश में बारिश एवं त्योहारी मांग ने आम आदमी की थाली का स्वाद और बजट दोनों बिगाड़ दिया है। रसोई की धुरी माने जाने वाला प्याज अब चीनी को टक्कर दे रहा है। दिल्ली-एनसीआर में 40 रुपये प्रति किलो बिकने वाला प्याज का खुदरा भाव 65 से 70 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है, जबकि खुदरा बाजार में चीनी 70 रुपये प्रति किलो बिक रही है। हालांकि, सरकार प्याज और चीनी के दाम कम होने और आपूर्ति बढाने का दावा कर रही है। एशिया की सबसे बड़ी थोक फल और सब्जी की मंडी आजादपुर के प्याज एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने जानकारी में बताया कि मंडी में प्याज थोक में 35 रुपये से 50 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिका है। उन्होंने कहा कि प्याज के आवक में फिलहाल कोई दिक्कत नहीं है। शर्मा ने बातचीत में बताया कि मंडी में प्याज 25 रुपये से लेकर 50 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर 35 रुपये 40 रुपये वाला प्याज आप खुदरा बाजार में खरीदते है, जबकि 50 रुपये प्रति किलो थोक बाजार में बिकने वाला प्याज होटलों में सप्लाई होता है। देश के कई हिस्सों में सब्जियों के दाम तेजी से बढ़ने लगे हैं। मानसून की शुरुआत में देरी और कमजोर बारिश के कारण सब्जियों के उत्पादन पर भी असर पड़ा। वहीं, मानसून के चौथे दौर में हो रही भारी बारिश ने मंडियों तक सब्जियों की सप्लाई को भी प्रभावित किया है। मांग के मुकाबले आपूर्ति कम होने का सीधा असर अब आम आदमी की रसोई के साथ बजट पर दिखाई दे रहा है।

इस बीच केंद्र सरकार बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए अपने बफर स्टाक से देश के चुनिंदा शहरों में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज बेचने का दावा तो कर रही है, लेकिन दिल्ली-एनसीआर के ज्यादातर इलाको में इस प्याज की सप्लाई और बिक्री देखने को नहीं मिली है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने शुरुआती 10 दिनों में लगभग 17 से 19 शहरों में लगभग 4 हजार टन बफर स्टाक से प्याज की बिक्री करने का दावा किया है। ये सस्ता प्याज नेशनल कंज्यूमर कोआपरेटिव फेडरेशन आफ़ इंडिया (एनसीसीएफ), मदर डेयरी के सफल स्टोर, नेशनल एग्रीकल्चरल कोआपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन आफ इंडिया नैफेड) और केंद्रीय भंडार के आउटलेट्स एवं मोबाइल वैन के जरिए बेचा जा रहा है।

महाराष्ट्र में अचल संपत्ति का होगा टोकनाइजेशन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार जल्द ही अचल संपत्ति के ब्लाकचेन आधारित टोकनाइजेशन के लिए महाराष्ट्र डिजिटाइजेशन ऐंड एक्सचेंज आफ लैंड टोकन एसेट (डेल्टा अधिनियम) लाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में घोषणा की कि यह कानून जमीन व अन्य अचल परिसंपत्तियों को डिजिटल टोकन में बदलने की कानूनी रूपरेखा तय करेगा, जिससे पारदर्शिता, लिक्विडिटी व वित्तीय पहुंच बढ़ेगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि इस ऐतिहासिक डेल्टा अधिनियम के सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार, विभिन्न संस्थानों और राज्य सरकार के बीच व्यापक सहयोग जरूरी होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेबी, बीएसई, उद्योग, प्रौद्योगिकी, कानून और शैक्षणिक जगत के विशेषज्ञ एक साथ आकर इस नवाचार के साथ-साथ कानूनी निश्चितता, उपभोक्ता सुरक्षा और नियामकीय भरोसा सुनिश्चित करेंगे।

करोड़ों परिवार पारंपरिक ईंधन के भरोसे, घरेलू गैस के दाम स्थिर

नई दिल्ली

घरेलू रसोई गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमतों में गुरुवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे उपभोक्ताओं को फौरी राहत मिली है। हालांकि एक ताजा रिपोर्ट ने सरकार की महत्वाकांक्षी उज्ज्वला योजना की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जिसमें खुलासा हुआ है कि करोड़ों लाभार्थी अब भी पारंपरिक ईंधन पर निर्भर हैं।

एक व्यापक सर्वे के अनुसार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाय) के तहत देश भर में 10.5 करोड़ से अधिक मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए जा चुके हैं, लेकिन छह राज्यों के ग्रामीण परिवारों में केवल 23 फीसदी ही विशेष रूप से रसोई गैस का उपयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि 50 फीसदी परिवार आज भी मुख्य रूप से लकड़ी जैसे पारंपरिक ईंधन पर निर्भर हैं, जबकि 48 फीसदी ही एलपीजी को मुख्य ईंधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। सर्वे के नतीजे बताते हैं कि पूरी तरह से गैस पर निर्भरता के लिए साल में 7 से 8 सिलेंडर की आवश्यकता होती है, जबकि उज्ज्वला लाभार्थी औसतन सिर्फ 4.8 सिलेंडर ही रिफिल करवा पा रहे हैं। यह रिपोर्ट जमीनी स्तर पर एलपीजी के वास्तविक इस्तेमाल और पहुंच के बीच के बड़े अंतर को उजागर करती है। कीमतों की बात करें तो, घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 7 जून 2026 के बाद से स्थिर हैं। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम का घरेलू सिलेंडर 942.00 रुपये पर बना हुआ है, जबकि मुंबई में यह 941.50 रुपये में मिल रहा है। हालांकि, आयल मार्केटिंग कंपनियों ने महीने की शुरुआत में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक सिलेंडर के रेट में 9.50 रुपये से 11.50 रुपये प्रति सिलेंडर का मामूली इजाफा किया था। दिल्ली में वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत अब 2,747.50 रुपये और मुंबई में 2,701.00 रुपये है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ रहे तनाव और कच्चे तेल की कीमत में हुई बढ़ोतरी की वजह से ग्लोबल मार्केट में भी चौतरफा दबाव बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी गिरावट का रुख बना हुआ है।

पश्चिम एशिया के तनाव और ईरान द्वारा अमेरिकी ठिकानों पर और तेज हमला करने की चेतावनी देने के बाद अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान घबराहट का माहौल बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 400 अंक की गिरावट का शिकार हो गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,636.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 168.07 अंक यानी 0.64 प्रतिशत टूट कर 26,253.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 197.67 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,578.33 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 141.60 अंक यानी 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,670.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 161.31 अंक यानी 1.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,156.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 431.18 अंक यानी 1.69 प्रतिशत लुढ़क कर 25,576.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता गिफ्ट निफ्टी 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,504.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 413.78 अंक यानी 0.64 प्रतिशत के गिरावट के साथ 64,729 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.65 प्रतिशत फिसल कर 5,692.63 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 351.96 अंक यानी 1.41 प्रतिशत टूट कर 24,923 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स पर भी दबाव बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 357.33 अंक यानी 0.76 प्रतिशत लुढ़क कर 46,826.03 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,001.22 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.35 प्रतिशत फिसल कर 3,937.78 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत टूट कर 1,616.87 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,674.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

WHISPERS IN THE CORRIDORS .COM
डॉ. सुरेश मेहरोत्रा
नईदुनिया से विशेष अनुबंध के तहत
राजनीतिक, प्रशासनिक व कॉर्पोरेट जगत की खबरें

राजनीतिक

● क्या प्रधानमंत्री मोदी के लिए जी20 शिखर सम्मेलन की तुलना में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अधिक महत्वपूर्ण है?

शिखर सम्मेलन की सीधी देखरेख में शामिल प्रधानमंत्री कार्यालय के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार, 'ब्रिक्स शिखर सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी के लिए जी20 शिखर सम्मेलन से भी अधिक महत्वपूर्ण है,' जो गैर-पश्चिमी बहुपक्षीय ढांचे की ओर नई दिल्ली के रणनीतिक पुनर्गठन को रेखांकित करता है। जहां जी20 भारत के लिए प्रतिस्पर्धी वैश्विक गुटों के बीच आम सहमति बनाने का एक प्रमुख मंच था, वहीं ब्रिक्स पश्चिमी भू-राजनीतिक एजेंडों की बाधाओं के बिना वैश्विक दक्षिण में भारत के नेतृत्व को मजबूत करता है। विस्तारित ब्रिक्स के भीतर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्ण रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखते हुए रूस, ईरान और मध्य पूर्व के साथ महत्वपूर्ण व्यापार और ऊर्जा साझेदारी को सुरक्षित करते हुए भारत की बहुसंबद्धता रणनीति को सीधे लागू कर सकते हैं। पश्चिमी नेतृत्व वाले मंचों के विपरीत, ब्रिक्स भारत को जटिल क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता – विशेष रूप से चीन के साथ – का प्रबंधन करने और महत्वपूर्ण खनिजों, कृषि और डिजिटल अवसंरचना में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण करने के लिए एक आवश्यक, समतावादी मंच प्रदान करता है। अंततः, जहां जी20 ने वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई, वहीं ब्रिक्स विकासशील देशों की मूल प्राथमिकताओं के अनुरूप एक न्यायसंगत, बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को आकार देने के लिए ठोस अवसर प्रदान करता है।

● ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले मोदी और पेज़ेशकियान दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के उद्घाटन से एक दिन पहले, शुक्रवार, 11 सितंबर को नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

● विदेश मंत्रालय 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारी में जुटा कवर करने के लिए 1,300 पत्रकार जुटेंगे

भारत इस सप्ताहांत होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए व्यापक प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहा है, जिससे नई दिल्ली वैश्विक कूटनीति का एक सक्रिय केंद्र बन जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि यह सम्मेलन एक बड़े पैमाने का रसद अभियान है, जिसे विश्व नेताओं, सहयोगी देशों के प्रतिनिधियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के विस्तारित समूह की मेजबानी करते हुए शहर की सामान्य दिनचर्या को सुचारू रूप से चलाने के लिए तैयार किया गया है। मीडिया की दिलचस्पी बेहद तीव्र है, विचार-विमर्श पर रिपोर्टिंग करने के लिए 1,300 से 1,500 घरेलू और विदेशी पत्रकार राजधानी पहुंचे हैं। इस विशाल अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को देखते हुए, चाणक्यपुरी स्थित प्रतिष्ठित राजनयिक परिसर के साथ-साथ राजधानी भर में स्थित कई विशेष लक्जरी होटलों को अतिथि गणमान्य व्यक्तियों, आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों और प्रेस दल के लिए आरक्षित किया गया है।

प्रशासनिक

● क्या एससीएल दास बैंक बोर्ड ब्यूरो के नए अध्यक्ष बनेंगे ?

भारत सरकार में लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के पूर्व सचिव सुभाष चंद्र लाल दास को बैंक बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की संभावना है। वे एजीएमयूटी कैडर के 1992 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं।

● क्या बीएसएफ के महानिदेशक पश्चिम बंगाल में पुलिस महानिदेशक के रूप में स्थानांतरित होंगे ?

पूरी संभावना है कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक (डीजी) प्रवीण कुमार 1 नवंबर को पश्चिम बंगाल जा रहे हैं। वह पश्चिम बंगाल के रहने वाले 1993 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं।

● 120 वैज्ञानिकों ने आईएसआरओ से इस्तीफा दिया: क्या प्रक्षेपण विफलताओं से भी बड़ी चिंता का विषय है ?

लगभग 100-120 वैज्ञानिकों के प्रमुख आईएसआरओ केंद्रों से इस्तीफा देने की खबरों ने अनुभवी मानव संसाधन को बनाए रखने को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अंतरिक्ष विभाग ने रणनीतिक कार्यक्रमों पर कार्यरत वैज्ञानिकों के लिए इस्तीफे और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की प्रक्रियाओं को सख्त कर दिया है। क्या यह संकट अंततः दिल्ली के समक्ष आ गया है?

● बीएचईएल के सीएमडी और दो निदेशक 2027 की शुरुआत में सेवानिवृत्त होंगे

भारत की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनियों में से एक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) के शीर्ष प्रबंधन स्तर पर व्यापक फेरबदल होने जा रहा है। कंपनी के चार कार्यरत निदेशकों में से दो 2027 की शुरुआत में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के. सदाशिव मूर्ति भी 28 फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

मानव संसाधन निदेशक का पद पहले से ही रिक्त है और इस पद का अतिरिक्त प्रभार विद्युत निदेशक तजिंदर गुप्ता के पास है, जो 28 फरवरी, 2027 को मुख्यमंत्री मूर्ति के साथ सेवानिवृत्त होने वाले हैं। गुप्ता को मानव संसाधन निदेशक का अतिरिक्त प्रभार मार्च 2026 में कृष्ण कुमार ठाकुर के एनएमडीसी में शामिल होने के लिए इस्तीफा देने के बाद सौंपा गया था। ऐसी अफवाहें हैं कि बीएचईएल में कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) के पद पर कार्यरत मानेपल्ली श्रीधर को लोक उद्यम चयन बोर्ड द्वारा निदेशक (मानव संसाधन) के पद के लिए अनुशंसित किया गया है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है। इसी प्रकार, बीएचईएल के निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास) एस.एम. रामनाथन 31 जनवरी, 2027 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

● रोहित कुमार मिश्रा को एनईपीए लिमिटेड के सीवीओ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा

रोहित कुमार मिश्रा, भारतीय आयुध कारखाना सेवा (आईओएफएस) (2009 बैच), सीवीओ, ब्रिज एंड रूफ कंपनी (इंडिया) लिमिटेड (बीआरसीआईएल), कोलकाता, को नेपा लिमिटेड, नेपानगर (मध्य प्रदेश) में मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) के पद का अतिरिक्त प्रभार एक वर्ष की अवधि के लिए या नेपा लिमिटेड में नियमित सीवीओ की नियुक्ति तक सौंपा गया है।

● रचित खन्ना को सीआरआईएस के मुख्य प्रबंधक के रूप में कार्यकाल विस्तार मिला

उत्तरी रेलवे (एनआर) के दिल्ली स्थित आरएसओ में पूर्व में कार्यरत वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (एसआर.डीईई) रचित खन्ना को रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) में मुख्य प्रबंधक (सीएम)/ आरटीआईएस और सीएमएस के रूप में प्रतिनियुक्ति पर छठे और सातवें वर्ष के लिए 28 अक्टूबर, 2028 तक का विस्तार दिया गया है। वे भारतीय रेलवे विद्युत अभियंता सेवा (आईआरएसईई) के अधिकारी हैं।

पंडित गोविंद वल्लभ पंत ने स्वतंत्रता संग्राम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया

काकोरी के क्रांतिकारियों की मजबूती से की थी पैरवी : मुख्यमंत्री

पंत की 139वीं जयंती पर योगी ने दी श्रद्धांजलि, योगदान को किया नमन

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश के पूर्व गृहमंत्री और उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती पर गुरुवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्र निर्माण और उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान का उल्लेख करते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत जी की पावन जयंती है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से वह पंत की स्मृतियों को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत महान अधिवक्ता होने के साथ-साथ प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वर्ष 1925 में काकोरी ट्रेन एक्शन के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने क्रांतिकारियों के खिलाफ जो अभियोग दर्ज किया था, उसके खिलाफ क्रांतिकारियों की पैरवी मजबूती के साथ करने वाले महान नेताओं में पंडित गोविंद बल्लभ पंत प्रमुख थे।

उन्होंने देश की आजादी के आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। योगी ने कहा कि वर्ष 1937 में पंत जी को यूपी के प्रीमियर के रूप में चुना गया, लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने पद से इस्तीफा देकर स्वाधीनता आंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका जारी रखी। भारत छोड़ो आंदोलन समेत समय-समय पर हुए स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न बड़े आंदोलनों में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में सुशासन की नींव रखी : मुख्यमंत्री ने कहा कि 1947 में देश की आजादी के साथ पंडित गोविंद बल्लभ पंत उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने। उस समय उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हिस्सा था। ऐसे में इतने बड़े राज्य की व्यवस्था को सुशासन के मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने के साथ ही आर्थिक उन्नयन और समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों के लिए उन्होंने काम किया। पंत जी ने अनेक महत्वपूर्ण सुधार किए। उनके द्वारा प्रस्तुत लैंड रिफॉर्म मॉडल भी महत्वपूर्ण रहा।

योगी ने कहा कि वर्ष 1954 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत देश के गृह मंत्री बने। गृह मंत्री के रूप में उन्होंने देश के भीतर चल रहे भाषाई संघर्ष और समाज में नए विभाजन की नींव डालने के प्रयासों का सूझ-बूझ के साथ समाधान निकाला। हिंदी को राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गंगा का जलस्तर फिर बढ़ा, बैराज पर 4.07 लाख क्यूसेक डिस्चार्ज

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, कानपुर : कानपुर में गंगा का जलस्तर गुरुवार को एक बार फिर बढ़ गया है। बैराज पर आज अपस्ट्रीम में जलस्तर 114.630 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी निशान 114 मीटर से 63 सेंटीमीटर ऊपर है। यह खतरे के निशान 115 मीटर से 37 सेंटीमीटर नीचे है। बैराज से गंगा में पानी का डिस्चार्ज भी बढ़कर 4,07,895 क्यूसेक पहुंच गया है।

बुधवार की तुलना में कानपुर बैराज के अपस्ट्रीम जलस्तर में तीन सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई है। बुधवार को यह 114.600 मीटर था। इसी तरह डाउनस्ट्रीम जलस्तर 114.270 मीटर से बढ़कर 114.280 मीटर पहुंच गया है। इसमें एक सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। बैराज से पानी का डिस्चार्ज भी बुधवार के 4,04,405 क्यूसेक के मुकाबले 3,490 क्यूसेक बढ़ गया है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। तटीय और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां बनाए रखने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं। शुक्लागंज में भी गंगा का जलस्तर बढ़ा है। यहां जलस्तर 113.020 मीटर दर्ज किया गया, जो बुधवार के 112.960 मीटर के मुकाबले छह सेंटीमीटर अधिक है। यह चेतावनी स्तर 113 मीटर से दो सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है और खतरे के निशान 114 मीटर से 98 सेंटीमीटर नीचे है। हरिद्वार बैराज से पानी के डिस्चार्ज में कमी दर्ज की गई है। बुधवार को 93,512 क्यूसेक के मुकाबले गुरुवार को 81,514 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज हुआ, यानी 11,998 क्यूसेक की कमी हुई। वहीं नरोरा बैराज से डिस्चार्ज 1,11,969 क्यूसेक से घटकर 1,05,633 क्यूसेक पहुंच गया है। इसमें 6,336 क्यूसेक की कमी हुई है।

प्रयागराज में फिर बढ़ने लगा गंगा-यमुना का जलस्तर , सभी तटबंध सुरक्षित

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, प्रयागराज : विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज में एक बार फिर से गंगा और यमुना का जलस्तर बढ़ने लगा है। पिछले 24 घंटे के दौरान बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि वर्तमान स्थिति नियंत्रण में है और जिले के सभी तटबंध सुरक्षित हैं। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार गुरुवार सुबह 8 बजे यह आंकड़ा जारी किया गया है। हालांकि खतरे का स्तर 84.734 मीटर दर्ज हैं।

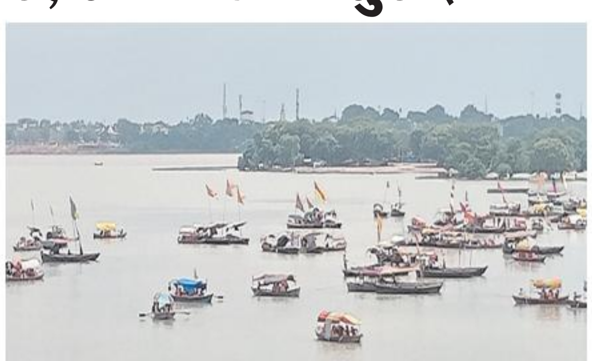

बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 81.60 मीटर रहा। यहां पिछले 24 घंटे में जलस्तर में 8 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। नैनी में 5.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई। गंगा नदी का जलस्तर फाफामऊ में 81.88 मीटर रहा। यहां जलस्तर 12 सेंटीमीटर बढ़ा है, जबकि 41.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। छतनाग में गंगा का जलस्तर 81.13 मीटर रहा और पिछले 24 घंटे में 12 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज हुई। यहां 29.4 मिलीमीटर वर्षा हुई। बक्शी बांध स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के पास जलस्तर 81.74 मीटर दर्ज किया गया। यहां भी पिछले 24 घंटे में 8 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई है।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष प्रभारी निखिल प्रसाद ने बताया कि नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और जिले के सभी तटबंध सुरक्षित हैं। जलस्तर में होने वाले बदलाव की लगातार निगरानी की जा रही है।

पर्वों से पहले सड़कों को दुरुस्त करने में तेजी लाएं सफाई में लापरवाही पर होगी कार्रवाई : उपाध्याय

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, कानपुर : आगामी पर्वों और यातायात के दबाव को देखते हुए शहर की सड़कों की पैच मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य तेजी से पूरा कराया जाए। सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह निर्देश बुधवार को नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए।

नगर आयुक्त ने शहर में सड़कों की पैच मरम्मत, सड़क सुदृढ़ीकरण और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नमक फैक्ट्री चौराहे पर सड़क की स्थिति खराब मिलने पर नगर आयुक्त ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता से वार्ता कर सड़क का रेस्टोरेशन तत्काल कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि सड़क लोक निर्माण विभाग के स्वामित्व में है, लेकिन इस मार्ग पर यातायात का अत्यधिक दबाव रहता है। वार्ड-25 स्थित आवास विकास डबल रोड पर चल रहे पैच मरम्मत कार्य का भी निरीक्षण किया गया। क्षेत्रीय निवासियों ने कार्य पर संतोष जताते हुए सड़क के दूसरी ओर भी पैच मरम्मत कराने की मांग की। नगर आयुक्त ने सड़क के दोनों ओर और साइड पटरी पर पैच कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान मार्ग पर नालियां भरी हुई मिलीं और कूड़ाघर पर काफी मात्रा में कूड़ा पाया गया। आंतरिक गलियों में भी सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर नगर आयुक्त ने सफाई पर्यवेक्षक राकेश को कारण बताओ नोटिस जारी करने और सफाई कर्मचारी शुभम पत्र बाबूलाल का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। साथ ही तत्काल सफाई कराकर जियोटैग फोटो उपलब्ध कराने को कहा। जोन-6 में बगिया क्रासिंग से केसा चौराहे तक बन रही सीएम ग्रिड रोड का भी निरीक्षण किया गया। मौके पर फुटपाथ पर स्टैम्प कंक्रीट का कार्य मशीन से होता मिला। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को अक्टूबर तक मार्ग का कार्य पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम कराने और सड़क रेस्टोरेशन शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए।

-:जाहिर सूचना:-
(मकान नंबर 131, नारायण नगर कालोनी, होशंगाबाद रोड, भोपाल)

मैं, अपने पक्षकार यस बैंक लिमिटेड, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल द्वारा शाखा प्रबंधक के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि, श्रीमती शशिप्रभा खरे पत्नी स्व. श्री चक्रवर्ती खरे, निवासी भोपाल के आधिपत्य एवं स्वामित्व में एक आवासीय मकान नंबर 131, नारायण नगर कालोनी, होशंगाबाद रोड, भोपाल के आधिपत्य एवं स्वामित्व का एक आवासीय मकान क्रमांक 131 नारायण नगर, भोपाल में स्थित है, जिसके भूखण्ड का क्षेत्रफल 1500 वर्गफिट है, जिसके पूर्व में रोड, पश्चिम में खुली जगह, उत्तर में प्लॉट नंबर 130 तथा दक्षिण में-प्लॉट नंबर 132 है। यह कि श्री चक्रवर्ती खरे ने उपरोक्त सम्पत्ति रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से श्री सनत कुमार शर्मा आत्मज श्री रामदीन साहब पुजारी से क्रय की है, जिसके विक्रय पत्र का पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय भोपाल में दिनांक 21.07.1984 को पुस्तक क्रमांक अ-1, ग्रंथ क्रमांक 3965 दस्तावेज क्रमांक 2459 पर पंजीबद्ध है। यह कि श्री चक्रवर्ती खरे का स्वर्गवास दिनांक 21.11.2020 को हो गया है, श्री चक्रवर्ती खरे के स्वर्गवास के उपरांत श्रीमती शशिप्रभा खरे उनकी एक मात्र वारिस एवं उत्तराधिकारी हैं, उक्त सम्पत्ति का नामांतरण नगर निगम के रिकार्ड में पत्र क्रमांक BHPL-Z13-W52-2023-24-256586 दिनांक 25.10.2023 को हो गया है, श्रीमती शशिप्रभा के अनुसार श्री चक्रवर्ती खरे की वही एकमात्र वारिस एवं उत्तराधिकारी हैं। यह कि श्रीमती शशिप्रभा खरे पत्नी स्व. चक्रवर्ती खरे के द्वारा उपरोक्त सम्पत्ति श्री अभिषेक जैन आत्मज श्री राजेन्द्र कुमार जैन को विक्रय की जा रही है। श्री अभिषेक जैन के द्वारा उपरोक्त सम्पत्ति को क्रय करने के लिये मेरे पक्षकार के समक्ष गृह ऋण प्राप्त करने का आवेदन दिया है, जो विचाराधीन है। उक्त वर्णित सम्पत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति, वारिस, उत्तराधिकारी, संस्था, बैंक, सोसायटी, नजूल, म.प्र. शासन, शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय निकाय का अनुबंध, स्वत्व, आधिपत्य हित, ऋण, बंधक (साम्यिक) भार, विलयन अथवा अन्य किसी भी प्रकार का विवाद हो तो, वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेजों के साथ इन सूचना पत्र प्रकाशन के 07 दिवस की अवधि के अन्दर मुझे, मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। उपरोक्त समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी और मेरा पक्षकार उपरोक्त सम्पत्ति पर ऋण प्रदान करने के लिय स्वतंत्र होगा ।

पुलकित सांघी एडवोकेट
सांघी लॉ चेम्बर
67, जोन-1 एम.पी. नगर भोपाल
मो. 9826019123

1562

पब्लिक नोटिस
APPLE CROP SCIENCE
A7, Sector A Industrial Area, Bagroda – 464993 (M.P.)

कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आदेश क्र. S.O. 2900(E) दिनांक 24 अक्टूबर 2015 तथा 30 दिसम्बर 2017 के संशोधन के अनुसार मेसर्स एप्पल क्रॉप साइंस द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दी गई विशिष्टताओं के अनुसार पानी में 100% घुलनशील उर्वरक मिश्रण विक्रय करने के लिये प्रस्तुत है: (1) NPK 16:08:24 – कुल नाइट्रोजन 16%, कुल फॉस्फेट 08%, कुल पोटाश 24% (2) NPK 20:20:20–कुल नाइट्रोजन 20%, कुल फॉस्फेट 20%, कुल पोटाश 20% (3) NPK 13:40:13 –कुल नाइट्रोजन 13%, कुल फॉस्फेट 40%, कुल पोटाश 13% (4) NPK 19:19:19 – कुल नाइट्रोजन 19%, कुल फॉस्फेट 19%, कुल पोटाश 19% (5) Mono Potassium Phosphate (00:52:34)-कुल फॉस्फेट 52%, कुल पोटाश 34% अधिकतम अनुमत सीमा (भार के अनुसार): (a) नमी — अधिकतम 0.5% (b) कुल क्लोराइड — अधिकतम 1.5% (c) जल में अघुलनशील पदार्थ — अधिकतम 0.5% (d) सोडियम (NaCl के रूप में) — अधिकतम 0.5% (e) सीसा (Pb के रूप में) — अधिकतम 0.003% (f) कैडमियम (Cd के रूप में) — अधिकतम 0.0025% (g) आर्सेनिक (As के रूप में) — अधिकतम 0.01%।

मेसर्स एप्पल क्रॉप साइंस

1561

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारंण को सूचित किया जाता है कि मेरा एक प्रकरण 6715/93, क्लेम नं. 595751 वार्ड क्रं. 10 अधिकरण क्रं. 03, उपायुक्त महोदय गैस दावा अदालत शाहजहांनाबाद भोपाल में लंबित है उक्त प्रकरण में मेरा नाम कु. कीर्ति तिवारी पिता श्री कैलास नारायण तिवारी एवं पति ज्ञानेश्वेर व्यास का नाम चल रहा है। क्योकि मेरा सही एवं वास्तविक नाम कीर्ति तिवारी उर्फ नम्रता व्यास पिता का नाम कैलास नारायण तिवारी व पति का नाम ज्ञानेश्वेर व्यास है। भविष्य में मैं उक्त नामो से पहचानी एवं जानी जाउंगी यदि किसी व्यक्ति/ संस्था /सोसायटी को मेरे नाम के संबध में कोई आपत्ति है तो वह पेशी दिनांक 23.09.2026 को उपायुक्त गैस दावा अधिकरण क्रं. 03 शाहजहांनाबाद, भोपाल म.प्र. के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराये तदानुसार सूचित है।

1563

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं Niranjan Singh Pal निवासी- MIG-148, इंदिरा नगर वार्ड नं. 11, मंडीदीप जिला रायसेन (मध्य प्रदेश) 462046 यह घोषणा करता हूं कि पूर्व में मेरा नाम Niranjan Singh S/O Govind Singh था, जो मेरे पूर्व पासपोर्ट पर लिखा है, जिसे मैंने बदलकर Niranjan Singh Pal पुत्र Govind Singh Pal रख लिया है, जो मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरा नया नाम Niranjan Singh Pal लिखा है अब मुझे इसी नए नाम से जाना व पहचान जाए।

1564

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं धैर्य त्रैहन (Dhairya Trehan) पुत्र महेश कुमार त्रैहन (Mahesh Kumar Trehan) निवासी- 28, सिंधी कॉलोनी रोड, इब्राहिमगंज शांति नगर भोपाल 462001 (मध्य प्रदेश) यह घोषणा करता हूं कि पूर्व में मेरा नाम (Dhairya Trihan S/O Mahesh Trihan) था जो मेरी 10वीं की मार्कशीट में लिखा है जिसे मैंने बदलकर (Dhairya Trehan S/O Mahesh Kumar Trehan) रख लिया है, जो मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरा नया नाम Dhairya Trehan S/O Mahesh Kumar Trehan लिखा है अब मुझे इसी नए नाम से जाना व पहचाना जाए।

1565

संचालनालय
किसान कल्याण तथा कृषि विकास द्वितीय तल, विन्ध्याचल भवन, मध्यप्रदेश, भोपाल
(0755) 2551279, E-mail: dagit@mp.gov.in

क्रमांक/आई.टी.-1/UPS क्रय/2026-27/878 — भोपाल, दिनांक 09.09.2026

निविदा की सूचना

संचालनालय, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, म.प्र. भोपाल में 04 नग-UPS एवं 02 नग Network Backup UPS (कुल 06 नग UPS) का क्रय किये जाने हेतु <https://gem.gov.in/> पर खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।
आमंत्रित की गई निविदा का कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार है:

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
1.	निविदा संख्या एवं निविदा जारी होने की तारीख	निविदा संख्या: GEM/2026/B/7899352 निविदा दिनांक: 02.09.2026	
2.	निविदा बंद होने की तारीख एवं समय	23.09.2026	अपरान्ह 03:00 बजे
3.	तकनीकी निविदा खोले जाने की तारीख एवं समय	23:09.2026	अपरान्ह 03:30 बजे
4.	वित्तीय निविदा खोले जानेकी तारीख	तकनीकी एवं वित्तीय निविदा में सफल निविदाकर्ता को GeM portal की प्रक्रिया अनुसार सूचित किया जायेगा।	

जी-18384/26
संचालक किसान कल्याण कृषि विकास म.प्र. भोपाल

कार्यालय नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम

क्रमांक 5683/ लो.नि.वि/न.पा.न./ 2026 — नर्मदापुरम दिनांक 08/09/2026

निविदा सूचना

एतद द्वारा निम्नवर्णित निर्माण कार्य हेतु मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग की एकीकृत नवीन पंजीयन प्रणाली में समक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से नगरीय प्रशासन एवं विकास मध्यप्रदेश के दिनांक 10-05-2012 (02-08-2021) के एवं आज दिनांक संशोधित से प्रभावशील आई.एस.एस.आर. पर प्रतिशत के आधार पर फॉर्म 'ए ' सीलबंद निविदा दिनांक 23.09.2026 को 3:00 बजे दिन तक आमंत्रित की जाती है प्राप्त निविदा उसी 3:00 बजे उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधि के सामने खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	नवीन पंजीयन अनुसार श्रेणी
1.	नगर नर्मदापुरम के रेवागंज वार्ड के बी.टी.आई में आर्ष गुरुकुल समिति परिसर में पूर्व स्वीकृत कक्ष निर्माण का विस्तार एवं शेष निर्माण कार्य।	742962/-	7430/-	2000/-	15 दिवस	सेंट्रलाइज्ड पी.डब्ल्यू.डी. रजिस्ट्रेशन

1. निविदा प्रपत्र कार्यालयान समय में एक दिवस पूर्व तक कार्यालय से प्राप्त किये जा सकत है।
2. विस्तृत विवरण एवं शर्ते कार्यालयीन समय में कार्यालय की लो.नि. शाखा में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम

आपका राशिफल 11 सितम्बर

मेष — [illegible] शुभांक 4 6 8

वृष — [illegible] शुभांक-5-7-9

मिथुन — [illegible] शुभांक-7-8-9

कर्क — [illegible] शुभांक 4 6 7

सिंह — [illegible] शुभांक-4-5-6

कन्या — [illegible] शुभांक-7-8-9

तुला — [illegible] शुभांक 3 5 7

वृश्चिक — [illegible] शुभांक-3-6-7

धनु — [illegible] शुभांक-3-6-7

मकर — [illegible] शुभांक-2-5-7

कुंभ — [illegible] शुभांक-4-7-8

मीन — [illegible] शुभांक-5-7-8

नईदुनिया

ना तेल, ना ही खदान, फिर भी ताइवान सेमीकंडक्टर चिप निर्माण कर बना मजबूत

-चीन के साथ तनाव के बीच वैश्विक तकनीकी आपूर्ति शृंखला का बना है प्रमुख केंद्र

ताइपे

ताइवान ने तकनीक के क्षेत्र में ऐसी ताकत हासिल कर ली है, जिसके कारण आज पूरी दुनिया उसकी सेमीकंडक्टर चिप निर्माण क्षमता पर निर्भर है। स्मार्टफोन, कंप्यूटर, डेटा सेंटर से लेकर एआई आधारित अत्याधुनिक मशीनों तक में इस्तेमाल होने वाली चिप्स वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी हैं। इनमें अत्याधुनिक चिप्स के निर्माण में ताइवान की भूमिका बेहद अहम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन के साथ लगातार तनाव और सुरक्षा चुनौतियों के बीच भी ताइवान वैश्विक तकनीकी आपूर्ति शृंखला का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। ताइवान की सफलता का आधार केवल चिप निर्माण नहीं, बल्कि इससे जुड़ा औद्योगिक तंत्र भी है। यहां चिप डिजाइन, निर्माण, पैकेजिंग और परीक्षण से लेकर जरुरी उपकरणों और अन्य घटकों की आपूर्ति तक का मजबूत नेटवर्क विकसित हो चुका है। अत्याधुनिक 3 नैनोमीटर और 2 नैनोमीटर तकनीक में भी ताइवान अहम स्थान रखता है। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी यानी टीएसएमसी इस उद्योग की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है। इसके अलावा मीडियाटेक, रियलटेक, यूएमसी और नान्या जैसी कंपनियां भी चिप डिजाइन और निर्माण में योगदान देती हैं।

ताइवान में करीब पांच दशक पहले उसकी अर्थव्यवस्था कम लागत वाले सामान की असेंबली और विनिर्माण पर काफी निर्भर थी। सरकार ने जल्द समझ लिया कि प्राकृतिक संसाधनों की कमी को तकनीकी दक्षता से पूरा किया जा सकता है। इसी सोच के तहत सेमीकंडक्टर उद्योग को रणनीतिक प्राथमिकता दी गई और शोध, प्रशिक्षण तथा उत्पादन सुविधाओं में लगातार निवेश किया। ताइवान के औद्योगिक प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान ने अमेरिकी कंपनी आरसीए से तकनीकी सहयोग हासिल किया। युवा ताइवानी इंजीनियरों को अमेरिका भेजकर चिप डिजाइन, निर्माण और परीक्षण का प्रशिक्षण दिलाया। ये विशेषज्ञ स्वदेश लौटे और उन्होंने स्थानीय स्तर पर सेमीकंडक्टर तकनीक विकसित करने में अहम भूमिका निभाई। शुरुआती उत्पादन सुविधाओं की सफलता के बाद सरकार का भरोसा और बढ़ा। इसके बाद शिनचू साइंस पार्क ने इस उद्योग को नई गति दी। यहां विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, कंपनियों और आपूर्तिकर्ताओं को एक साथ विकसित किया गया। अमेरिका की सिलिकान वैली में काम कर रहे कई ताइवानी विशेषज्ञ भी वापस लौटे। इससे तकनीकी प्रतिभा और उद्योग के बीच मजबूत संपर्क बना। साल 1987 में मारिस चांग ने टीएसएमसी की स्थापना कर इस माडल को नई दिशा दी। कंपनी ने अपना ब्रांड बनाने के बजाय दूसरी कंपनियों के लिए चिप निर्माण पर ध्यान दिया। इस माडल ने एप्पल, एनवीडिया और क्वालकाम जैसी कंपनियों को अपनी महंगी फैक्ट्रियां लगाए बिना अत्याधुनिक चिप्स बनवाने का भरोसेमंद विकल्प दिया।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने शुरू की मुफ्त की चुनावी रेवड़ियां, हर एक को देंगे 5000 डालर

वाशिंगटन। अमेरिका में भी आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वादों की झड़ी लगा रहे हैं। इसी कड़ी में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा चुनावी वादा किया। उन्होंने घोषणा की कि यदि नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस (संसद) पर अपना नियंत्रण बरकरार रखती है, तो वह हर जवान अमेरिकी नागरिक को 5,000 डालर का ट्रंप डिविडेंड देंगे। करीब 27 करोड़ अमेरिकी वयस्कों को यह रकम देने पर लगभग 1.35 ट्रिलियन डालर खर्च होने का अनुमान है। हालांकि, ट्रंप के इस प्रस्ताव को लागू करने का तरीका क्या होगा और क्या इस तरह का भुगतान कानूनी रूप से संभव है, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। ट्रंप ने यह घोषणा अपनी रिपब्लिकन पार्टी के पहले मिडटर्म कन्वेंशन में की। टेक्सास के डलास में हो रहे दो दिवसीय सम्मेलन में ट्रंप ने करीब एक घंटे 45 मिनट का जोरदार भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के पहले दो वर्षों को राष्ट्रपति पद के इतिहास के सबसे महान दो साल बताया। उनका भाषण पूरी तरह चुनावी अंदाज में नजर आया और उन्होंने खुद को नवंबर में होने वाले चुनाव के केंद्र में रखा। ट्रंप ने रिपब्लिकन समर्थकों से अपील की कि अगर डेमोक्रेट्स को सत्ता मिलती है, तो देश को अगले दशक तक खुद को संभालने में लगाना पड़ेगा। उन्होंने लोगों से रिपब्लिकन उम्मीदवारों को वोट देने की अपील करते हुए कहा, मैं आपसे कह रहा हूं कि मान लीजिए कि मैं बैलेट पर हूं। हालांकि, ट्रंप की लोकप्रियता को लेकर स्थिति चुनौतीपूर्ण बताई जा रही है। जनमत सर्वेक्षणों में उनके अप्रूवल रेटिंग अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने की बात कही गई है।

जलवायु परिवर्तन से बाढ़ की तबाही का दावा, नेपाल ने मांगा 2 करोड़ डालर मुआवजा

काठमांडू। नेपाल ने जलवायु परिवर्तन के कारण रसुवा में आई विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान के मुआवजे के तौर पर करीब 2 करोड़ अमेरिकी डालर की मांग की है। नेपाल ने पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा के तहत गठित फंड फार रिस्पान्डिंग टू लास एंड डैमेज (हानि तथा नुकसान कोष) को इस संबंध में पत्र भेजा था। इस पत्र पर वित्त मंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले और पर्यावरण मंत्री गीता चौधरी ने हस्ताक्षर किए हैं। विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने एक पाडकास्ट में बताया कि नेपाल ने कोष से 2 करोड़ अमेरिकी डालर की राशि की मांग की है। एक पाडकास्ट इंटरव्यू में विदेश मंत्री खनाल ने कहा, फिलहाल हमने 20 मिलियन डालर के मुआवजे का दावा किया है। यह सिर्फ प्रारंभिक मांग है। आपदा के बाद नुकसान का विस्तृत आकलन कर हम पूरी स्थिति दुनिया के सामने रखेंगे।

बोको हराम के खिलाफ अभियान के लिए नाइजीरिया ने नियुक्त किया नया कमांडर

अबुजा। नाइजीरिया ने देश के पूर्वोत्तर हिस्से में बोको हराम और इस्लामिक स्टेट से जुड़े उसके धड़े आईएसडब्ल्यूएपी के खिलाफ सैन्य अभियान के लिए नए कमांडर की नियुक्ति की है। सेना के अनुसार, मेजर जनरल इबिकुनले अदेमोला अजोस अब आपरेशन हदीन काई की कमान संभालेंगे। उन्होंने मेजर जनरल अब्दुलसलाम अबुबकर का स्थान लिया है। अजोस इससे पहले अबुजा स्थित सेना मुख्यालय में तैनात थे। अबुबकर ने अप्रैल 2025 में आपरेशन हदीन काई के 15वें कमांडर के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। दो साल से भी कम समय में कमान में यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब नाइजीरिया में आगामी जनवरी में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं और सुरक्षा व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। बोको हराम और उसके अलग हुए संगठन इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएपी) का विद्रोह 2009 से जारी है। आर्म्ड कान्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट (एसीएलईडी) के आंकड़ों के अनुसार, इस हिंसा में अब तक 40 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

रुस ने आर्कटिक से तेल निकालना किया शुरू पहली खेप लोडिंग को पुतिन ने दिखाई झंडी

2027 की दूसरी छमाही तक सालाना 3 करोड़ टन कच्चा तेल निकालने का लक्ष्य

मास्को

अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने आर्कटिक इलाके में अपने बड़े वोस्तोक आयल प्रोजेक्ट से तेल निकालना शुरू कर दिया है। रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पहली खेप की लोडिंग को हरी झंडी दिखाई। रूस का लक्ष्य 2027 की दूसरी छमाही तक इस प्रोजेक्ट से सालाना 3 करोड़ टन कच्चा तेल निकालना है। पुतिन का यह प्रोजेक्ट उत्तरी साइबेरिया के तैमिर इलाके में है। इसमें वानकोर व पायाखा समेत कई तेल इलाके जुड़े हैं। प्रोजेक्ट से जुड़ी वानकोरनेफ्ट कंपनी में चार भारतीय सरकारी कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 49.9फीसदी है। इनमें ओएनजीसी विदेश, इंडियन आयल, आयल इंडिया और भारत पेट्रो रिसोर्सेज शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रोजेक्ट से निकला तेल 790 किमी लंबी पाइपलाइन से कारा सागर के बुख्ता सेवेर टर्मिनल तक पहुंचाया जाएगा। वहां तेल को टैंकरों में भरकर दूसरे देशों को भेजा जाएगा। कंपनी के मुताबिक इस इलाके में करीब 700 करोड़ टन तेल का भंडार हो सकता है। रूस से भारत आने वाले तेल के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। इसलिए इस प्रोजेक्ट को भारत के लिए खाड़ी देशों से तेल का एक नया विकल्प माना जा रहा है। परियोजना से जुड़े हवाई परिवहन के लिए एयरपोर्ट भी बनाया जा रहा है। इसका रनवे 3,500 मीटर लंबा होगा। इस प्रोजेक्ट में अब तक करीब 4.4 लाख करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है।

रिपोर्ट के मुताबिक वोस्तोक प्रोजेक्ट बर्फीले इलाके में है। अभी यहां 50 हजार से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में 16,280 मशीनें और उपकरण लगाए गए हैं। वोस्तोक के तेल में सल्फर की मात्रा 0.01फीसदी से 0.1फीसदी है यानी प्रति किलो तेल में 0.1 से एक ग्राम। सल्फर की मात्रा कच्चे तेल की गुणवत्ता का अहम पैमाना है। पेट्रोल-डीजल बनाते समय इसे तय सीमा तक घटाना पड़ता है। कम सल्फर होने से इसे हटाने में खर्च घट सकता है। इसलिए रिफाइनरी के लिए यह फायदे का सौदा साबित हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ ने बताया कि यह प्रोजेक्ट संकट के समय भारत के लिए लाइफलाइन साबित होगा। वोस्तोक हमारी ऊर्जा सुरक्षा का सहारा बनेगा। यहां से आने वाले जहाजों को होर्मुज से नहीं गुजरना होगा। इसलिए खाड़ी में तनाव व अन्य संकट में यह भारत के लिए लाइफलाइन होगा। वोस्तोक का शुरुआती सालाना लक्ष्य 3 करोड़ टन है। यह भारत के 2024-25 के घरेलू कच्चा तेल उत्पादन से ज्यादा है। तब भारत ने 2.87 करोड़ टन तेल उत्पादन किया था। भारत-रूस में ज्यादातर ट्रेड स्थानीय मुद्राओं में होता है। इससे प्रतिबंधों का ज्यादा असर नहीं।

दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी उठाते हैं सिंगापुर के पीएम

सिंगापुर। यहां के मंत्रियों के वेतन में 15 साल बाद बढ़ोतरी की गई है। वे पहले ही दुनिया में सबसे अधिक वेतन पाने वाले अधिकारियों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री लारेंस वोंग ने कहा कि अगर वेतन में बदलाव नहीं किया गया तो राजनीति में शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करना मुश्किल होगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री की सैलरी में भी इजाफा हुआ है। पीएम वोंग ने संसद में कहा कि संशोधित वेतन ढांचे के तहत सबसे निचले स्तर के मंत्री का वार्षिक वेतन 11 लाख सिंगापुर डालर (करीब 8.68 लाख अमेरिकी डालर) से बढ़ाकर 18 लाख सिंगापुर डालर (करीब 14.2 लाख अमेरिकी डालर) किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए निर्धारित वेतन 22 लाख सिंगापुर डालर (करीब 17 लाख अमेरिकी डालर) से बढ़कर 36 लाख सिंगापुर डालर (करीब 28 लाख अमेरिकी डालर) हो जाएगा। इसके अलावा अन्य सांसदों के भत्तों में भी वृद्धि की जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सबसे निचले स्तर के अधिकतर मंत्री मौजूदा कार्यकाल के अंत तक करीब 13.5 लाख सिंगापुर डालर अर्जित कर सकेंगे। इसके बाद वेतन 18 लाख सिंगापुर डालर के मानक तक नहीं पहुंचेगा, बल्कि प्रदर्शन और जिम्मेदारियों के आधार पर तय किया जाएगा। वोंग ने यह नहीं बताया कि उनका नया वेतन कितना होगा। हालांकि, नौ प्रतिशत समायोजन के बाद उनका वेतन करीब 24 लाख सिंगापुर डालर (करीब 18.9 लाख अमेरिकी डालर) हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह अगले पांच वर्षों तक वेतन वृद्धि की पूरी राशि दान कर देंगे।

सुपरमैसिव ब्लैक होल ने अचानक दिखाई जबरदस्त सक्रियता

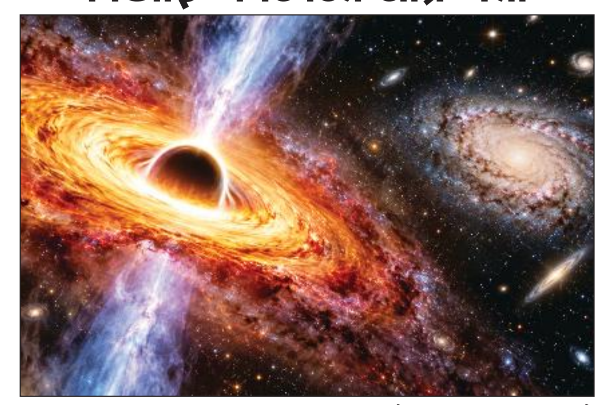

वाशिंगटन

हाल ही में अंतरिक्ष में एक सुपरमैसिव ब्लैक होल ने अचानक जबरदस्त सक्रियता दिखाई है। अंतरिक्ष में करीब दो दशक से शांत दिखाई दे रहे इस ब्लैक होल में भयंकर विस्फोट होता दिखाई दिया। इससे खगोल वैज्ञानिक भी अचंभित है। नासा के स्विफ्ट एक्स-रे टेलीस्कोप से मिले करीब 20 साल के आंकड़ों के विश्लेषण में वैज्ञानिकों ने पर्सियस क्लस्टर के केंद्र में स्थित ब्लैक होल से अब तक का सबसे बड़ा एक्स-रे फ्लेयर दर्ज किया है। यह ब्लैक होल एनजीसी 1275 गैलेक्सी के केंद्र में मौजूद है, जो पर्सियस क्लस्टर की सबसे चमकीली आकाशगंगाओं में शामिल है। इस घटना के करीब 300 दिन बाद शक्तिशाली रेडियो उत्सर्जन भी दर्ज किया गया। यूनिवर्सिटी आफ मिशिगन की सारा केचम और उनकी टीम ने इस घटना का अध्ययन किया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह खोज ब्लैक होल की एक्रीशन डिस्क और उससे निकलने वाले जेट के बीच संबंध को समझने में महत्वपूर्ण जानकारी दे सकती है।

इस संबंध को खगोल वैज्ञानिक डिस्क-जेट कपलिंग कहते हैं। इससे यह समझने में मदद मिल सकती है कि ब्लैक होल अपने आसपास की गैस को किस तरह निगलते हैं और उनके जेट पूरी आकाशगंगा के विकास को किस तरह प्रभावित करते हैं। इस ब्लैक होल की निगरानी पहले चंद्रा एक्स-रे टेलीस्कोप से भी की गई थी, लेकिन तेजी से होने वाले बदलावों को पकड़ना मुश्किल था। इसके बाद वैज्ञानिकों ने नासा के स्विफ्ट टेलीस्कोप से लगातार उपलब्ध आंकड़ों का इस्तेमाल किया और करीब 20 वर्षों की एक्स-रे गतिविधियों का विश्लेषण किया। शोध को एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार फरवरी 2023 के आसपास शुरू हुए इस फ्लेयर के दौरान ब्लैक होल की एक्स-रे चमक लगभग दोगुनी हो गई। यह सक्रियता 60 दिनों से कम समय तक रही और इसमें कम से कम दो अलग-अलग तेज उभार दिखाई दिए।

इनमें प्रत्येक करीब पांच दिन तक चला। वैज्ञानिकों ने यह भी जांचा कि कहीं किसी तारे के ब्लैक होल के बेहद करीब पहुंचकर टूटने से यह घटना तो नहीं हुई। ऐसी घटना को टाइडल डिसरप्शन इवेंट कहा जाता है। हालांकि फ्लेयर की धीमी गति से घटती चमक को देखते हुए वैज्ञानिकों ने इस संभावना को काफी कम माना है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि इस विस्फोट के पीछे ब्लैक होल की फीडिंग दर में बदलाव या उसके जेट में पैदा हुई किसी गड़बड़ी की भूमिका हो सकती है।

लक्स-जेपलिन प्रयोग से मिले संकेत ने बढ़ा दी वैज्ञानिकों की उम्मीदें

वाशिंगटन। अमेरिका की जमीन के करीब 1.5 किलोमीटर नीचे चल रहे लक्स-जेपलिन प्रयोग से मिले एक असामान्य संकेत ने वैज्ञानिकों की उम्मीद बढ़ा दी है। ब्रह्मांड का करीब 85 प्रतिशत हिस्सा ऐसे रहस्यमयी पदार्थ से बना माना जाता है, जिसे वैज्ञानिक सीधे देख नहीं पाए हैं। इसे डार्क मैटर कहा जाता है। हाल ही में शोधकर्ताओं ने ऐसा सिग्नल दर्ज किया है, जो डार्क मैटर के संभावित कणों की टक्कर से पैदा होने वाली चमक से मेल खाता है। हालांकि वैज्ञानिकों ने अभी इसे डार्क मैटर की पक्की खोज घोषित नहीं किया है। यह प्रयोग साउथ डकोटा स्थित सैनफोर्ड अंडरग्राउंड रिसर्च फैसिलिटी में चल रहा है। यहां करीब 10 टन शुद्ध तरल जेनान से भरा विशाल टैंक जमीन के नीचे स्थापित है। 16 जून 2023 को उपकरणों ने दो बेहद हल्की चमक दर्ज की। वैज्ञानिकों के मुताबिक इन संकेतों का स्वरूप उस प्रक्रिया से मेल खाता है, जिसकी उम्मीद डार्क मैटर के कणों के जेनान परमाणुओं से टकराने पर की जाती है। इस डेटा का लंबे समय तक विश्लेषण किया गया। वैज्ञानिक डार्क मैटर के संभावित कण के रूप में डब्ल्यूआईएमपी यानी वीकली इंटरैक्टिंग मैसिव पार्टिकल्स को प्रमुख उम्मीदवार मानते रहे हैं। माना जाता है कि ये कण सामान्य पदार्थ के साथ बेहद कमजोर तरीके से क्रिया करते हैं।

जानवरों की इंद्रियां इंसानों के मुकाबले होती है अधिक संवेदनशील

लंदन

अक्सर देखा जाता है कि किसी भी प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप, सुनामी या तूफान के आने से पहले जानवरों के व्यवहार में कुछ अलग और असामान्य बदलाव देखने को मिलते हैं। यह कोई अंधविश्वास नहीं, बल्कि जानवरों की असाधारण संवेदनशीलता का प्रमाण है। उनकी इंद्रियां इंसानों के मुकाबले कहीं अधिक विकसित और संवेदनशील होती हैं। जानवर प्रकृति में होने वाले छोटे से छोटे बदलाव, चाहे वह धरती में सूक्ष्म कंपन हो या वायुमंडलीय दबाव में मामूली परिवर्तन, को इंसानों की तुलना में कहीं पहले और सटीकता से महसूस कर लेते हैं। यही कारण था कि पुराने समय में लोग जानवरों की गतिविधियों और उनके असामान्य व्यवहार को देखकर ही आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का अनुमान लगाते थे। आइए विस्तार से जानते हैं ऐसे कुछ खास जानवरों के बारे में जो प्रकृति में होने वाले बदलावों को सबसे पहले भांप लेते हैं। कुत्ते की सूंघने और सुनने की क्षमता अविश्वसनीय रूप से तेज होती है। वे धरती की सतह के नीचे होने वाले छोटे से कंपन को भी आसानी से महसूस कर लेते हैं, जिसे इंसानी कान या पैर नहीं भांप पाते।

भूकंप आने से पहले कई बार कुत्तों में अत्यधिक डर, बेचैनी, लगातार भौंकना, या अजीबोगरीब तरीके से भागने जैसी हरकतें देखी गई हैं। वे अपने मालिकों को खींचकर घर से बाहर ले जाने की कोशिश करते हैं या किसी सुरक्षित स्थान पर छिपने का प्रयास करते हैं, जो उनके अंदर आने वाली आपदा के आभास को दर्शाता है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि हाथी अपने विशालकाय पैरों और संवेदनशील तलवों की मदद से धरती में होने वाले सूक्ष्म कंपन को सबसे पहले महसूस कर लेते हैं। ये कंपन सैकड़ों मील दूर से भी उनकी तंत्रिकाओं तक पहुंच जाते हैं। कई ऐतिहासिक घटनाओं में सुनामी या बड़े भूकंप से ठीक पहले हाथियों को अपने झुंड के साथ सुरक्षित और ऊंचे स्थानों की ओर तेजी से जाते हुए देखा गया है, जो उनके अंदर की इस अद्भुत क्षमता का स्पष्ट प्रमाण है।

सांप, जो जमीन के नीचे या दरारों में रहते हैं, धरती में होने वाले कंपन के प्रति अत्यंत संवेदनशील होते हैं। वे अपने जबड़ों और पूरे शरीर की सहायता से भूगर्भीय गतिविधियों को भांप लेते हैं। भूकंप आने से पहले सांपों को अक्सर उनके बिलों से बाहर निकलते हुए देखा गया है, कई बार तो वे ठंडे मौसम में भी बाहर निकल आते हैं, जो उनकी सामान्य प्रवृत्ति के विपरीत होता है। यह दर्शाता है कि वे अपने प्राकृतिक आवास में खतरे को महसूस कर चुके होते हैं। पक्षी वायुमंडलीय दबाव में होने वाले बदलावों को बहुत जल्दी महसूस कर लेते हैं। तूफान या चक्रवात आने से पहले वायुमंडलीय दबाव में तेजी से गिरावट आती है, जिसका आभास पक्षियों को तुरंत हो जाता है।

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों के लिए अस्थायी आवास का सर्वे शुरू, एक हफ्ते में रिपोर्ट आने की उम्मीद

काठमांडू

नेपाल में बाढ़ से विस्थापित लोगों के लिए सरकार ने अस्थायी आवास की जरूरत का आकलन शुरू कर दिया है। प्रभावित जिलों में हजारों लोग अभी भी आपातकालीन होल्डिंग सेंटरों में रह रहे हैं। सरकार यह पता लगाने के लिए सर्वे कर रही है कि वास्तव में कितने लोगों और परिवारों को अलग से अस्थायी आवास की जरूरत है।

शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग के उपमहानिदेशक और बुनियादी ढांचा विकास मंत्रालय द्वारा गठित पुनर्वास एवं आश्रय प्रबंधन कार्यदल के संयोजक प्रकाश आर्याल के मुताबिक, होल्डिंग सेंटरों में रह रहा हर व्यक्ति अलग अस्थायी आवास का जरूरतमंद हो, ऐसा जरूरी नहीं है।

स्थानीय सरकार के माध्यम से यह सर्वे किया जा रहा है। इसके तहत अस्थायी आवास की जरूरत वाले लोगों और परिवारों की संख्या का विवरण जुटाया जा रहा है।

आर्याल ने कहा, होल्डिंग सेंटरों में रह रहे सभी लोगों को अस्थायी आवास की जरूरत हो, यह जरूरी नहीं है।

सरकार फार्म के जरिए आवश्यक जानकारी एकत्र कर रही है। इसके बाद सरकार उपयुक्त स्थानों की पहचान कर अस्थायी आवास का निर्माण शुरू करेगी। यह पूरी प्रक्रिया स्थानीय

सरकारों के समन्वय में आगे बढ़ाई जाएगी। नुवाकोट के गल्छी और बिदुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी आवास के लिए जमीन की पहचान का काम पहले ही शुरू हो चुका है। धानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद के कार्यालय के मुताबिक, विभिन्न जिलों के होल्डिंग सेंटरों में रह रहे बाढ़ प्रभावितों को उनकी पसंद के अनुसार अस्थायी आवास उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल होल्डिंग सेंटरों का इस्तेमाल आपातकालीन आश्रय के तौर पर किया जा रहा है। वहां रह रहे प्रभावित परिवारों को अलग-अलग अस्थायी आवास में स्थानांतरित किया जाएगा। वहीं, स्थायी पुनर्वास की प्रक्रिया सरकार द्वारा नुकसान का विस्तृत आकलन करने और पुनर्निर्माण योजना तैयार करने के बाद ही शुरू होगी।

शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग की टीमें प्रभावित जिलों में भेजी गई हैं, जो नुकसान का आकलन कर रही हैं।

सर्वे के दौरान प्रभावित व्यक्तियों और परिवारों से जुड़ी कई जानकारियां जुटाई जाएंगी। इनमें घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है या नहीं, परिवार के कितने सदस्यों की मौत हुई है या कितने अभी लापता हैं, तथा परिवार सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले अस्थायी आवास में रहना चाहता है या किराए के मकान में—इसकी जानकारी शामिल होगी।

इसके अलावा परिवार के पास अपनी जमीन है या नहीं, वे कहां स्थानांतरित होना चाहते हैं और उन्हें पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य जरूरी सेवाओं की क्या आवश्यकता है, इसका भी रिकार्ड तैयार किया जाएगा।

विभाग को उम्मीद है कि यह सर्वे एक सप्ताह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

सरकार उन प्रभावित परिवारों का भी सर्वे करने की योजना बना रही है, जो फिलहाल होल्डिंग सेंटरों में नहीं रह रहे हैं। व्यापक आकलन पूरा होने के बाद अस्थायी आवास निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

हालांकि, सुरक्षित और स्थायी पुनर्वास सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। रसुवा में आई बाढ़ ने कई परिवारों के घरों के साथ-साथ उनकी जमीन भी बहा दी है।

सेलाक्वी स्ट्राइकर्स ने जीता देहरादून टी20 लीग का खिताब

देहरादून

सेलाक्वी स्ट्राइकर्स ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए मूसरी थंडर्स को 39 रन से हराकर देहरादून टी20 लीग 2026 के उद्घाटन सत्र का खिताब अपने नाम कर लिया। अभिमन्यु क्रिकेट अकादमी में बारिश के कारण फाइनल मुकाबला 16-16 ओवर का कर दिया गया था।

टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेलाक्वी स्ट्राइकर्स ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन इसके बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय शर्मा ने पारी को पूरी तरह अपने नियंत्रण में ले लिया। उन्होंने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 31 गेंदों में नाबाद 103 रन ठोक दिए। उनकी पारी में पांच चौके और 12 छक्के शामिल रहे।

विजय शर्मा के विस्फोटक पारी के दम पर सेलाक्वी स्ट्राइकर्स ने 16 ओवर में तीन विकेट पर 192 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कप्तान पीयूष जोशी ने 27 और संस्कार रावत ने 28 रन का योगदान दिया। मूसरी थंडर्स की ओर से अनमोल शाह, शुभम नैथानी और अंशुल कुमार ने एक-एक विकेट लिया।

193 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मूसरी थंडर्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने महज नौ रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। इसके बाद अनमोल शाह ने 28, कप्तान अखिल सिंह रावत ने 32 और जोंटी ने 29 रन की आक्रामक पारियां खेलकर टीम की उम्मीदें जगाईं।

हालांकि सेलाक्वी स्ट्राइकर्स के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट निकालते हुए मूसरी थंडर्स को बड़ी साझेदारी बनाने का कोई मौका नहीं दिया। निशू पटेल और सिद्धार्थ गुप्ता ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट लिए, जबकि प्रियंक सिंह और अभय क्षेत्री को एक-एक सफलता मिली।

मूसरी थंडर्स की पूरी टीम 14.4 ओवर में 153 रन पर सिमट गई। इस तरह सेलाक्वी स्ट्राइकर्स ने 39 रन की शानदार जीत दर्ज करते हुए देहरादून टी20 लीग के पहले सत्र की ट्राफी अपने नाम कर ली। टूर्नामेंट के सफल समापन के बाद शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। फाइनल में 31 गेंदों पर नाबाद 103 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले सेलाक्वी स्ट्राइकर्स के विजय शर्मा को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट में पांच पारियों में 193 रन बनाने वाले पीयूष जोशी को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार मिला। प्रियंक सिंह छह पारियों में 13 विकेट लेकर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुने गए। मूसरी थंडर्स के अंशुल कुमार ने तीन पारियों में आठ विकेट लेकर इमर्जिंग प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार हासिल किया। प्रियंक सिंह को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने प्रतियोगिता में 24 रन बनाने के साथ 13 विकेट भी लिए।

सेलाक्वी स्ट्राइकर्स के उद्घाटन खिताब के साथ देहरादून टी20 लीग का पहला सत्र यादगार अंदाज में समाप्त हुआ। रोमांचक फाइनल और खिलाड़ियों के शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन ने लीग के पहले संस्करण को सफल समापन तक पहुंचाया।

न्यूज ब्रीफ

टी20 अंतराष्ट्रीय में रोहित हैं सबसे कम गेंदों में शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज

मुम्बई। पिछले कुछ साल में दुनिया भर में टी20 क्रिकेट तेजी से बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ ही टी20 लीग भी दुनिया भर में खेली जा रही हैं। इसमें कई क्रिकेटरों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। भारतीय बल्लेबाजों ने भी टी20 प्रारुप में अपने प्रदर्शन से कई रिकार्ड बनाये हैं। जहां उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा अपनी तूफानी बल्लेबाजी के कारण इस प्रारुप में स्टार बनकर उभरे है। इसके बाद भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम गेंदों में शतक का रिकार्ड भारत की ओर से आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के नाम है। हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित ने केवल मात्र 35 गेंदों में यह शतक लगाया था। रोहित ने ये शतक साल 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में लगाया था जो तक नहीं टूटा है। उस मुकाबले में उन्होंने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए सिर्फ 35 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया था। यह पूर्ण कालिक सदस्य देशों के खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए टी20 अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 33-33 गेंदों में शतक लगाये थे। रोहित ने अपनी उस पारी में कुल 43 गेंदों का सामना करते हुए 118 रन बनाए थे, जिसमें 12 शानदार चौके और 10 छक्के शामिल थे। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए केवल 12.4 ओवर में 165 रनों की रनों की साझेदारी की थी। पिछले नौ साल में कोई भी भारतीय बल्लेबाज इस रिकार्ड को तोड़ने में सफल नहीं रहा।

टी20 के विस्तार से एकदिवसीय प्रारुप खतरे में पड़ा : पोंटिंग

सिडनी। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि जिस प्रकार से दुनिया भर में

टी20 लीग का दबदबा बढ़ रहा है उससे एकदिवसीय क्रिकेट का अस्तित्व खतरे में आ गया है। पोंटिंग के अनुसार इन लीगों के बढ़ने से अब एकदिवसीय मुकाबलों के प्रति आकर्षण घट रहा है। जिससे अधिक से अधिक क्रिकेटर अब टी20 प्रारुप में ही खेलना चाहते हैं। उनका मानना है कि इन लीगों का इसी प्रकार से विस्तार होता रहा तो क्रिकेट कैलेंडर से 50 ओवर का प्रारुप धीरे-धीरे अपनी जगह खो सकता है। पोंटिंग को आशंका है कि आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे अधिक टी20 लीग उभरेंगी, एकदिवसीय क्रिकेट कम से कम खेला जाएगा। पोंटिंग ने कहा, जैसे-जैसे महीने और साल बीतेंगे और दुनिया भर में अधिक से अधिक टी20 क्रिकेट खेला जाएगा तथा अधिक फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट शुरू होंगे, वैसे-वैसे 50 ओवर के टूर्नामेंट कम हो जाएंगी। विश्व चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स में आस्ट्रेलिया चैंपियंस फ्रेंचाइजी के सह-मालिक पोंटिंग का यह बयान खेल के पारंपरिक प्रारूपों के भविष्य को लेकर बढ़ती चिंता को दिखाता है। हालांकि, पोंटिंग का मानना है कि जब तक भारत, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और शायद दक्षिण अफ्रीका जैसे बड़े चार प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देश टेस्ट क्रिकेट में निवेश करते रहेंगे, तब तक यह प्रारूप बना रहेगा।

अगले माह होगा दिल्ली गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन, दुनिया भर के दिग्गज गोल्फर भाग लेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली गोल्फ क्लब में 15 से 18 अक्टूबर तक डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा। 40 लाख डालर इनामी राशि वाला ये टूर्नामेंट वैश्विक गोल्फ कैलेंडर में एक अहम स्थान रखता है। ऐसे में

इसका आयोजन देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें दुनिया भर के बड़े स्टार खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। इसमें भारत की ओर से शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनो का ही लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर विश्वस्तरीय दिग्गजों के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस चैम्पियनशिप में पूर्व विश्व नंबर 1 आयरलैंड के रोरी मैकलराय के अलावा गत चैम्पियन टामी फ्लीटवुड भी भाग लेंगे। फ्लीटवुड का लक्ष्य यहां अपने खिताब को बरकरार रखना रहेगा। इन दिग्गजों की उपस्थिति से भारतीय गोल्फ प्रशंसकों को भी इनके खेल देखने का अवसर मिल जाएगा। टूर्नामेंट में शामिल होने वाले बड़े नामों में गत ओपन चैम्पियन रियान फाक्स भी शामिल हैं। इसके अलाव यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप के स्टार विक्टर होवलैंड जैसे खिलाड़ी भी मैदान में होंगे। गौरतलब है कि डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप रेस टू दुबई के नौ टूर्नामेंटों में आठवां है, जो इसे यूरोपीय टूर के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार, डीपी वर्ल्ड टूर चैम्पियनशिप, दुबई में नवंबर में होने वाले फाइनल के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनाता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ वैभव और सैमसन में से किसे अवसर देंगे गंभीर

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को 13 सितंबर से अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज से पहले टीम प्रबंधन और मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने एक समस्या खड़ी हो गयी है। वह ये है कि पारी की शुरुआत के लिए अभिषेक शर्मा के साथ अनुभवी संजू सैमसन या उभरते हुए आक्रामक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में से किसे अवसर दिया जाये। तीन मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरेंगी। वहीं उपकप्तानी की जिम्मेदारी तिलक वर्मा के पास है। टीम के पास तीन आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक, वैभव और सैमसन के होने से टीम के लिए संशय की स्थिति बनी है।

पारी की शुरुआत को लेकर पहले भी इस प्रकार की मुश्किलें आई हैं। वैभव ने आईपीएल 2026 में राजस्थान रायल्स के लिए आक्रामक प्रदर्शन करते हुए अपनी दावेदारी पेश की थी, जहाँ उन्होंने 16 मैचों में 48.50 की औसत और 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे। इसमें 37 गेंदों पर 103 रनों की आक्राम पारी भी शामिल थी हालांकि इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने अभिषेक के साथ अनुभवी संजू सैमसन को शामिल किया था पर इंग्लैंड दौरे पर सैमसन के शुरुआती मैचों में बड़ी पारियां खेलने में विफल रहने के बाद, टीम प्रबंधन ने विभव को उतारा था इस प्रकार सलामी जोड़ी में बदलाव होता रहा।

जिम्बाब्वे दौरे में सैमसन शामिल नहीं थे। इसलिए वैभव ने अभिषेक के साथ पारी शुरु की थी। इस सीरीज में वैभव ने 50.33 की औसत और 196.10 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 151 रन बनाकर अपनी दावेदारी पक्की की। वैभव ने दो अर्धशतक भी लगाये। इससे सलामी जोड़ीदार के लिए उनकी दावेदारी और पक्की हो गयी थी। वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ सैमसन की भारतीय टीम में से अब एक बार फिर पारी की शुरुआत किससे करायी जाये सवाल उठ खड़ा हुआ है। वहीं अभिषेक टी20 क्रिकेट में भारत के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं और लगातार टीम की योजनाओं का अभिन्न अंग रहे हैं, ऐसे में उनकी जगह किसी और को उतारा जाएगा ये संभव नहीं है। दूसरी ओर, वैभव ने भी आईपीएल से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक आक्रामक बल्लेबाजी दिखायी है।

नई अनुबंध प्रणाली से बीबीएल में विदेशी खिलाड़ियों को मिल रही अधिक राशि : जंपा

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने खुलासा किया है कि घरेलू क्रिकेट लीग (बीबीएल) में अब घरेलू खिलाड़ियों की जगह पर विदेशी खिलाड़ियों को ही अधिक रकम मिल रही है। जंपा के अनुसार ऐसा बेहतर वितीय सौदों और नई अनुबंध प्रणाली के आने से हुआ है। उनका कहना है कि अब विदेशी खिलाड़ियों को बीबीएल में अधिक आकर्षक अनुबंध मिल रहे हैं। यह बड़ा बदलाव इसलिए हुआ है क्योंकि क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने विदेशी खिलाड़ियों के लिए पहले से चली आ रही ड्राफ्ट प्रणाली को समाप्त कर दिया है। अब टीमें अपने बजट के अनुसार विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक खर्च कर सकती हैं। इस स्पिनर ने इस सत्र के लिए होबार्ट हरिकेंस के साथ दो साल का करार किया है, ये इस लीग में उनकी पांचवीं टीम है। इससे पहले उन्होंने सिडनी थंडर, एडिलेड स्ट्राइकर्स, मेलबर्न स्टार्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेला था। उन्होंने साफ किया है कि वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे और टीम में अपनी जगह बनाये रखने के पूरे प्रयास करेंगे। इस नए सिस्टम के तहत इंग्लैंड के आलराउंडर बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ियों को मोटी रकम मिली है। जंपा को भी एक अच्छी रकम मिली है पर वह खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं हमेशा इस लीग में खेलता था। जाहिर है, विदेशी ड्राफ्ट और पैसे को लेकर पीछे बहुत कुछ होता रहा है और स्थानीय खिलाड़ी उम्मीद करते थे कि लाभ उन्हें मिलेगा पर ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि विदेशी खिलाड़ियों को अभी भी करार का एक अच्छा हिस्सा मिल रहा है। हालांकि वे होबार्ट के साथ शामिल होने के अपनी फैसले से खुश हैं और इसे एक आसान निर्णय मानते हैं, क्योंकि ड्राफ्ट हटने के बाद वे तुरंत हरिकेंस से जुड़ने को उत्सुक थे। वहीं इससे पहले अचानक लिए एक फैसले में क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने लीग के निजीकरण की अनुमतिम दे दी है। इस कदम के तहत, एडम जैम्पा का एक पुराना क्लब, मेलबर्न रेनेगेड्स, सबसे पहले बिकने वाली टीमों में से एक हो सकता है। निजीकरण के संबंध में जैम्पा ने कहा, मुझे लगता है कि यह शायद एक छोटी सी स्थिति है, जिसमें दोनों पार्टियां हैं, और मुझे लगता है कि अनुबंध के तहत बहुत अच्छे स्टैंडर्ड, आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम स्टैंडर्ड के खिलाड़ियों के होने से वे उस मायने में भी ज्यादा ताकतवर हो गए हैं।

यूएस ओपन

कोको गाफ ने दो मैच प्वाइंट बचाकर आंद्रिवा को हराया, सेमीफाइनल में राइबाकिना से भिड़ंत

न्यूयार्क

अमेरिका की कोको गाफ ने शानदार वापसी करते हुए पांचवीं वरीय मिर्रा आंद्रिवा को तीन सेटों में 2-6, 7-6 (7), 6-2 से हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। 2023 की चैंपियन गाफ ने मुकाबले के दौरान दो मैच प्वाइंट बचाकर जीत हासिल की।

आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के पहले सेट में गाफ पूरी तरह संघर्ष करती नजर आईं। आंद्रिवा ने शुरुआत में ही दबदबा बनाते हुए लगातार चार गेम जीते और पूरे सेट में गाफ को एक भी ब्रेक प्वाइंट का मौका नहीं दिया।

पहले सेट में गाफ ने 14 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि आंद्रिवा ने केवल पांच गलतियां कीं। इसका फायदा उठाते हुए रूसी खिलाड़ी ने पहला सेट आसानी से 6-2 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में गाफ ने लय हासिल की और मुकाबला पूरी तरह बदल गया। दोनों खिलाड़ियों ने दो-दो बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी और सेट टाईब्रेक तक पहुंचा। आंद्रिवा जीत के बेहद करीब पहुंच गई थीं, लेकिन गाफ ने दो मैच प्वाइंट बचाकर मुकाबले को रुख अपने पक्ष में कर लिया।

दूसरे सेट के टाईब्रेक में एक 39 शाट की लंबी रैली निर्णायक साबित हुई, जिसे गाफ ने शानदार बैकहैंड के साथ अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने टाईब्रेक जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचाया।

निर्णायक सेट में गाफ ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की और तीसरे गेम में आंद्रिवा की सर्विस तोड़ दी। इससे निराश आंद्रिवा ने अपना रैकेट बेंच की ओर फेंक दिया।

गाफ ने इसके बाद मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली और सातवें गेम में आंद्रिवा की सर्विस को शून्य पर तोड़ दिया। इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने फोरहैंड विनर लगाकर मुकाबला समाप्त किया और जीत का जश्न मनाया।

अब सेमीफाइनल में गाफ का सामना कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना से होगा। राइबाकिना ने इससे पहले झेंग छिनवेन को हराकर पहली बार यूएस ओपन के अंतिम चार में जगह बनाई है।

डोप टेस्ट में पाजिटिव पाये जाने पर एशियाई खेलों से बाहर हुए पहलवान दीपक

नई दिल्ली। जापान में 19 सितंबर से पहले होने वाले एशियाई खेलों से पहले भारत को करारा झटक लगा है। भारत के एक पदक दावेदार पहलवान दीपक डोप जांच में पाजिटिव पाये जाने के बाद खेलों से बाहर हो गये हैं। नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) के अनुसार दीपक के यूरिन सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ क्लोमिफीन पाया गया है, जिसके कारण भारतीय दल से बाहर कर दिया गया है। जब डोपिंग के कारण किसी भारतीय पहलवान को एशियाई खेलों से बाहर किया गया है। इससे पहले मुकुल दहिया और दीपांशु भी डोप जांच में पाजिटिव पाये जाने के बाद बाहर हो गये थे। नाडा के अनुसार चयन ट्रायल के दौरान लिए गए दीपक के यूरिन सैंपल में क्लोमिफीन पाया गया। यह इग हार्मोन और मेटाबालिक माड्यूलेटर की श्रेणी एस4 के तहत आता है। नाडा ने इस मामले को लेकर कहा कि डोपिंग का मामला पहली बार 23 जुलाई को सामने आया था, जब दीपक के सैंपल की जांच में असामान्य परिणाम दिखे थे। इसके बाद मामले की गहराई से जांच की गई। क्लोमिफीन एक ऐसा पदार्थ है जिसका इस्तेमाल आमतौर पर बांझपन के इलाज के लिए किया जाता है।

चैंपियंस लीग : राफिन्हा के दो गोल से बार्सिलोना ने फेयेनोर्ड को 5-1 से हराया

बार्सिलोना

राफिन्हा के दो गोल की बदौलत बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए फेयेनोर्ड को 5-1 से हरा दिया। बार्सिलोना के लिए राफिन्हा के अलावा करीम अदेयेमी, लामिन यामाल और स्थानापन्न गैब्रियल जीसस ने गोल किए। फेयेनोर्ड की ओर से सेम स्टेइन ने एकमात्र गोल किया।

बार्सिलोना ने मैच के तीसरे मिनट में ही बढ़त बना ली। राबर्ट लेवांडोव्स्की और फेरान टोरेस के जाने के बाद केंद्रीय स्ट्राइकर की भूमिका निभा रहे राफिन्हा ने पेनल्टी क्षेत्र में दो डिफेंडरों को छकाया और शानदार अंदाज में गेंद को गोल में पहुंचाया। इस गोल के साथ राफिन्हा ने इस सत्र में पांच मैचों में अपने गोलों की संख्या आठ कर ली है।

बार्सिलोना ने इसके बाद अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। करीम अदेयेमी ने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शानदार लंबी दूरी का शाट लगाकर गेंद को फेयेनोर्ड के गोलकीपर ट्यार्क एर्नस्ट की पहुंच से दूर गोल में पहुंचा दिया।

फेयेनोर्ड ने वापसी की कोशिश की और अनीस हाज मूसा ने बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया को नजदीकी पोस्ट पर बचाव करने के लिए मजबूर किया। हालांकि बार्सिलोना का दबदबा कायम रहा। जोआओ कांसेलो ने गिवाइरो रीड को छकाने के बाद शाट लगाया, लेकिन गेंद पोस्ट के बाहरी हिस्से से टकराकर बाहर चली गई।

दूसरे हाफ में राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल किया। पेड्री के शानदार थ्रू पास पर तेजी से आगे बढ़ते हुए राफिन्हा ने एर्नस्ट को छकाकर गेंद को गोल में डाल दिया। फेयेनोर्ड ने नाचो फेरी के जरिए तुरंत जवाब देने की कोशिश की, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी की समीक्षा के बाद आफसाइड के कारण गोल रद्द कर दिया गया।

बार्सिलोना ने इसके बाद भी लगातार हमले जारी रखे। फर्मिन लोपेज ने एर्नस्ट को एक और बचाव के लिए मजबूर किया, जबकि लामिन यामाल ने फ्री-किक पर शानदार गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। उनकी किक दीवार को पार करते हुए सीधे गोल में पहुंची।

फेयेनोर्ड ने सेम स्टेइन के गोल से अंतर कम किया। गोंकालो बोर्जेस के लो क्रास को स्टेइन ने गोल में पहुंचाया। हालांकि बार्सिलोना ने मैच का अंतिम गोल भी किया। स्थानापन्न के तौर पर मैदान पर उतरे गैब्रियल जीसस ने यामाल के क्रास पर शानदार हेडर लगाकर बार्सिलोना के लिए अपना पहला गोल किया। वह गर्मियों में आर्सेनल से क्लब में शामिल हुए थे। इस जीत के साथ हांसी फ्लिक की टीम ने मौजूदा सत्र में अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखा। बार्सिलोना ने अब सभी प्रतियोगिताओं में खेले अपने पांचों मुकाबले जीते हैं और इनमें से चार मैचों में पांच-पांच गोल किए हैं।

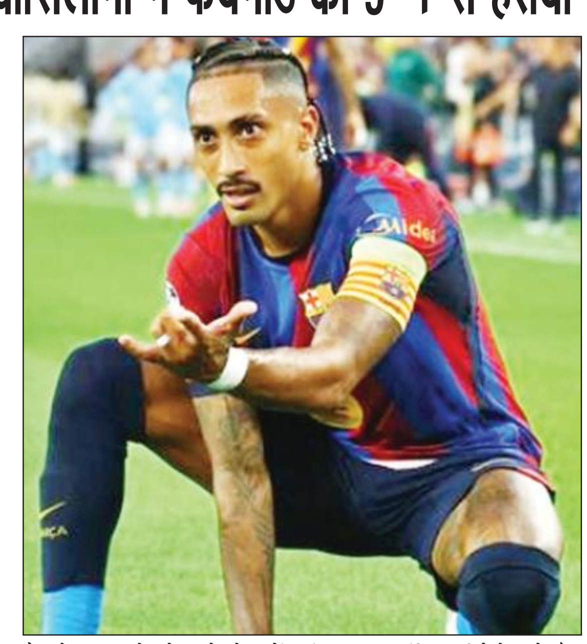

भारत के खिलाफ मुकाबले के लिए ब्राजील की मजबूत टीम घोषित, विनिसियस जूनियर, राफिन्हा और एंड्रिक शामिल

नई दिल्ली

पांच बार की विश्व कप विजेता ब्राजील ने भारत के खिलाफ तीन अक्टूबर को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होने वाले दोस्ताना मुकाबले के लिए 26 सदस्यीय मजबूत टीम की घोषणा कर दी है। मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने टीम में विनिसियस जूनियर, राफिन्हा, एंड्रिक और ब्रूनो गिमाराएस जैसे स्टार खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बैलन डीओर के तीन नामांकित खिलाड़ी भी हैं।

ब्राजील की टीम भारत पहुंचने से पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 और 29 सितंबर को दो मुकाबले खेलेगी। इसके बाद टीम कोलकाता पहुंचेगी, जहां तीन अक्टूबर को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबला होगा।

एंसेलोटी ने आक्रमण में कई विकल्पों को टीम में जगह दी है। विनिसियस जूनियर, राफिन्हा और एंड्रिक के अलावा एस्टेवाओ, जोआओ पेड्रो, पेड्रो, रायन और सैमुअल लिनो को भी टीम में शामिल किया गया है।

मिडफील्ड में ब्रूनो गिमाराएस और डगलस लुइज प्रमुख नाम हैं। इनके अलावा आंद्रेई सैंटोस, ब्रेनो बिडोन, डानिलो सैंटोस और गैब्रियल बोटेम्पो को भी टीम में जगह मिली है।

रक्षा पंक्ति में आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मागालाएस और अनुभवी ब्राजीलियाई खिलाड़ी मार्किन्होस शामिल हैं। इनके अलावा आर्थर डायस, डगलस सैंटोस, जाइर, मात्युजिन्हो, माउरो जूनियर, विटोर रीस और वेस्ली को चुना गया है।

गोलकीपर के रूप में ह्यूगो सूजा, पेड्रो मोरिस्को और ओटावियो को टीम में शामिल किया गया है।

यह मुकाबला खालिद जमील की अगुवाई वाली भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबाल की सबसे सफल टीमों में से एक ब्राजील के खिलाफ खुद को परखने का बड़ा मौका होगा। साथ ही यह ब्राजील की सीनियर पुरुष टीम का भारतीय जमीन पर पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी होगा।

ब्राजील की टीमः

गोलकीपर : ह्यूगो सूजा, पेड्रो मोरिस्को, ओटावियो;

डिफेंडर्स: आर्थर डायस, डगलस सैंटोस, गैब्रियल मागालाएस, जाइर, मार्किन्होस, मात्युजिन्हो, माउरो जूनियर, विटोर रीस, वेस्ली;

मिडफील्डर्स : आंद्रेई सैंटोस, ब्रेनो बिडोन, ब्रूनो गिमाराएस, डानिलो सैंटोस, डगलस लुइज, गैब्रियल बोटेम्पो;

फारवर्ड्स : एंड्रिक, एस्टेवाओ, जोआओ पेड्रो, पेड्रो, राफिन्हा, रायन, सैमुअल लिनो, विनिसियस जूनियर।

मुख्यमंत्री ने टीकमगढ़ में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को किया संबोधित

किसानों की समृद्धि से ही राष्ट्र की तरक्की : डॉ. यादव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों की आर्थिक मजबूती से ही देश और प्रदेश की समृद्धि संभव है। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को खेती से जुड़ी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी आय बढ़ाने के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से टीकमगढ़ में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की समृद्धि के लिए केन-बेतवा अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना को मंजूरी मिली है। पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिलने से क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ेगा और किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बुंदेलखंड की तस्वीर बदलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने उन्नत और प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों से चर्चा कर उनके प्रयासों की सराहना की। किसानों ने सब्जी उत्पादन, पॉली हाउस, प्राकृतिक खेती, फूलों की खेती, बीज उत्पादन और मधुमक्खी पालन से जुड़े अनुभव साझा किए।

उन्होंने बताया कि कई किसान कृषि के साथ पशुपालन और अन्य गतिविधियों से भी आय बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने किसानों के नवाचार और मेहनत को प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास अन्य किसानों को भी आधुनिक और लाभकारी कृषि अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

संत रविदास ने धर्म के साथ कर्म को दिया महत्व : मुख्यमंत्री

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने अपने जीवन में धर्म के साथ कर्म को भी विशेष महत्व दिया। उनके विचार और उपदेश आज भी समाज को सही दिशा दिखाते हैं। मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से रायसेन में संत रविदास महाराज की प्रतिमा स्थापना समारोह में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार समाज का मार्गदर्शन करने वाली महान विभूतियों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने संत रविदास के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका संदेश सभी वर्गों को समान रूप से सम्मान देने और मिल-जुलकर रहने की प्रेरणा देता है। रायसेन में आयोजित समरसता यात्रा और समरसता भोज में सभी वर्गों की भागीदारी को उन्होंने सराहनीय बताया। पूर्व मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने बताया कि संत रविदास की प्रतिमा स्थापित हो चुकी है। पास ही डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य भी चल रहा है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए राज्य शासन से 25 लाख रुपये देने की स्वीकृति प्रदान की।

यात्री परिवहन को आधुनिक बनाने पर मंथन, आज से इंदौर में समिट

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में सार्वजनिक यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए 11 सितंबर से इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय यात्री परिवहन विजन समिट-2026 आयोजित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समिट का शुभारंभ करेंगे। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल भी इसमें शामिल होंगे।

- इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय यात्री परिवहन विजन समिट-2026
- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समिट का शुभारंभ करेंगे

समिट में निजी बस संचालक, परिवहन विशेषज्ञ, नीति-निर्माता, विभिन्न राज्यों के परिवहन उपक्रम, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियां और उद्योग जगत के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसमें प्रदेश की यात्री परिवहन व्यवस्था को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए रणनीति और सुझावों पर चर्चा होगी।

समिट का प्रमुख केंद्र मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा रहेगा। मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड के माध्यम से जन-निजी भागीदारी, आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी और हरित ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा।

मुख्यमंत्री समिट में उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इसमें बस निर्माता, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियां, वित्तीय संस्थान और परिवहन क्षेत्र से जुड़े अन्य संस्थान अपने तकनीकी समाधान और नवाचार प्रदर्शित करेंगे। इस दौरान मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड के नए लोगो और विशेष पुस्तिका का विमोचन भी होगा। परिवहन क्षेत्र में नए तकनीकी समाधान विकसित करने वाले स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए हैकाथॉन भी शुरू किया जाएगा। समिट में आठ सत्र होंगे। इनमें जन-निजी भागीदारी से निवेश, वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बस संचालन, यात्री सुरक्षा, रोजगार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मार्ग योजना, हरित परिवहन, एकीकृत टिकटिंग और स्वचालित किराया संग्रह जैसे विषयों पर विशेषज्ञ मंथन करेंगे।

शिक्षक पात्रता परीक्षा में बदलेगा पैटर्न

प्राथमिक और माध्यमिक के लिए अलग-अलग पेपर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आयोजित होने वाली शिक्षकों की पात्रता परीक्षा में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के लिए अलग-अलग परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

यह व्यवस्था तब लागू होगी, जब माध्यमिक शिक्षा मंडल को परीक्षा कराने वाली एजेंसी की जिम्मेदारी दी जाती है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय और माध्यमिक शिक्षा मंडल के बीच चर्चा चल रही है। मंडल परीक्षा आयोजन को लेकर अपनी योजना तैयार कर रहा है, जिसके बाद सरकार अंतिम निर्णय लेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश के करीब डेढ़ लाख शिक्षकों की पात्रता परीक्षा ऑफलाइन माध्यम से कराने के लिए कर्मचारी चयन मंडल के अलावा अन्य एजेंसी की तलाश कर रहा था। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प मिलने के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल को परीक्षा एजेंसी बनाए जाने की संभावना बढ़ गई है। मंडल पहले से ही ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित करता है। मंडल द्वारा तैयार किए जा रहे कार्यक्रम पर मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री और विभागीय अधिकारियों के बीच चर्चा के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। परीक्षा कार्यक्रम तय होने के बाद आवेदन प्रक्रिया और परीक्षार्थियों की संख्या के आधार पर आयोजन में करीब दो माह का समय लग सकता है। ऐसे में परीक्षा नवंबर या दिसंबर तक होने की संभावना है।

- माध्यमिक शिक्षा मंडल संभाल सकता है परीक्षा की जिम्मेदारी
- नवंबर-दिसंबर में होने की संभावना

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, पहले प्राथमिक शिक्षकों और उसके बाद माध्यमिक शिक्षकों की परीक्षा कराई जा सकती है। इसी कारण इस वर्ष केवल एक बार पात्रता परीक्षा होने की संभावना है। शिक्षक संगठनों ने जिला और विकासखंड स्तर पर परीक्षा केंद्र बनाने की मांग की है, ताकि शिक्षकों को अधिक दूरी तय नहीं करनी पड़े। आवेदन जमा करने की प्रक्रिया कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से ही होगी। मंडल द्वारा जमा की गई फीस बाद में माध्यमिक शिक्षा मंडल को भेजी जाएगी। अब तक करीब 20 हजार आवेदन भरे जाने की जानकारी है।

पेट्रोल-डीजल और सीएनजी पंप संचालकों को कर निर्धारण में राहत

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश सरकार ने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी पंप संचालकों को लंबित कर निर्धारण मामलों में राहत दी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पात्र मामलों में व्यापारियों की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर स्व-घोषणा के माध्यम से कर निर्धारण पूरा माना जाएगा। वाणिज्यिक कर विभाग ने इसके लिए अधिसूचना जारी की है।

यह व्यवस्था मध्य प्रदेश मूल्य वर्धित कर अधिनियम 2002, केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम 1956, मोटर स्पिरिट उपकर अधिनियम 2018 और हाई स्पीड डीजल उपकर अधिनियम 2018 के तहत लंबित मामलों पर लागू होगी। निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करने पर विभाग उपलब्ध जानकारी के आधार पर कर निर्धारण पूरा करेगा।

इस सुविधा का लाभ उन पंजीकृत पंप संचालकों को मिलेगा, जिन्होंने मध्य प्रदेश में अधिसूचित तेल कंपनियों या पंजीकृत व्यापारियों से कर और उपकर चुकाकर पेट्रोल, डीजल या सीएनजी खरीदा है। वर्ष 2024-25 में उनके खिलाफ कर चोरी का मामला नहीं होना चाहिए। अतिरिक्त कर या लेखा परीक्षण से संबंधित लंबित सूचना का अनुपालन भी बाकी नहीं होना चाहिए और संबंधित वर्ष के लिए धनवापसी का दावा नहीं किया गया हो। आवेदन के साथ कर और ब्याज जमा करने की चालान प्रति देनी होगी। दो करोड़ रुपये से अधिक कारोबार वाले व्यापारियों को चार्टर्ड अकाउंटेंट की लेखा परीक्षण रिपोर्ट भी प्रस्तुत करनी होगी।

आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचे आयुक्त, बच्चों से संवाद कर लिया सेवाओं का फीडबैक

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः महिला एवं बाल विकास विभाग के नवागत आयुक्त संदीप जी.आर. ने सीहोर जिले के डोडी क्रमांक-58 आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर मैदानी स्तर पर सेवाओं की स्थिति जानी। उन्होंने बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और अन्य हितग्राहियों को मिल रही पोषण, स्वास्थ्य तथा प्रारंभिक शिक्षा सेवाओं का अवलोकन किया और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने तीन से छह वर्ष के बच्चों को दिए जा रहे नाश्ते और गर्म पके भोजन की गुणवत्ता व स्वाद की जानकारी ली। उन्होंने गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं तथा छह माह से तीन वर्ष तक के बच्चों को मिलने वाले स्थानीय पोषण आहार और शाला पूर्व शिक्षा गतिविधियों की भी जानकारी ली।

उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों की पोषण वाटिकाओं में 20 मोरिंगा यानी सहजन के पौधे लगाने के निर्देश दिए। बच्चों के भोजन की पौष्टिकता बढ़ाने के लिए रोटी और पूरियों में चुकंदर तथा सहजन की पत्तियों जैसी स्थानीय पोषक सामग्री शामिल करने पर भी जोर दिया। आयुक्त ने बच्चों और महिला हितग्राहियों से सीधे संवाद कर भोजन और स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने पोषण ट्रैकर के उपयोग तथा कुपोषित बच्चों के उपचार और प्रबंधन की जानकारी भी ली।

उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण वितरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास, प्रारंभिक शिक्षा और मातृ-शिशु स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित अन्य योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

• जांच की जांच होगी...

लंबे समय से मुख्यालय से निर्देशों के बाद भी आर्थिक अपराध में संलिप्त पाए जाने और स्पष्ट प्रथमदृष्टया दोषी होने के बावजूद विभाग खात्मा रिपोर्ट लगा रहा है तो सवाल खड़ा होता है। यही कारण है कि कुछ जांचें फिर एक बार जांच के दायरे में हैं।

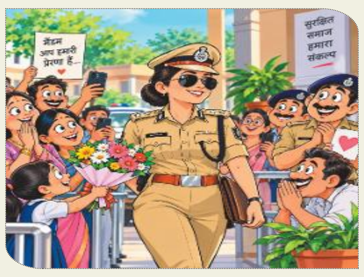

• मैडम का जलवा...

एक संभाग में खूबसूरती के साथ-साथ अपने व्यवहार एवं कार्यशैली से सभी का दिल जीतने वाली लेडी सिंघम के रूप में प्रख्यात मैडम जहां भी जाती हैं, भीड़ उन्हें देखने के लिए जुट जाती है। यही कारण है कि मैडम इन दिनों पदस्थापना वाले संभाग की सबसे ज्यादा चर्चित अधिकारियों में शुमार हैं।

• सुरों से संवाद करने की...

मध्यप्रदेश के एक संभागीय मुख्यालय पर कुछ अधिकारियों ने एक सामूहिक लंच के आयोजन को अपनी अभिव्यक्ति का मंच बना लिया। इस लंच में छोटे-बड़े सभी अधिकारियों ने एक साथ लंच भी किया और गानों के माध्यम से अपनी भावनाएं भी व्यक्त कीं।

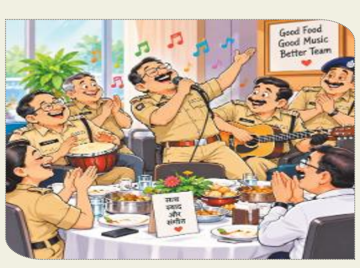

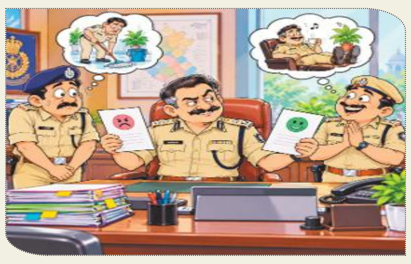

• हमको सजा, उनको राहत...

पिछले दिनों एक संभागीय मुख्यालय पर बड़े साहब ने एक-सी गलतियों पर दो अलग-अलग तरह की सजा का एलान किया, लेकिन उनके इस तरह के दोहरे रवैये से जिले में साहब को लेकर अलग-अलग तरह की चर्चाएं होने लगीं।

• आमना-सामना भारी पड़ गया...

चले थे जुगाड़ लगाने, लेकिन दांव उलटा पड़ गया। एक बड़े साहब ने कुछ जिम्मेदारी सौंपी और ताकीद किया कि बहुत गंभीर मामला है, लेकिन विभाग की कार्यप्रणाली के अनुसार साहब ने यही फरमान अपने जूनियर अधिकारी को सुना दिया और आगे बढ़ गए। गड़बड़ तो तब हो गई, जब दोनों छोटे-बड़े साहब एक ही दरबार में आमने-सामने आ गए।

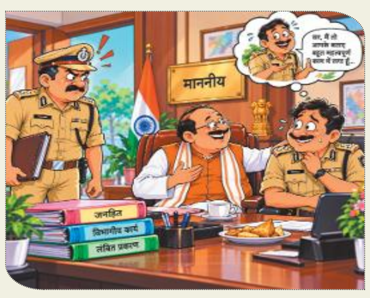

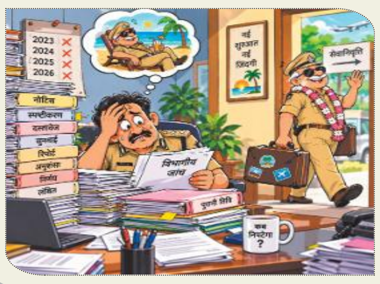

• बहुत टेढ़ी डगर है...

अपनी विभागीय जांच को समय से निपटाने की पूरी कोशिश बेकार हो गई, क्योंकि साहब रिटायर होकर मामले का बिना निपटारा किए रवाना हो गए। लेकिन अब पुरानी तिथियों में ही सब कुछ कराने में छोटे साहब को भारी पसीना आ रहा है।

नर्सिंग छात्रों के परीक्षा परिणाम जल्द जारी करने के निर्देश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने नर्सिंग छात्रों के परीक्षा परिणाम से जुड़े मामलों की मंत्रालय में समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से उच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है और पात्र छात्रों को परीक्षा परिणाम प्राप्त करने में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संबंधित समाविष्ट संस्थानों को तत्काल सूचना देकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराई जाए, ताकि छात्रों के परिणाम जारी किए जा सकें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मामले में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए विभागीय स्तर पर समन्वय के साथ कार्रवाई की जाए। उन्होंने अनुकूल नहीं पाए गए महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर भी आवश्यक कदम उठाने को कहा। ऐसे छात्रों को नियमानुसार उपयुक्त महाविद्यालयों से संबद्ध करने की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए, ताकि उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो।

मठ के पते से 40 फर्जी पासपोर्ट जारी

बांग्लादेशियों को भारतीय पहचान दिलाने का खुलासा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी के गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित अन्ना नगर के एक मठ के पते से करीब 40 लोगों के नाम पर पासपोर्ट जारी होने का खुलासा हुआ है। विशेष कार्यबल की जांच में सामने आया है कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाला गिरोह बांग्लादेश से भारत आए लोगों को भारतीय नागरिक के रूप में पहचान दिलाता था। इसके लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र तैयार करवाने के बाद भारतीय पासपोर्ट बनवाए जाते थे।

- एसटीएफ जांच में सामने आया गिरोह का नेटवर्क
- आधार-पैन और जन्म प्रमाण पत्र बनवाकर तैयार करते थे दस्तावेज

जांच में भोपाल और डबरा के पतों से अब तक 70 से अधिक संदिग्ध पासपोर्ट जारी होने की जानकारी मिली है। मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम असम भेजी गई है। टीम गिरोह के नेटवर्क और उससे जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है। मामले में अब तक दो आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। गिरोह का मास्टरमाइंड रियाल चौधरी भी जेल में है। पूछताछ के आधार पर अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। जांच के दौरान डबरा के सिमरिया टेकरी स्थित बौद्ध विहार कॉलोनी के एक ही पते से करीब 30 लोगों के नाम पर पासपोर्ट जारी होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद जांच भोपाल के अन्ना नगर स्थित मठ तक पहुंची। यहां भी एक ही पते से करीब 40 लोगों के नाम पर पासपोर्ट जारी हुए। ये पासपोर्ट 2021, 2022 और 2023 में जारी किए गए थे। जांच के अनुसार, गिरोह बांग्लादेश से आए लोगों की जानकारी जुटाकर उनके नाम पर भारतीय पहचान से जुड़े दस्तावेज तैयार करवाता था। इसके बाद इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाए जाते थे। कुछ लोगों के बौद्ध अनुयायी बनकर विदेश यात्रा करने की जानकारी भी मिली है। इनके थाईलैंड, मलेशिया, चीन, श्रीलंका और जापान जाने की बात सामने आई है। एसटीएफ यह भी जांच कर रही है कि पासपोर्ट सत्यापन में गड़बड़ी क्यों नहीं पकड़ी गई और सत्यापन से जुड़े लोगों की क्या भूमिका रही।

तारों की छांव में निखरेगा मध्यप्रदेश का पर्यटन, छह गांव बनेंगे एस्ट्रो विलेज

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में पर्यटन के नए क्षेत्रों को विकसित करने के साथ खगोलीय पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने जनजातीय पर्यटन परियोजना के तहत मई 2026 से एस्ट्रो विलेज विकास परियोजना शुरू की है। इसका उद्देश्य प्रकाश प्रदूषण से दूर प्राकृतिक अंधकार वाले क्षेत्रों को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना है।

परियोजना के पहले चरण में धार, छिंदवाड़ा, बैतूल, नर्मदापुरम, दमोह और उमरिया जिलों के एक-एक गांव का चयन किया गया है। इनमें ज्ञानपुरा, धुसावानी, बांचा, ढ़ाबा, रिछकुड़ी और रंछा शामिल हैं। इन गांवों में खगोलीय पर्यटन से जुड़ी सुविधाएं और अधोसंरचना विकसित की जा रही हैं।

पर्यटकों के लिए आधुनिक दूरबीन, खगोलीय अवलोकन उपकरण और खगोलीय तस्वीरें लेने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। स्टार गेजिंग प्लेटफॉर्म, अवलोकन क्षेत्र और अंतरिक्ष व खगोलीय घटनाओं की जानकारी देने के लिए व्याख्या केंद्र भी बनाए जाएंगे।

प्रशिक्षण *वन स्टॉप सेंटर में ...*

पीड़ित महिलाओं की बात संवेदनशीलता से सुनें : महिला आयोग

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर पर अपनी समस्या लेकर आने वाली महिला या बालिका की बात बिना किसी पूर्वाग्रह और निर्णय के ध्यानपूर्वक सुनी जानी चाहिए। उसकी परिस्थितियों को समझे बिना निष्कर्ष पर पहुंचना उसकी मुश्किलें बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, विश्वास और सशक्तिकरण को सहायता व्यवस्था का आधार बनाया जाए।

राष्ट्रीय महिला आयोग के तत्वावधान में राज्य महिला आयोग ने वन स्टॉप सेंटर के परामर्शदाताओं और प्रकरण कार्यकर्ताओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। इसमें महिलाओं को हिंसा और संकट की परिस्थितियों में प्रभावी, संवेदनशील और समन्वित सहायता देने के तरीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में भारतीय न्याय संहिता, दंड संबंधी कानूनों, लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम और घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम सहित विभिन्न कानूनों के व्यावहारिक पहलुओं पर चर्चा हुई। महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए बच्चों और युवाओं में लैंगिक समानता, सम्मान और संवेदनशीलता विकसित करने पर भी जोर दिया गया। आयोग के सदस्य सुरेश तोमर ने कहा कि सहायता और पुनर्वास की प्रक्रिया पीड़ित महिला की सुरक्षा, सम्मान, गोपनीयता और उसकी पसंद को ध्यान में रखकर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला को केवल एक प्रकरण मानने के बजाय उसकी परिस्थितियों को समझना जरूरी है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 43/आर-3 स्नेह नगर रोड, गोपालगंज सागर (म.प्र.) - 470001 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन -1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक : डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक : अपूर्व तिवारी। * भोपाल कार्यालय फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. MPHIN/2015/61503, www.naiduniaonline.com